@NewsRotary /RotaryNewsIndia November 2018

रोटरी समाचार

Vol.18, Issue 1 | Annual Subscription ₹420

Rotary

चेन्नई इंस्टिट्यूट ने
RIPN को बधाई दी।

चेन्नई इंस्टिट्यूट से एक पल

के. विश्वनाथन

रो ई निदेशक और इंस्टिट्यूट के संयोजक, सी भास्कर, इंस्टिट्यूट चेयरमेन ISAK नाज़र के साथ।

विषयसूची

12 परिवर्तन के राज-हंस बनिए: बेरी रेसिन

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने रोटेरियनों से आग्रह की कि वे रोटरी को मज़बूत बनाएँ।

22 का पुनर्निर्माण केरल

केरल और कूर्ग में बाढ़ पीड़ितों को घर प्रधान करने के लिए, रोटेरियनों से की गई अपील को वे उदारतापूर्वक दान दें और CSR दान पाने की कोशीश करें।

26 नई पहल और हमारे अंचलों में अतिरिक्त व्यापक प्रशिक्षण पर स्पॉट लाइट: भास्कर

रो ई निदेशक सी भास्कर ने ज़ोन 4, 5 और 6ए में शुरू किए गए विभिन्न पहलों को प्रस्तुत किया।

32 तीन पूर्व अध्यक्ष आरआईपीएन गुप्ता का अभिनंदन करते हैं

पूर्व रो ई अध्यक्ष गण कल्याण बेनर्जी, राजेंद्र के साबू और के आर रवींद्रन, सुशील गुप्ता के RIPN नामांकन का जश्न मनाते हैं।

44 भारत में रोटरी एक बड़े परिवर्तन के लिए तैयार है

चेन्नई इंस्टिट्यूट और RIPN सुशील गुप्ता के गृह मंडल ने इन्हें सम्मानित किया।

54 टीआरएफ़ में भारत का तगड़ा योगदान जारी है

भारतीय रोटेरियनों की उदारता ने भारत को टीआरएफ़ की ओर दान के लिए, लगातार तीसरे साल, दूसरा साथन सुनिश्चित किया।

60 जन्मदिन की एक शानदार पार्टी के साथ, रोटरी क्लब कोलंबो 90 वर्ष का हुआ

श्रीलंका के रोटेरियन, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन के साथ, रोटरी क्लब कोलंबो की 90वाँ जन्मदिन मनाते हैं।

72 जलने से बचे हुए लोगों को दूसरा जीवन प्राप्त हुआ

रोटरी क्लब कोयंबत्तूर मेट्रोपोलिस जलने से जीवित बचें लोगों को सर्जरी के माध्यम से नया जीवन दे रहा हैं।

कवर पर: RIPN सुशील गुप्ता और विनिता को रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर ने चेन्नई इंस्टिट्यूट में सम्मानित किया।

चित्र : रशीदा भगत

आपके पत्र

भारत में रोटरी, रोटरी न्यूज़ के लिए PRIP मेट केपारस की ढेर सारी शुभकामनाएँ

सबसे पहले, सुशील (गुप्ता) को बधाई, जिनका नामांकन अब आधिकारिक है। मैं बता नहीं सकता मैं कितना खुश हूँ कि मेरे वर्ष के गवर्नर को अध्यक्ष पद के लिए आमंत्रित किया गया है। मैं और भी अधिक प्रसन्न हूँ कि आपकी वर्तमान गतिविधि आपके आसपास मौजूद जरूरतमंदों की वास्तव में सेवा करना है, और इससे होने वाला लाभ प्रत्यक्ष है। मुझे आशा है कि ऐसी सर्वव्यापी सेवा को आपके वर्ष में और अधिक प्रोत्साहन और सफलता प्राप्त होगी क्योंकि रोटेरियन दूसरों की मैत्रीपूर्ण सेवा करके विश्व शांति के लिए प्रयास करते है।

मैं भी रविशंकर और पाओला दकोजू युगल द्वारा संस्थान को दिए गए उनके 14.7 मिलियन डॉलर के महान दान के लिए उनको धन्यवाद देना चाहता हूँ। कुछ लोग सोच सकते है कि इतनी बड़ी राशी देने के लिए उन्हें किसने राजी किया होगा। इस जोड़े के फैसले को जिस चीज़ ने निश्चित रूप से प्रभावित किया वह यह थी कि उन्होंने रोटरी और रोटेरियनों को दिल को छू लेने वाले परिणामों के साथ उदार कृत्य करते देखा जिन्हें उन्होंने उनके द्वारा की जा सकने वाली मदद के काबिल पाया। उनकी उदारता वर्तमान में देश में रोटरी की प्रशंसनीय अवस्था के कारण जीती गई थी जिसे इसके प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं - आप लोगों - ने पहुंचाया है। बधाइयाँ!

लेकिन मेरा सुझाव है कि *रोटरी न्यूज़* को भी उचित मान्यता दी जाए, जिसने रोटरी के कार्यों को पारदर्शिता और खरापन दिया है जिसे हमारे अद्भुत दानकर्ताओं ने सराहा है। यह पत्रिका अपने नए संपादक, जो अत्यधिक प्रशंसा की हक़दार है, के साथ पिछले तीन वर्षों में लगातार बेहतर हुई है। हमारे संगठन के एक अंग के रूप में, *रोटरी न्यूज़* हमारी आधिकारिक पत्रिका से शायद पहले ही बेहतर हो चुकी है।

मेट केपारस,
पूर्व रो ई अध्यक्ष (1986-87),
फ़िलीपीन्स

(यह पत्र अध्यक्ष केपारस द्वारा भारत के कुछ वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को 4 अक्टूबर को लिखा गया था।)

रोटेरियन केरल की मदद करते है

जयश्री द्वारा लिखित लेख *केरल की मदद के लिए रोटरी की त्वरित कार्यवाही* विध्वंसकारी बाढ़ द्वारा प्रभावित लोगों की चौंका देने वाली दुर्दशा और इस भयानक स्थिति से बाहर आने में रोटरी द्वारा प्रदर्शित भाव को व्यक्त करता है। यह जानकर बड़ी ख़ुशी हुई कि उन असहाय पीड़ितों को खाने के पैकेट, पानी की बोतलें और कपड़े पहुँचाने वाले गैर सरकारी संगठनों में रोटरी सर्वप्रथम थी।

पोलियो उन्मूलन में रोटरी की भूमिका प्रशंसनीय है; रोई निदेशक सी. भास्कर द्वारा मुंबई के एक मध्यम वर्गीय परिवार की चेतना, जिसने ङ्कमाण देशी महिला सहकारी बैंकफ की शुरुआत की, की कहानी सुनाई गई जो प्रेरित करने वाली है।

आदेश सिकेही द्वारा लिखित लेख *सफल क्लबों के लिए सर्वोत्तम प्रयास* का क्लबों द्वारा अपने बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुसरण किया जा सकता है। मांकड़ पर एक लेख *एक पार्क जहाँ बच्चे स्पर्श, महसूस कर सीख सकते है* वास्तव में किसी भी क्लब द्वारा अपनाए जा सकने वाला एक अनूठा विचार है। बाल विवाह के विरुद्ध रायगढ़ स्टील सिटी के रोटेरियनों का अभियान एक महान कृत्य है।

अन्य लेख जैसे कि *एक नया हाथ, समय आ गया है कि रोटरी टीबी की चुनौती का सामना करे,* और *लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और समुदायों में लचीलेपन का निर्माण करना: हेलेन क्लार्क* सभी पढ़ने योग्य है। संपादकीय टीम के बढ़िया प्रयास के लिए धन्यवाद।

एम टी फिलिप
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन- मंडल 3211

रोटेरियन किसी भी सरकारी एजेंसी से भी पहले आपदा स्थल पर पहुँचकर पीड़ितों को राहत सामग्री प्रदान करने में प्रथम होते है। 3201, 3202 और 3211 मंडलों के रोटेरियनों ने केरल में बहुत बढ़िया काम किया है। लेख *वड़ा पाव चमत्कार!* ने इस बात पर रोशनी डाली कि कैसे LN-4 हाथ फिट होने के बाद लाभार्थी सामान्य जीवन जी रहे है। रोटरी क्लब पूना डाउनटाउन के सदस्यों को सलाम जिन्होंने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक, यूपी, तेलंगाना और कश्मीर जैसी जगहों पर कृत्रिम अंग शिविरों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया है।

रोटरी क्लब दिसपुर, असम का मात्र 21 सदस्यों वाला एक क्लब, द्वारा की गई परियोजना *(बाढ़ पीड़ितों के लिए एक तैरने वाला घर)* उत्कृष्ट

है। चूँकि यह परियोजना बाढ़ के दौरान माजुली, गुवाहाटी से 340 कि मी दूर स्थित एक नदी द्वीप, में रहने वाले लोगों की मदद करेगी, मंडल गवर्नर और क्लब को समुदाय के लिए ऐसी उपयोगी परियोजना करने के लिए मेरा हार्दिक धन्यवाद।

एस मुनियांडी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - मंडल 3000

कवर पेज का *अनुशीर्षक आत्मविश्वास की पुनः स्थापना* शानदार है। शुरू में, मुझे लगा यह चित्र मेरे गृह-नगर क्लब परियोजना से संबंधित है। रोटरी क्लब बेरहामपुर ईस्ट ने हाल ही में रोटरी क्लब पूना डाउनटाउन के सहयोग से एक LN-4 परियोजना शुरू की है। यह सर्वोत्तम सेवा परियोजनाओं में से एक थी और लाभार्थी संपूर्ण ओडिशा और पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से आए थे।

पोलियो उन्मूलन हमारा सपना है और आज बहुत से देश पोलियो के शून्य मामलों की रिपोर्ट करते है। दूरदर्शी रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को बधाईयाँ। बड़े दिलवाले रोटेरियनों ने केरल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए त्वरित कार्यवाही की। यह मानवता की सेवा के लिए समय पर की गई हमारी कार्यवाही को दर्शाता है। सभी लेख सूचनाप्रद और प्रेरणात्मक है। रोटेरियन हमेशा कहते है: वैश्विक स्तर पर लोगों की सेवा करने के लिए ''अच्छा देखो, अच्छा सोचो, अच्छा करो।''

पी आर एन चंद्रमौली
रोटरी क्लब बेरहामपुर मिडटाउन - मंडल 3262

मैं रोटरी क्लब नवी मुंबई, मंडल 3142, की गतिविधियों से प्रभावित हूँ, क्योंकि गणमान्य व्यक्तियों को खाने के कूपन उपहार देना और उनसे उनपर हस्ताक्षर लेकर जरूरतमंदों को वे कूपन प्रदान करना एक विचारणीय भाव है। पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करना पर्यावरण को बचाने का शानदार तरीका है। क्लब परिसरों को अन्य क्लबों को किराए पर देना भी एक अभिनव, आय-उत्पन्न करने वाला विचार है। सभी क्लबों को समाज की सेवा करने के उनके व्यावहारिक तरीके का अनुसरण करना चाहिए। मैं आशा करती हूँ कि हमें अन्य क्लबों की अद्भुत परियोजनाओं पर और अधिक लेख देखने को मिलेंगे।

शोभना नारायणन
रोटरी क्लब कलामसेरी - मंडल 3201

मैंने लेख *सेलम के रोटेरियन पट्टाया स्थित एक अनाथालय में पहुँचे* दिलचस्पी के साथ पढ़ा। रोटरी क्लब सेलम यंग टाउन के सदस्यों ने ₹50,000 दान कर थाईलैंड के पट्टाया के 150 अनाथ बच्चों की मदद करके और साथ ही जाफना के किलिनोच्ची नगर में ₹1 लाख की कीमत की कापियाँ और यूनिफ़ॉर्म बांटकर बढ़िया कार्य किया है, दोनों ही सुयोग्य परियोजनाएं है।

आमतौर पर, रोटेरियन पर्यटन के लिए, स्थानीय रोटरी क्लबों का दौरा करने, उनकी बैठकों में शामिल होने और झंडों का आदान-प्रदान करने हेतु पट्टाया और श्रीलंका जाते थे। लेकिन इस क्लब ने अनाथालय के गरीब बच्चों की मदद करने का एक अभिनव कार्य किया है।

एस मोहन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट - मंडल 3000

संध्या राव द्वारा लिखित लेख *संयोग से मिली किताबें* ने मेरे मन को आकर्षित किया और कुछ वर्षों पहले पॉल ब्रंटन द्वारा लिखित किताब *द सर्च इन सीक्रेट इंडिया* को पढ़ने की मेरी स्मृति को फिर से ताज़ा कर दिया।

मौन ऋषि रमन महर्षि की उत्कृष्ट भावनाओं और इच्छापूर्ण विचारों पर लिखी गई किताब की सामग्री ने मुझे आकर्षित किया। इस लेख को पढ़ने के बाद, मुझे सॉमरसेट मौघम द्वारा लिखित किताब *अ रेज़र्स एज* की एक प्रति प्राप्त करने की इच्छा हुई। उम्मीद है कि मैं अपनी यह चाहत पूरी कर पाउँगा।

इस दिल को छू लेने वाले लेख के लिए आपको और आपके माध्यम से संध्या राव को मेरा हार्दिक धन्यवाद।

दीपक अग्रवाल
रोटरी क्लब सिलिगुरी मिडटाउन - मंडल 3240

सितंबर अंक में हमारी चिन्हक परियोजना के ऊपर लेख उन्हें चलने योग्य बनाना पढ़कर हम खुश है। इस लेख ने हमारे मनोबल को बढ़ाया है, खासतौर से हाल ही में शामिल हुए रोटेरियनों का जिन्होंने हमारी परियोजना की महत्ता को समझ लिया है।

सुरेश गोकुलदास
रोटरी क्लब कोयम्बटूर मिडटाउन - मंडल 3201

एक गुणवत्तापूर्ण पत्रिका

मैं आपको और आपके दल को गुणवत्तापूर्ण लेखों, रोटरी परियोजनाओं पर कवर चित्रों और चमत्कार कर्ताओं के पत्रों के साथ एक पत्रिका प्रकाशित करने के लिए बधाई देता हूँ। मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, एक मधुर भाषी राजनेता, एक उदार और दूरदर्शी व्यक्ति, के ऊपर लिखे गए शक्ति सिन्हा के लेख को पढ़कर उत्तेजित हुआ।

डेनियल चित्तिलाप्पिल्ली
रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

एक गैर-रोटेरियन की तरफ से

मुझे *रोटरी समाचार* से रोटरी द्वारा किये जा रहे अच्छे कार्य को पढ़ने का अवसर मिला और मैं एक रोटेरियन बनना चाहता हूँ। कृपया मुझे बताए कि मैं कैसे एक रोटेरियन बन सकता हूँ।

देवदास, दारागंज (अलाहबाद)

We welcome your feedback. Write to the Editor: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com

Governors Council

RI Dist 2981	DG	S Piraiyon
RI Dist 2982	DG	Nirmal Prakash A
RI Dist 3000	DG	RVN Kannan
RI Dist 3011	DG	Vinay Bhatia
RI Dist 3012	DG	Subhash Jain
RI Dist 3020	DG	Guddati Viswanadh
RI Dist 3030	DG	Rajiv Sharma
RI Dist 3040	DG	Gustad Anklesaria
RI Dist 3053	DG	Priyesh Bhandari
RI Dist 3054	DG	Neeraj Sogani
RI Dist 3060	DG	Pinky Patel
RI Dist 3070	DG	Barjesh Singhal
RI Dist 3080	DG	Praveen Chander Goyal
RI Dist 3090	DG	Dr Vishwa Bandhu Dixit
RI Dist 3100	DG	Deepak Jain
RI Dist 3110	DG	Arun Kumar Jain
RI Dist 3120	DG	Stuti Agrawal
RI Dist 3131	DG	Dr Shailesh Palekar
RI Dist 3132	DG	Vishnu S Mondhe
RI Dist 3141	DG	Shashi Sharma
RI Dist 3142	DG	Dr Ashes Ganguly
RI Dist 3150	DG	Ramesh Vangala
RI Dist 3160	DG	Konidala Muni Girish
RI Dist 3170	DG	Ravikiran Janradan Kulkarni
RI Dist 3181	DG	Rohinath P
RI Dist 3182	DG	Abhinandan A Shetty
RI Dist 3190	DG	Suresh Hari S
RI Dist 3201	DG	A Venkatachalapathy
RI Dist 3202	DG	Dr E K Ummer
RI Dist 3211	DG	E K Luke
RI Dist 3212	DG	K Raja Gopalan
RI Dist 3231	DG	C R Chandra Bob
RI Dist 3232	DG	Babu Peram
RI Dist 3240	DG	Dr Sayantan Gupta
RI Dist 3250	DG	Kumar Prasad Sinha
RI Dist 3261	DG	Nikhilesh M Trivedi
RI Dist 3262	DG	Bhabani Prasad Chowdhury
RI Dist 3291	DG	Mukul Sinha

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee	Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RIDE	Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RIDE	Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2018–19)

DG Rajiv Sharma — RI Dist 3030
Chair – Governors Council

DG Pinky Patel — RI Dist 3060
Secretary – Governors Council

DG Subhash Jain — RI Dist 3012
Secretary – Executive Committee

DG A Venkatachalapathy — RI Dist 3201
Treasurer – Executive Committee

DG Shashi Sharma — RI Dist 3141
Member – Advisory Committee

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India. Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

इंस्टिट्यूट, भारतीय रोटरी के रोमांच और उत्साह को दर्शाता है

यदि किसी भी जोन इंस्टिट्यूट की सफलता का मापदंड प्रतिभागियों के रोमांच और उत्साह का स्तर है, तो अपनी थीम 'पैशन टू सर्व' के साथ चेन्नई इंस्टीट्यूट को कहीं ज़्यादा अंक मिलेंगे। चाहे वो रो ई हो या फिर अंचल में रोटरी नेतृत्व जिसका संचालन स्वयं रो ई अध्यक्ष बैरी रैसिन कर रहे थे और जिस की अगुआई पूर्व रो ई अध्यक्ष राजेंद्र के साबू और के आर रविंद्रन, रो ई निदेशक सी भास्कर, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती और रो ई निदेशक (निर्वाचित) भरत पंड्या और कमल सांघवी, आगामी मंडल अध्यक्ष, प्रशिक्षकों और अन्य रो ई अधिकारीयों के साथ यहां का माहौल बेहद सकारात्मक और आशावादी था।

हर किसी की ज़ुबान पर इस की गूँज की वजह अहम थी ... रो क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष डी रविशंकर और पाओला द्वारा उदारता से किया गया ₹100 करोड़ का अविश्वसनीय दान (1 जुलाई, 2018 की दर के हिसाब से 14.7 मिलियन डॉलर)। भव्य स्वागत के साथ इंस्टिट्यूट में इस जोड़ी को सम्मानित किया गया था, वे सभी के आकर्षण का केंद्र थे, एक प्रश्नोत्तर सत्र में, मंडल 3190 के डीजी सुरेश हरि के साथ, जिन्होंने उन्हें दान देने के लिए राजी किया था,रवि शंकर ने अपनी सादगी और स्पष्टता से सबका दिल जीत लिया।

सम्पूर्ण रोटरी में चर्चा थी इस अनुदान की - इसका उल्लेख पीआरआईपी मैट कपारस ने भी किया है (पत्र कॉलम देखें) - जिसने रोटरी फाउंडेशन के प्रमुख दाताओं के सम्मान में आयोजित टीआरएफ रात्रिभोज की दिशा तय कर दी थी। अध्यक्ष रेसिन, निदेशक भास्कर और ट्रस्टी वाहनवती ने कहा कि यह अन्य रोटेरियनों को टीआरएफ में देने के लिए प्रेरित करेगा, भारत के सिर को गर्व से ऊंचा उठाए रखेगा, और एक श्रृंखला प्रभाव के तहत दुनिया भर में हजारों लोगों को स्वास्थ्य और पोषण, पानी और स्वच्छता, साक्षरता, आजीविका इत्यादि को बेहतर बनाने में सहायक होगा ।

चाहे प्रशिक्षण की विशेषता हो या स्पष्ट और गंभीर बात (इसमें से कुछ पीआरआईपी रविंद्रन द्वारा संचालित लोकप्रिय सत्र फ्रैंकली स्पीकिंग में, देखें पृष्ठ16), प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न सत्रों में अपने नेताओं से सहजता से कठिन प्रश्न पूछना रहा हो, या फिर चेन्नई नाइट की मौज मस्ती और संगीत, इंस्टिट्यूट की समिति ने इसके संयोजक पीडीजी ISAK नज़र के नेतृत्व में चेन्नई इंस्टिट्यूट को यादगार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी।

और सोने पे सुहागा था आरआईपीएन सुशील गुप्ता और विनीता का भव्य स्वागत, जो इवान्स्टन में अपने गहन प्रशिक्षण के बाद सीधे यहां पहुंचे थे, अत्याधिक काम करने के बाद, गुप्ता ने परिहास किया (पृष्ठ 47) भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए पूजा तिरुपति में की गई और प्रसाद चेन्नई में मिला।

समाज की सेवा करते हुए जिस समुदाय में रोटरी रच बस जाती है, वहीं यह सबसे अच्छी है, निदेशक भास्कर ने इसे समुचित रूप से प्रदर्शित किया , उन्होने वहां एकत्रित डीजी, डीजीई और अन्य नेताओं से मदद मांगने का कोई मौका नहीं गंवाया, ताकि वे केरल ,कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में आई विनाशकारी बाढ़ से बेघर हुए लोगों के घरों के पुनर्निर्माण के लिए अपने दिल खुले रखें । इन मंडलों में पुनर्निर्माण कार्य की देखरेख के लिए पीआरआईपी कल्याण बनर्जी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है, जिन्हें भुज में आये भूकंप के बाद, कम लागत वाले मकानों के पुनर्निर्माण का भरपूर अनुभव है। एक बार फिर मौक़ा है रोटरी के पास, समाज पर अपनी छाप छोड़ने का, लेकिन इसके लिए आपकी उदारता ज़रूरी है ...

रशीदा भगत

अध्यक्ष
की ज़बानी

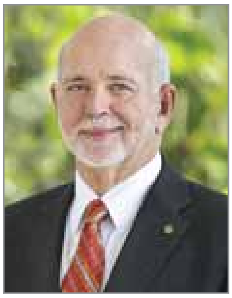

BE THE INSPIRATION

हैम्बर्ग सम्मेलन में मिलते हैं

प्रिय साथी रोटेरियनों,

30 साल से भी अधिक समय पहले, एक बार जून की शुरुआत में, लास वेगास के लिए मेरी एक व्यापारिक यात्रा निर्धारित थी। मैं लगभग छह साल से एक रोटेरियन था, और मैं स्वयं को एक सक्रिय सदस्य समझता था: मैं प्रत्येक बैठक में भाग लेता था, मैंने क्लब सचिव के रूप में सेवा की, मैं अपने क्लब में सभी को जानता था। लेकिन मेरे लिए, रोटरी एक सामुदायिक संगठन अधिक था। इसने मुझे नासाउ और शायद बहामास तक से जोड़ा - लेकिन इससे आगे नहीं।

बहामास से परे मैंने कभी रोटरी के बारे में नहीं सोचा था, और ना ही कभी मेरे दिमाग में रोटरी सम्मेलन में जाने का विचार आया। लेकिन उस वसंत ऋतु में, मुझे एहसास हुआ कि लास वेगास की मेरी यात्रा और रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एक ही समय पर होंगे और फिर मैंने सोचा, क्यों नहीं? मैंने अपना पंजीकरण करवाया और अपने शुल्क का भुगतान किया, इस बात पर संदेह किए बिना कि यह अनुभव मेरी ज़िंदगी बदल देगा।

जब मैं उस सम्मेलन में शामिल हुआ, मैं चकित था। मुझे यह बात भी पता चली कि मैं एक वैश्विक संगठन का हिस्सा था जिसमें दुनियाभर के एक मिलियन से अधिक सदस्य शामिल थे। सम्मेलन में शामिल होना पूरी तरह से एक अलग अनुभव था। मैं हर सामान्य सत्र में गया, *हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप* के प्रत्येक बूथ को देखा, और उन परियोजनाओं के बारे में जाना जिनके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि आप रोटरी में कर सकते है। उस सम्मेलन ने केवल मेरी आँखें ही नहीं खोली। उसने मेरी सोच को भी विस्तारित किया। उसने रोटरी को देखने के मेरे नज़रिये को पूरी तरह बदलने के लिए मुझे प्रेरित किया, रोटरी मेरे लिए क्या कर सकती थी, और मैं रोटरी के माध्यम से क्या कर सकता था। वह प्रेरणा तब से मेरे साथ हमेशा रही - और यह प्रत्येक रोटरी सम्मेलन में हर साल नवीनीकृत होती है।

जून 2019 में, दुनियाभर के रोटेरियन हैम्बर्ग में 110वें रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इस क्षण का साक्षी बनने के लिए एकत्रित होंगे। मेरे जैसे, कई लोग, वर्षों से सम्मेलनों में आ रहे होंगे; अन्य कई लोग पहली बार आएंगे। चाहे वे पुराने दोस्तों से मिलने के लिए हो, एक नए रोटरी वर्ष के लिए प्रेरणा ढूँढने के लिए हो, या सिर्फ यह देखने के लिए कि रोटरी आखिर है क्या, सबके पास हैम्बर्ग में होने की अपनी वजह होंगी।

हैम्बर्ग एक बंदरगाह शहर है जो जर्मनी को दुनिया से जोड़ता है और यह सदियों से आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र रहा है। यह देखने के लिए एक शानदार जगह है - शहर की झीलों के किनारे घूमना, एल्ब नदी पर एक नाव यात्रा करना, भोजन करना, बढ़िया सा संगीत सुनना, आकर्षक संग्रहालयों में घूमना। एक यूरोपीय दौरे की शुरुआत करने के लिए यह एक आदर्श जगह है।

यदि आप नियमित रूप से सम्मेलन में जाने वाले व्यक्ति है, तो आप निश्चित रूप से हैम्बर्ग में मिलने वाले साहचर्य और प्रेरणा के सुअवसर को जाने देना नहीं चाहेंगे। और यदि आप कभी किसी सम्मेलन में नहीं गए है, तो इसे मेरा व्यक्तिगत निमंत्रण समझिये। सबसे अच्छी दर के लिए 15 दिसंबर तक *riconvention.org* पर पंजीकरण करें - और इस सम्मेलन को आपकी रोटरी यात्रा के लिए *प्रेरणा बनने दीजिये।*

बेरी रेसिन
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

रो ई निदेशक

का संदेश

रोटेरियन रवि शंकर के परोपकार को सलाम

प्रिय रोटेरियनों,

देकर हमें शायद इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि भीतर ही भीतर हम जानते है कि नेकी के लिए बिना सोचे समझे किए गए कार्य दुनिया को बदलते है।

मैं खुश हूँ और रोटेरियन दकोजू रवि शंकर को उनके द्वारा TRF में किये गए ₹100 करोड़ के दान के लिए बधाई देना चाहता हूँ। जब उनसे TRF में उनके योगदान के बारे में पूछा गया, रोटेरियन रवि शंकर ने कहा कि उन्होंने किसी भी कीर्तिमान, या किसी भी सम्मान या अपने दिमाग में किसी भी योजना के बारे में नहीं सोचा था। ''मैंने बस दान करने का फैसला कर लिया।'' कितना शानदार भाव प्रदर्शन और उदार धारणा है। रोटेरियन रवि शंकर: आप वास्तव में सभी रोटेरियनों के लिए एक प्रेरणा है।

CNN के पूर्व मालिक, टेड टर्नर ने एक यूएन संस्थान को 1 बिलियन डॉलर का योगदान दिया। एक टीवी साक्षात्कार में उन्होंने लेरी किंग को बताया कि उन्होंने जान लिया है ''जितना अधिक अच्छा मैं करता हूँ, उतना ही अधिक पैसा मेरे पास आता है। आपको देना सीखना होगा। आप देने के लिए पैदा नहीं हुए है। आप स्वार्थी पैदा हुए है। मैं आज जितना खुश हूँ उतना पहले कभी नहीं हुआ।''

चलिए मैं एक कहानी सुनाता हूँ। एक बार एक अरबपति ने एक स्वामीजी का प्रवचन सुना जिसमें स्वामीजी ने कहा था दुनिया में हर कोई केवल पैसे के पीछे भाग रहा है। ''और वे सब इस बात से अनजान है कि वे लोग मृत्यु के बाद अपने साथ पैसे नहीं ले जा सकेंगे। इन शब्दों को सुनकर, उस अरबपति ने सोचा, चूंकि इस व्यक्ति के पास पैसे नहीं है, इसलिए यह इस तरह का भाषण दे रहा है।'' अगले दिन उस अरबपति ने अपने कर्मचारियों को बुलाया और उनसे सुझाव देने के लिए कहा कि कैसे वह मरने के बाद अपने साथ अपना पैसा ले जा सकता है। किसी के पास कोई सुझाव नहीं था।

कुछ हफ़्तों बाद, एक अजनबी उस अरबपति के पास आया और बोला कि उसके पास एक सुझाव है। अरबपति ने उत्सुकतापूर्वक उससे उसका सुझाव साझा करने के लिए कहा। उस अजनबी ने उससे पूछा कि वह कितने देशों की यात्रा कर चुका है। उस अरबपति ने कहा लगभग दुनिया के सभी देश। अजनबी ने पूछा कि क्या वह अपने साथ उन देशों की यात्रा के दौरान भारतीय मुद्रा लेकर गया था। अरबपति ने कहा वह पैसे लेकर जाता है मगर रुपयों में नहीं। ''मैं जब यूएसए जाता हूँ तो रुपयों को अमेरीकी डॉलर में परिवर्तित करता हूँ और जब कोई अन्य देश जाता हूँ तो रुपयों को वहाँ की मुद्रा के हिसाब से परिवर्तित करता हूँ।'' अजनबी ने कहा उचित है और फिर उसने आगे कहा: ''महोदय, आप मरने के बाद स्वर्ग जाना चाहते है!'' ''हाँ, हाँ'' अरबपति ने कहा। तो स्वर्ग में चलने वाली मुद्रा का नाम है पुण्य। दान करके आप अपनी मुद्रा को पुण्य में परिवर्तित कर सकते है।

जब कोई खुले दिल से दान करता है, तो बाद में यह देखने वालों को भी उदारतापूर्वक दान करने के लिए प्रेरित करता है। वास्तव में, शोध में पता चला है कि परोपकारिता तीन स्तरों तक फ़ैल सकती है - लोगों से लोगों से लोगों से लोगों तक। ''परिणामस्वरूप, तंत्र में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति दर्जनों या सैकड़ों लोगों को प्रभावित कर सकता है, जिनमें से कुछ को वह जानते भी नहीं होंगे और कभी मिले भी नहीं होंगे।''

चलिए उन जाने एवं अनजाने रोटेरियनों, जिन्होंने रोटरी संस्थान के लिए योगदान किया है, और रोटेरियन रविशंकर जैसे लोगों को सलाम करें जो हमें याद दिलाते है कि हम में से प्रत्येक की कुछ भूमिका है और हम अपने समय की चुनौतियों का सामना कर सकते है, और अपनी छोटी सी कोशिश से, एक बेहतर दुनिया के निर्माण में मदद कर सकते है।

देने के लिए *प्रेरणा बनिए।*

C. Bh

सी भास्कर

निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

District Wise TRF Contributions as on September 2018

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	13,688	2,444	0	8,000	24,132	34	2
2982	17,014	59	0	243	17,316	91	2
3000	9,377	1,000	5,265	4,265	19,907	188	7
3011	34,253	0	25,462	15,072	74,787	50	1
3012	106,911	0	160,200	8,800	275,911	58	2
3020	6,441	12,794	0	5,000	24,234	78	2
3030	3,094	0	0	0	3,094	28	1
3040	2,009	0	9,930	0	11,939	2	0
3053	35,457	0	0	0	35,457	4	0
3054	(22,896)	0	30,714	0	7,818	2	0
3060	(11,864)	43	81,977	0	70,156	18	0
3070	47,034	300	0	0	47,334	225	5
3080	15,979	3,944	4,735	0	24,658	123	4
3090	15,201	0	0	0	15,201	28	1
3100	12,601	0	0	0	12,601	43	2
3110	19,474	993	1,835	0	22,302	37	1
3120	19,183	0	148,057	0	167,240	31	1
3131	125,195	973	107,653	33,203	267,023	366	7
3132	5,752	0	0	20,000	25,752	48	1
3141	410,762	7,782	197,899	1,000	617,442	448	9
3142	172,409	0	0	0	172,409	361	11
3150	21,547	0	58,340	239,038	318,925	258	7
3160	3,842	580	0	0	4,422	13	1
3170	26,466	1,246	4,679	0	32,390	136	3
3181	16,109	441	0	0	16,550	98	3
3182	23,265	0	6,516	0	29,781	113	4
3190	39,588	3,512	6,348	1,449,304	1,498,751	198	4
3201	25,431	1,029	104,627	0	131,087	69	1
3202	7,129	317	0	0	7,446	7	0
3211	13,003	0	0	1,515	14,518	153	3
3212	42,156	(251)	0	2,000	43,905	41	1
3231	1,494	0	0	0	1,494	20	1
3232	68,130	100	26,713	1,000	95,944	72	2
3240	25,299	110	0	0	25,410	51	2
3250	2,454	0	4,444	0	6,898	6	0
3261	8,983	1,000	100	2,000	12,083	7	0
3262	6,928	1,000	900	3,000	11,828	22	1
3291	41,714	0	35,988	800	78,503	95	3
India Total	**1,410,614**	**39,415**	**1,022,382**	**1,794,240**	**4,266,652**	**3,622**	**3**
3220 **Sri Lanka**	29,557	0	1,050	5,000	35,607	198	11
3271 **Pakistan**	21,258	13,209	0	0	34,466	5	0
3272 **Pakistan**	986	611	0	0	1,598	4	0
3281 **Bangladesh**	41,919	2,300	7,715	0	51,934	46	1
3282 **Bangladesh**	3,950	550	0	0	4,500	10	0
3292 **Nepal**	34,574	5,012	70,367	0	109,952	111	3
South Asia Total	**1,542,858**	**61,097**	**1,101,514**	**1,799,240**	**4,504,710**	**3,996**	**3**
World Total	**21,293,219**	**5,059,612**	**3,923,879**	**5,272,071**	**35,548,780**		

Source: RI South Asia Office

A PART OF HISTORY

The german kitchen.
Since 1898.

Head Office and Showroom:

A- 248, Mahipalpur Extension, NH-8,
Delhi-Gurgaon Road, New Delhi-110037

[T] +91-11-46102000 [E] info@hacker-kitchens.com

Häcker
kitchen.germanMade.

www.haecker-india.com
www.haecker-kuechen.com

AHMEDABAD	BANGALURU	CHENNAI	COIMBATORE	DELHI
9879538977	9740999350	9442081111	9500210555	9313134488

HYDERABAD	INDORE	JAIPUR	KOCHI	LUDHIANA	MUMBAI	MANGALURU	THRISSUR
9700058285	9425803599	9414058718	9895058285	9815048222	9322987229	7899119955	7025991000

Rotary Institute 2018

परिवर्तन के राज-हंस बनिए: बेरी रेसिन

रशीदा भगत

इस समय रोटरी दोराहे पर है और हमें आगे आना होगा और भविष्य की ओर अपने संस्थान को थोड़ी अलग दिशा में ले जाने के लिए कार्य करना होगा। हम 113 वर्षों से वहाँ है और हमें योजना बनाने की आवश्यकता है कि हम अगले 113 वर्षों में कहाँ होना चाहते है। यदि हम ऐसा नहीं करते है और इस बात की युक्तिपूर्वक योजना नहीं बनाते है कि हमें भविष्य में एक मजबूत संगठन बनने के लिए क्या करना चाहिए, तो हम वहाँ नहीं पहुँच सकते।''

इस आत्मविश्लेषी टिप्पणी के साथ, रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने चेन्नई में ज़ोन 4, 5, और 6ए के लिए रोटरी ज़ोन इंस्टिट्यूट की शुरुआत '*Passion to Serve*'थीम के साथ की।

उन्होंने कहा इतने वर्षो से रोटरी की सदस्यता 1.2 मिलियन पर अटकी हुई है। पिछले दो वर्षों में 300,000 लोग रोटरी से जुड़े और अन्य 300,000 रोटरी से चले भी गए। ''यह

इंस्टिट्यूट में रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर को सम्मानित किया गया। अफज़लुन्निसा नाज़र, माला भास्कर, ललित सुब्रमण्यम, डीजी बाबू पेराम, रो ई निदेशक सी भास्कर, इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष ISAK नाज़र और सचिव एन सुब्रमण्यम चित्र में शामिल हैं।

चौंकाने वाला है और हम में से प्रत्येक को यह पूछने की आवश्यकता है कि वे रोटरी क्यों छोड़ रहे है। हमारे क्लब क्या गलती कर रहे है? क्या मेरा क्लब प्रत्येक सदस्य को अहमियत दे रहा है? क्या हम उस दिन और समय में हमारे समुदाय में होने वाली सबसे अच्छी चीज़ है? हम वास्तव में अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व कैसे करते है?''

फिर उन्होंने इंस्टिटच्यूट में मौजूद रोई अधिकारियों का ध्यान *रोटरी न्यूज़* के जुलाई अंक के कवर चित्र की ओर खींचा, जिसमें दो व्यक्ति (रेसिन और उनकी पत्नी एस्थर) सात राजहंसों के साथ है। ''उस चित्र में, छह राजहंस एक ही दिशा में देख रहे है और सातवाँ दूसरी दिशा में देख रहा है। वह अन्य दिशा में भीड़ से अलग जाने का प्रयास कर रहा है। वह परिवर्तन का राजहंस है। अब मुझे अवश्य ही आपसे परिवर्तन का राजहंस बनने के लिए कहना चाहिए।''

परिवर्तन का वह राजहंस बनने के लिए, ''उन्हें इस बारे में अलग सोचना होगा कि हम कौन है, हम कहाँ जा रहे है और हमें क्या करने की आवश्यकता है। हम अपने क्लबों को इस बात के लिए कैसे राजी करते है कि एक अलग दिशा में जाना रोटेरियन और रोटरेक्टर दोनों के लिए बेहतर होगा। यह चुनौती है।''

परिवर्तन का राजहंस बनने के लिए, ''रोटेरियनों को खुद से पूछना होगा कि क्या हम पारदर्शी और उत्तरदायी है। क्या हमारे मंडल का प्रत्येक क्लब वह आंकड़े प्रस्तुत कर रहा है जो उन्हें प्रस्तुत करना चाहिए? क्या हम धन का दुरुपयोग करने या किसी भी अन्य प्रकार का दुरुपयोग करने की धारणा से दूर है? कुछ लोगों को आपकी अद्भुत प्रतिष्ठा को क्षति ना पहुँचाने दे।''

उन एकत्रित लोगों को अपनी तरक्की में जीत और हार दोनों को शामिल करने के लिए उकसाते हुए, रेसिन ने कहा, ''जब मैंने पहली बार अपना नाम रोई अध्यक्ष के पद के लिए दिया था, तो मैं हार गया। मुझे निराशा की गहरी साँस लेनी पड़ी और फिर उस व्यक्ति को बधाई देनी पड़ी जो उस पद पर था। जब हम कोई चुनाव हारते है, तो हमें एक बेहतर व्यक्ति बनने की आवश्यकता होती है, वह व्यक्ति जो विजेता को बधाई देता है।''

इन ज़ोनों के रोटेरियन भाग्यशाली है जो उन्हें निदेशक सी भास्कर और अन्य वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं जैसे लोगों का नेतृत्व मिला। ''आपके ज़ोन में आपके द्वारा की जाने वाली सेवा परियोजनाएं, देशभर को कवर करने वाले साक्षरता कार्यक्रम, स्वास्थ्य कार्यक्रम और जल एवं स्वच्छता कार्यक्रम सर्वश्रेष्ठ है।'' उन्हें चंडीगढ़ में ऐसी ही एक WinS परियोजना देखने का सौभाग्य मिला था, जहाँ बच्चे ''मुझे यह दिखाकर बहुत खुश थे कि वह अपने हाथ कैसे धोते है। मैंने उनमें से एक से पूछा

कि वह इतना प्रसन्न क्यों है और उसने कहा कि उन्हें एक साथ गाना गाते हुए हाथ धोने में बहुत आनंद आता है। और जब मैं घर जाता हूँ तो मैं अपने परिवार को भी सिखाता हूँ कि यह कैसे करना है। ऐसी प्रभावशाली परियोजनाएं आपके क्षेत्र में व्यावहारिक परिवर्तन ला रही है; जो आप हासिल कर रहे है उस पर गर्व करें।''

फिर पोलियो पर जबर्दस्त उपलब्धि थी; संशयवाद के बावजूद भी भारतीय रोटेरियनों ने भारत को पोलियो से मुक्त करने में मदद की। ''कई लोगों ने कहा था कि भारत अंतिम देश होगा, लेकिन आपने उन्हें गलत साबित किया और वो हर चीज़ की जो आप इसे दूसरों से आगे ले जाने के लिए कर सकते थे। यह सब उस नेतृत्व के कारण संभव हुआ जो आपके पास है और मैं इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूँ।''

निदेशक भास्कर के उद्घाटन संबोधन का जिक्र करते हुए रेसिन ने कहा, ''सदस्यता में वृद्धि में आप रोटरी जगत में नंबर एक पर है और संस्थान को देने में नम्बर दो पर है। पिछली बार जब मैं यहाँ था तो मैंने यहाँ मौजूद उन सभी व्यक्तियों को यह कहकर चुनौती दी थी कि मुझे विश्वास है कि आप संस्थान को दान करने में नंबर एक पर आने वाले है। आप पहले से ही असाधारण और बहुत ही उदार हितकारियों, जिन्हें हम आज सम्मानित करने जा रहे है, (रोटरी क्लब बैंगलोर ओर्चर्डस के अध्यक्ष रविशंकर और पाओला) द्वारा इस वर्ष बढ़त दिखा चुके है, सचमुच वे विनम्र और शानदार है।''

पिछले दो वर्षों में 300,000 लोग रोटरी से चले भी गए। यह चौंकाने वाला है और हम में से प्रत्येक को यह पूछने की आवश्यकता है कि वे रोटरी क्यों छोड़ रहे है। हमारे क्लब क्या गलती कर रहे है?

लेकिन इन ज़ोनों में रोटारेकट की बढ़त से रेसिन सबसे अधिक प्रभावित थे। ''9 प्रतिशत से 72 प्रतिशत की बढ़त (रिपोर्टिंग में) कम समय में शानदार बढ़त है। क्या आपने *रोटारेकट न्यूज़* देखी जो हाल ही में आई थी? पेज 9 पर एक बक्सा है जो दिखाता है कि आपके पास कितने इंटरेक्टर और रोटारेकटर है।'' दो दिलचस्प संख्याएँ यह थी कि जहाँ दुनियाभर में 257,000 रोटारेकटर थे, वहीं रिपोर्ट करने वाले केवल 145,000 थे। दुनियाभर के 110,000 रिपोर्ट ना करने वाले रोटारेकटरों के लिए, ''जिनके बारे में हमारे पास जानकारी नहीं है, हम सभी जिम्मेदार है और रोई इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ठीक करने का प्रयास कर रहा है।''

रेसिन ने प्रत्येक मंडल से उस जानकारी को इकट्ठा करने का अनुरोध किया ''ताकि हम हमारे रोटरेकटरों को रोटरी की समकक्ष स्थिति में ला

रोटरी क्लब बैंगलोर ओर्चर्डस के अध्यक्ष डी रवि शंकर और उनकी पत्नी पाओला।

सकें। वे रोटरी का भविष्य है और यदि वे हमसे नियमित रूप से जुड़ते है तो वे औसत उम्र को कम करने में हमारी मदद करेंगे। आज के समय एवं युग में हमें इस बात की बेहद आवश्यकता है कि हमारे युवा पेशेवर हमें उनकी ज़िंदगियों के लिए प्रासंगिक समझे। अभी वे नहीं समझते; इसलिए मैं रोटरी क्लबों से यह पूछने का आग्रह करता हूँ कि क्या हम सचमुच अपने समुदायों का प्रतिनिधित्व कर रहे है जैसा हमें हमारे उपनियम करने के लिए कहते है। हमें पूरे समुदाय का सूक्ष्म रूप होना चाहिए ना कि बस एक छोटे से वर्ग का। इसलिए कृपया इन युवा पेशेवरों को पहचाने। यदि हम वाकई में कड़ी मेहनत करें और इस लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करें तो हमारे बढ़ने के अवसर बहुत अधिक है।''

रोई अध्यक्ष ने आगे कहा कि अफ्रीका में कहा जाता है कि ''जब आप एक पत्थर उठाते है तो आप अतीत को छूते है, जब आप एक फूल उठाते है तो आप वर्तमान को छूते है और जब आप एक ज़िंदगी को छूते है, तो आप भविष्य बदलते है। कल्पना कीजिये कि कितनी ज़िंदगियों को आपके क्लबों एवं मंडलों ने छुआ एवं बदला है। आपने हमारी दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाया है केवल यहीं नहीं बल्कि दुनिया भर के देशों में भी। आपके पास व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से एक ताकत है जो किसी अन्य संगठन के पास नहीं है। सुनिश्चित कीजिए कि हम उस ताकत का इस्तेमाल परिवर्तन लाने के लिए करें।''

रेसिन फिर हाइती के एक लड़के, डेनियल, की मर्मभेदी कहानी सुनाते है जिसकी जान बचा

परिवर्तन का वह राजहंस बनने के लिए, अलग सोचना होगा कि हम कौन है, हम कहाँ जा रहे है और हमें क्या करने की आवश्यकता है। हम अपने क्लबों को इस बात के लिए कैसे राजी करते है कि एक अलग दिशा में जाना रोटेरियन और रोटरेक्टर दोनों के लिए बेहतर होगा।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन।

ली गई क्योंकि दो रोटेरियनों ने एक साथ आकर उसके दिल की सर्जरी समय पर कराना सुनिश्चित किया। कुछ साल पहले, जब वह अन्य वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं के साथ रोई की निवेश समिति में थे, एक अन्य सदस्य, ग्रेग पॉल, ने उन्हें बताया कि वह दिल की बीमारी से पीड़ित इस बच्चे की मदद करने की कोशिश कर रहे है जिसे डॉक्टरों द्वारा केवल कुछ महीने की मोहलत दी गई है। ''उन्होंने मुझे बताया कि वह उसे उसकी सर्जरी के लिए यूएस लाने की कोशिश कर रहे है पर उन्हें वीसा नहीं मिल रहा है। क्या आप मदद कर सकते है? मैंने उनसे कहा कि हाइती में हमारा गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम है और सर्जरी वहीं की जा सकती है। इसलिए मुझे मेडिकल रिकॉर्ड्स ला दीजिये।''

वह बुधवार की सुबह थी, सर्जन, जो महीने में एक या दो बार आते थे, हाइती में ही थे, उन्होंने गुरुवार तक मेडिकल रिकॉर्ड्स देखे और कहा हाँ, बच्चे की समस्या ठीक की जा सकती है और उसकी जान बचाई जा सकती है। परंतु वह शुक्रवार की शाम को निकल जाते है इसलिए सर्जरी शुक्रवार की सुबह ही करनी होगी। ''मैं ग्रेग के पास गया और कहा कि मुझे वह बच्चा डेनियल गुरुवार रात तक चाहिए ताकि सर्जरी की जा सके। डेनियल, उसके पिता, माता और एक अन्य व्यक्ति मोटरसाइकल - कोई हार्ले डेविडसन पर नहीं बल्कि एक साधारण स्कूटर - पर 90 मिनट की यात्रा करके हॉस्पिटल पहुँचने के लिए निकले... उस बच्चे, जिसे केवल कुछ माह की ज़िंदगी दी गई थी, ने वह यात्रा एक स्कूटर से पूरी की।''

वह समय पर पहुंचा, ''सर्जन ने अपना काम किया और सब ठीक हो गया। हम किसी अन्य काम की ओर आगे बढ़ गए, जैसा कि हम रोटेरियन हमेशा करते है।''

कुछ महीने बाद उन्हें डेनियल की एक तस्वीर के साथ एक मेल आया ''जिसकी छाती पर एक पैर जितना लंबा निशान था। परंतु उसके चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान थी। उसने कहा: मैं जानता हूँ आपने मेरी मदद की, आपने मेरी जान बचाई। धन्यवाद।''

ऐसी ज़िंदगियों को बचाने के लिए ''हमें केवल एक दूसरे से बात करना है, एक दूसरे तक पहुंचना है। मैं डेनियल का धन्यवाद आपको देता हूँ... उसकी तरफ से मैं उन सभी बच्चों के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ जिन्हें आपने शिक्षा, साक्षरता, जल एवं स्वच्छता प्रदान करके, संघर्षों को खत्म करके... उनकी मदद की है, कर रहे है और भविष्य में भी करेंगे।

चित्र : के विश्वनाथन

Rotary Institute 2018

बातचीत दिल खोल के चेन्नई इंस्टिट्यूट में

रशीदा भगत

खचाखच भरे सत्र जिसमें हास-परिहास, मनो विनोद, चुटकियां, बुद्धि चातुर्य, व्यंग्य, हाजिरजवाबी, दोस्ताना माहौल और कुछ कठोर बातों के साथ पूर्व रो इ अध्यक्ष के आर रविंद्रन ने चेन्नई इंस्टिट्यूट में प्रतिनिधियों के पैसे वसूल करवा दिए।

पिछले साल केएल इंस्टीट्यूट के सत्र की पुनरावृति, *फ्रैंकली स्पीकिंग* सत्र के दूसरे भाग में, आशा के अनुरूप हॉल पूरी तरह भरा हुआ था। जैसा कि भारत में रोटरी कार्यक्रमों में अक्सर होता है, सत्र देरी से चल रहा था और जब मॉडरेटर रविंद्रन को गुलदस्ता पेश किया गया तो उन्होंने हाथ हिला कर मना किया और कहा - ''इसकी ज़रुरत नहीं है!'' विनम्रता से उन्होंने एवी परिचय भी बंद करने के लिए कहा क्योंकि सभी प्रतिभागियों से परिचित थे।

शुरुआत में ही उन्होंने कहा: ''यहां हम रो ई बोर्ड रूम का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि आप महसूस कर सकें की बोर्ड के सदस्य किस तरह की चर्चा करते हैं,'' व्यंग्य करते हुए वे बोले कि, ''हमारे पास ऐसे सवाल नहीं होंगे कि हमारे यहां महिला अध्यक्ष कब बनेगी, पांच-तरफा परीक्षण क्यों ना हो या चुनाव से संबंधित कोई अन्य।यहां अधिक परिपक्व, सूचनात्मक और दार्शनिक मुद्दों पर चर्चा होगी ...''

पूरे सत्र के दौरान रविंद्रन प्रतिभागियों - रो ई अध्यक्ष बैरी रसीन, पीआरआईपी राजेंद्र के साबू और टीआरएफ ट्रस्टी माइक वेब की तरफ गुगली, फ्लिपर्स और अजीबोगरीब बाउंसर फेंकते रहे, साथ ही ये भी कहते रहे ... 'यह एक बहुत सरल प्रश्न है' !

बाएं से : TRF ट्रस्टी माइक वेब, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और PRIP राजेंद्र के साबू।

रविंद्रन ने कहा, हमें खेद है कि पीआरआईपी कल्याण बनर्जी इस बार नहीं आ पाए, हम उनकी कमी महसूस करेंगे।

रोटरी में कमियाँ

इस बातचीत में मुख्य रूप से संगठन में कमियों से संबंधित दो बातें सामने आईं, जिसकी और किसी ने नहीं बल्कि स्वयं रो इ अध्यक्ष रेसिन ने स्वीकारोक्ति की। मीटिंग आयोजित करने, वर्गीकरण प्रणाली इत्यादि में और अधिक लचीलापन लाने की आवश्यकता के प्रश्न का उत्तर देते हुए, रेसिन ने ज़ोर दे कर कहा, ''परिवर्तन के बारे में मैं बहुत कुछ कहता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि एक चीज हमें नहीं बदलनी चाहिए, वो है हमारे पांच मूलभूत आदर्श - फैलोशिप, नेतृत्व, अखंडता, विविधता और सेवा - यही हैं हम, एक संगठन के रूप में। मेरा मानना है कि विविधता हमारा सबसे कमजोर पक्ष है; आयु, लिंग, वर्गीकरण और जाति में पर्याप्त रूप से भिन्नता नहीं है। इसलिए सहजता से हमें विविधता पर ध्यान देने की ज़रुरत है और प्रत्येक क्लब में सभी व्यवसायों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। तभी हम यह जान पाएंगे कि उस समुदाय की वास्तविक ज़रूरतें क्या हैं।''

रोटरी की एक और ''कमी'' सामने आई जब रविंद्रन ने सीधा और स्पष्ट सवाल पूछा था कि डीजी को दिए जाने वाले पुरस्कार केवल दो मापदंडों पर ही क्यों आधारित हैं ... ''आज हमारे डीजी की पहचान फाउंडेशन के लिए उनके धन एकत्रित करने की ताकत और क्लब में नए सदस्यों की अधिकतम संख्या के आधार पर होती है, भले ही उनमें से कुछ सदस्य निठल्ले हों।''

उनसे सहमति जताते हुए, रेसिन ने कहा कि गवर्नर की उपलब्धि के आकलन में सार्वजनिक छवि, क्लब स्तर पर सही नेतृत्व का निर्माण, और सेवा परियोजनाओं जैसे मानदंडों को शामिल किया जाना चाहिए। रविंद्रन ने शीघ्रता से हस्तक्षेप किया: ''लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस इंस्टिट्यूट में, मानवीय परियोजनाओं के आधार पर हमने किसी का भी सम्मान नहीं किया है।''

इस पर पीआरआईपी साबू ने अपनी चिंता जताई कि अगर डीजी का प्रदर्शन केवल दो मानदंडों टीआरएफ अनुदान और सदस्यता के आधार पर मापा गया, ''इससे कदाचार बढ़ेगा। डीजी की उपलब्धि मापने का कोई और तरीका होना चाहिए, जैसे मंडल की गतिविधियों में खर्च किए गए घंटे, मासिक पत्रिका समय पर निकालने में वे कितने तत्पर हैं इत्यादि।''

> **विविधता हमारा सबसे कमजोर पक्ष है; आयु, लिंग, वर्गीकरण और जाति में पर्याप्त रूप से भिन्नता नहीं है।**
>
> रो ई अध्यक्ष **बेरी रेसिन**

इसका समर्थन करते हुए, टीआरएफ ट्रस्टी माइक वेब ने कहा की समाज सेवा में बिताए घंटों के अलावा, डीजी के प्रदर्शन को नापने का एक और तरीका - उनके कार्यकाल के दौरान खर्च किए गए DDF (जिला नामित निधि) की राशि या उसका प्रतिशत होना चाहिए, साथ ही *My Rotary* को वे कितनी गंभीरता से लेते हैं। ''उन्हें अपने वर्ष में DDF राशि का शत प्रतिशत उपयोग करना चाहिए, क्योंकि वह राशि इस्तेमाल करने के लिए है, इसे बचत बैंक में नहीं होना चाहिए ना ही अपने उत्ताधिकारी के लिए छोड़ना है।'' इसके अलावा, डीजी का प्रदर्शन सदस्यों को रोके रखने के आधार पर होना चाहिए ना की नए सदस्यों की संख्या के आधार पर क्योंकि सदस्यों को लाने के बजाय यह कहीं अधिक महत्वपूर्ण है ।

'सरल प्रश्न' की आड़ में

जब रविंद्रन ने सत्र की शुरुआत में अध्यक्ष बेरी से कहा ''बहुत ही सरल प्रश्न पूछेंगे,'' जवाब में हौले से अध्यक्ष ने कहा, ''मेरे दोस्त, आपका कोई भी सवाल आसान नहीं होता!''

रविंद्रन ने प्रश्न की भूमिका बनाई: पहला आज ''रोटरी के 35 प्रतिशत सदस्य एशिया में है जिसमें भारत, जापान, ताइवान, कोरिया, फिलीपींस शामिल हैं और टीआरएफ का भी 23 प्रतिशत एशिया से ही आता है। हर साल प्राइस वाटरहाउस कूपर्स 2050 में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की भविष्यवाणी करते हैं और वर्तमान में जीडीपी के

अनुसार शीर्ष पर अमेरिका, जापान, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन की अर्थव्यवस्थाऐं हैं।''

जबकि पीडब्ल्यूसी के अनुसार 2050 तक शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में: जापान पांचवें स्थान पर 6.8 ट्रिलियन डॉलर पर है; इंडोनेशिया 7.3 ट्रिलियन डॉलर; भारत 28.3 ट्रिलियन डॉलर; अमेरिका 34 ट्रिलियन डॉलर और 50 ट्रिलियन डॉलर के साथ चीन शीर्ष पर होगा।

उन्होंने पूछा ''फिर हम... मुख्यालय को इवान्स्टन से...एशिया में क्यों नहीं ले जाते?''

ज़ोरदार तालियों और ठहाकों के बीच, रेसिन ने जवाब दिया: ''इतने साधारण प्रश्न के लिए धन्यवाद। हम एक कॉर्पोरेट संस्था हैं जो दुनिया के 200 से अधिक देशों में काम कर रही हैं। यदि हम केवल फाउंडेशन में दान देने की और सदस्यता की बात करें तब तो आपका नज़रिया ठीक है। लेकिन सच तो ये है कि जब आप इतने सारे देशों में काम कर रही एक कॉर्पोरेट संस्था हों, तो ऐसे सर्व-श्रेष्ठ देश का चुनाव करना पड़ेगा जो कई देशों में संचालन संभाल सकता हो।'' इसके अलावा अन्य मानदंड हैं, श्रेष्ठ कानूनी सेवाओं की उपलब्धता, दुनिया भर से धनराशि का मुख्य स्थान तक सहजता से आवागमन, साथ ही एक सर्वश्रेष्ठ कर-आधार।

गवर्नर्स को अपने वर्ष में DDF राशि का शत प्रतिशत उपयोग करना चाहिए, क्योंकि वह राशि इस्तेमाल करने के लिए है, इसे बचत बैंक में नहीं होना चाहिए ना ही अपने उत्तराधिकारी के लिए छोड़ना है।

TRF ट्रस्ट **माइक वेब**

उसी अंदाज़ में हलके से उन्होंने कहा, ''मेरे विचार से बहामा इसके लिए बिलकुल उपयुक्त है; कोई आयकर नहीं है, और ऐसे लचीले कानून हैं जो आपको अपने धन के इस्तेमाल की पूरी स्वंत्रता देते हैं। शायद बहामा हमारे मुख्यालय के लिए सर्वश्रेष्ठ जगह है!''

ट्रस्टी वेब का कहना था कि आज के युग में जहां इतनी अधिक तकनीकी प्रगति हो रही है, इस से कोई फर्क नहीं पड़ता कि रोटरी मुख्यालय कहाँ स्थित है। पर मुख्यालय स्थानांतरित करने के अप्रत्यक्ष वित्तीय परिणाम होंगे , ''इवान्स्टन में हमारी संपत्ति

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और PRIP राजेंद्र के साबू को सम्मानित करते हुए डीजी गण सयातन गुप्ता और बर्जेश सिंघल। चित्र में (बाएं से) रो ई अध्यक्ष सी भास्कर, डीजी राजीव शर्मा, PRIP के आर रीवंद्रन और TRF ट्रस्टी माइक वेब भी शामिल हैं।

का निपटारा करने पर, जो पूंजीगत लाभ होगा उस कारण भारी कर चुकाना पड़ेगा।'' इसके अलावा, इवान्स्टन में, रोटरी के पास इमारत का केवल आधा हिस्सा है, बाकी लीज पर दिया गया है ''और उन संस्थाओं ने उस इमारत के रख रखाव में ऊपरी खर्चे का अच्छा ख़ासा हिस्सा दिया है।'' इसके साथ, रोटरी को इलिनुआ राज्य कानून के अंतर्गत मिलने वाले कर लाभ भी बंद हो जाएंगे।

पीआरआईपी साबू ने सुझाव दिया कि जिस प्रकार दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्वतंत्र कार्यालय हैं, उसी प्रकार भारत में रोटरी कार्यालय ''अधिक स्वायत्तता प्राप्त कर सकता है बजाये इसके कि वो सिर्फ रोटरी मुख्यालय का डाकघर बन कर रह जाए। मुझे लगता है भविष्य में और अधिक स्वतंत्रता मिलने की संभावना है।''

रेसिन ने जोड़ा, इसमें लगभग वैसे ही समस्या आएगी जैसी टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल को आई थी, जब उन्होंने अपना मुख्यालय कैलिफ़ोर्निया से कोलोराडो स्थानांतरित किया था। यह करों और संचालन लागत कम करने के लिए किया गया था, लेकिन उन्होंने सोचा भी नहीं था इस कदम से उन्होंने आधे कर्मचारियों खो दिए और इसे फिर से शुरू करने में उन्हें काफी वक़्त लगा।''

दान देने की संस्कृति

रविंद्रन फिर ट्रस्टी माइक से मुखातिब हुए ''अगर आप पिछले साल फाउंडेशन में दान देने वाले शीर्ष 20 देशों की तरफ नज़र डालते हैं, तो 181 मिलियन डॉलर के साथ संयुक्त राज्य अमरीका सर्वोच्च स्थान पर और बेल्जियम 1 मिलियन डॉलर पर, सिर्फ पांच यूरोपीय देश ही शीर्ष 20 में जगह बना पाए हैं, यह बात गले नहीं उतरी, जबकि इन पश्चिमी देशों में जीवन-स्तर अपेक्षाकृत बेहतर है। दूसरी तरफ, उस सूची में कई एशियाई देशों सहित भारत (19 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान कर दूसरे स्थान पर है)।''

उन्होंने पूछा कि यूरोपीय देश, मजबूत अर्थव्यवस्था होते हुए भी अधिक क्यों नहीं दे सकते हैं।

ट्रस्टी वेब ने जवाब दिया इस का एक कारण तो ये है कि अलग-अलग देशों में विभिन्न संस्कृतियां और कई तरह के टैक्स ब्रेक हैं। ''मैंने भारत और अफ्रीका में कई यात्राएं की हैं; यहां लोग खुद देख सकते हैं कि दान किए गए रुपये का क्या उपयोग हो रहा है और बोरवेल, अस्पताल के उपकरण आदि से समाज में क्या अंतर पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में रोटरियनों ने दुनिया में कई क्लबों और मण्डलों के साथ वैश्विक अनुदान किए लेकिन जब तक आप खुद यात्रा नहीं करते, तो आप कभी भी अपने पैसे का उपयोग होते हुए नहीं देख पाते। जबकि क्लबों का कहना है कि: 'हम फाउंडेशन में अधिक धन देते हैं?' इसलिए जीडीपी को दान राशि से जोड़ कर देखना ठीक नहीं!''

साबू ने रविंद्रन से सहमत होते हुए एक और तरीका सुझाया, जो थी क्रय शक्ति। ''हम जो कुछ दे रहे हैं वह विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक है। हमें इस तथ्य पर गर्व है कि विशुद्ध रूप से अब हम एक दाता बन गए हैं और अब सिर्फ एक ग्रहण करने वाले देश नहीं रहे। मुझे आशा है कि हमारे यूरोपियन मित्र हमारा अनुसरण करेंगे।''

उन्होंने कहा, लेकिन ऐसा नहीं है कि यूरोप के व्यक्तिगत रोटेरियन उदार नहीं हैं, कुछ साल पहले की बात है जर्मनी में ''मैंने एक रोटेरियन मित्र से पोलियो के लिए 100,000 डॉलर दान करने के लिए कहा तो वे बोले, ठीक है, मैं पैसे तो दे दूंगा लेकिन मेरी दो शर्त हैं - एक, मुझे डीजी का चुनाव लड़ने के लिए परेशान करना बंद करो और मेरा नाम कहीं भी नहीं आना चाहिए। ये सांस्कृतिक भिन्नता है।''

समय के साथ नहीं बदल रहा है

रविंद्रन का अगला प्रश्न था कि पिछले 20 वर्षों में डिजिटल बाजार के माध्यम से गूगल, ऐप्पल और अमेज़ॅन जैसे तकनिकी दिग्गजों ने अपना प्रभुत्व जमा लिया है। ''ऐसे परिदृश्य में क्या रोटरी अभी भी पॉल हैरिस के समय से बाहर नहीं निकल पाई है?'' साबू ने कहा हालाँकि यह हो सकता है, ''लेकिन रोटरी हमेशा

इसके मूल्यों के साथ ही प्रासंगिक होगी'' उन्होंने जापान और दक्षिण कोरिया का उदाहरण दिया। दोनों तकनीकी दिग्गज हैं ''लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं को बरकरार रखा है।''

वेब ने जवाब दिया कि उन्हें ''रोटरी पॉल हैरिस के दिनों में अटका हुआ लगता है।'' उन्होंने कहा कि एक इंस्टिट्यूट में चाय-ब्रेक के दौरान एक भारतीय रोटेरियन ने उन्हें बताया था कि हाल ही में उन्हें यूके के ऐसे क्लब में जाने का मौका मिला था ''जिसमें सिर्फ 12 सदस्य थे, उनकी औसत उम्र 70 से अधिक थी और क्लब अध्यक्ष 80 से ऊपर थे। इसमें कोई महिला सदस्य नहीं थी। अब उस क्लब का अंत हो जाएगा; पर अभी भी वे एक मैत्री क्लब के रूप में ठीक वैसे ही मिलते हैं जैसे वर्षों पहले मिला करते थे।''

रेसिन ने कहा कि पिछले दो सालों में हमने 3,00,000 सदस्य जोड़े पर इतने ही रोटेरियनों को खो भी दिया। ''आंकड़े बताते हैं कि रोटरी क्लब में 4 प्रतिशत से भी कम रोटेरेक्टर्स शामिल होते हैं क्योंकि आज वे हमें प्रासंगिक नहीं पाते। बहुत सी जगह हम अभी भी पॉल हैरिस के दिनों में जी रहे हैं और इसे बदलना होगा।'' उदाहरण के लिए, परिवर्तन को प्रभावी करने में चार साल लगे, ''हम में से कइयों के पास तो इतने पुराने फ़ोन भी नहीं हैं! हमें बहुत तेजी से बदलाव करने की जरूरत है।''

इस बारे में भी चर्चा हुई कि ट्रस्टियों को निदेशकों की तरह ही क्यों नहीं चुना जाना चाहिए। ''और पूर्व अध्यक्ष ही टीआरएफ चेयर क्यों बनता है;'' ''रविंद्रन ने पूछा, यह काम हम सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति के ज़िम्मे क्यों नहीं कर सकते हैं।''

इससे असहमत होते हुए रेसिन ने कहा कि अंचलों का संचालन निर्वाचित निदेशकों द्वारा किया जाता है, ''और मेरा मानना है कि ट्रस्टी को निदेशक की टीम का हिस्सा होना चाहिए।'' और हां, जरूरी नहीं कि एक पूर्व अध्यक्ष को ही ट्रस्टी चेयर बनाया जाए; इस पद के लिए उपयुक्त और सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति ही चुना जाना चाहिए, रेसिन ने अपनी राय दी।

''तो इस तरह के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं आप,'' उकसाया, रविंद्रन ने अपनी आंखों में चमक के साथ कहा।

रेसिन ने भी तुरंत जवाब दिया, ''हाँ, मैं इस तरह के प्रस्ताव पर चर्चा का समर्थन करूंगा।''

ट्रस्टी वेब ने महसूस किया कि ट्रस्टियों को नियुक्त किया जाना चाहिए और उनका निर्वाचन नहीं होना चाहिए क्योंकि ट्रस्ट को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए वित्त, मानव संसाधन, प्रौद्योगिकी जैसे कौशल व योग्यता इत्यादि की आवश्यकता होती है।

साबू ने याद किया कि 1992 में ट्रस्टी को ''चुनने का प्रस्ताव आया था जिसे सिरे से नकार दिया गया और वो अस्वीकृत हुआ था। क्योंकि यह 'द रोटरी फाउंडेशन' रोटरी इंटरनेशनल का है। और वो रो इ अध्यक्ष ही है जिसे फाउंडेशन के प्रवक्ता और संगठन में नंबर 1 के रूप में पहचाना जाता है।''

सदस्यता की गुणवत्ता

रविंद्रन ने कहा कि पिछले साल केएल इंस्टिट्यूट में उन्होंने पीआरआईपी कल्याण बनर्जी से रोटेरियनों की गुणवत्ता के बारे में पूछा था तब उन्होंने जवाब दिया था कि वास्तव में भारत में शीर्ष पदों पर बैठे लोग, जैसे बड़ी कंपनियों के सीईओ इत्यादि रोटरी में नहीं दिखे। रविंद्रन ने पूछा, ''अगर हम अपने ड्यूज़ 100 डॉलर तक कर दें; इससे सदस्यता तो कम हो सकती है लेकिन हमारे सदस्य संभ्रांत वर्ग के होंगे।''

''मैं इससे पूरी तरह से असहमत हूं; और हमें इसके प्रति सजग रहना होगा। यह ड्यूज़ राशि अधिक होने की वजह से नहीं बल्कि व्यक्ति अपने स्वभाव के कारण ईमानदारी खो देता है। रोटरी क्लबों की समुचित आवश्यकता के लिए, ड्यूज़ राशि हम जितनी कम कर सकते हैं, करूंगा,'' रेसिन ने कहा।

साबू की प्रतिक्रिया: ''आपका प्रश्न बहुत भारी है; हम सभी जानते हैं कि यहां मुद्दा पैसा नहीं बल्कि पात्रता है। हमारे संवैधानिक दस्तावेज योग्यता के बारे में स्पष्टतः बताते हैं। समस्या तब आती है जब हम

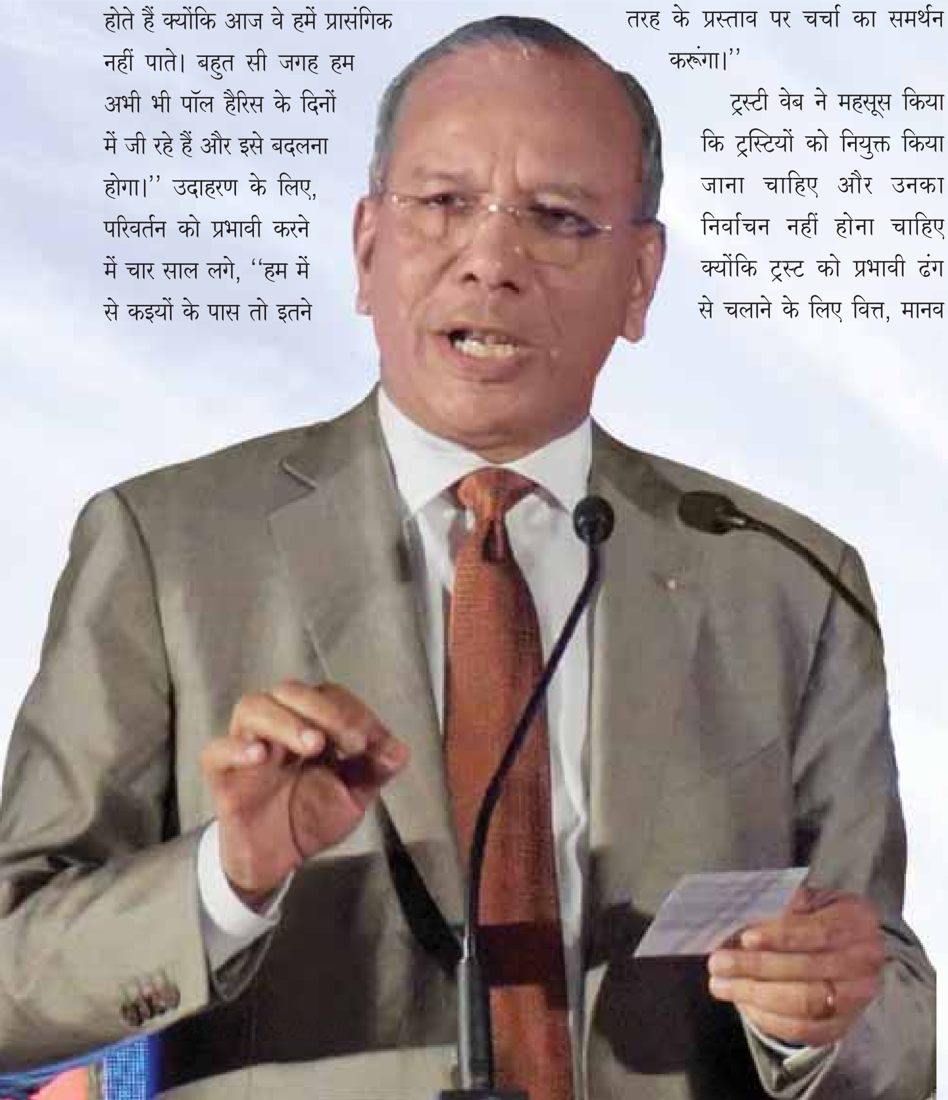

पूर्व अध्यक्ष ही टीआरएफ चेयर क्यों बनता है; रविंद्रन ने पूछा, यह काम हम सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति के ज़िम्मे क्यों नहीं कर सकते हैं।

पूर्व रो ई अध्यक्ष के आर रवींद्रन

PRIP के आर रवींद्रन।

अगर हमें वर्गीकरण के महत्व का एहसास हो, जिस की अभी हम उपेक्षा कर रहे हैं और हमारे समुदाय में वरिष्ठ लोगों और नेताओं को योग्यता के आधार पर प्रवेश दें, तो ऐसे लोगों की एक लम्बी क़तार बन जाएगी जो रोटरी में आना चाहते हैं।

पूर्व रो ई अध्यक्ष **राजेंद्र के साबू**

सदस्यों की भर्ती के लिए इतनी जल्दबाज़ी में रहते हैं कि उन्हें सदस्य बनाने के बाद ही हम वर्गीकरण को देखते हैं! लेकिन अगर हमें वर्गीकरण के महत्व का एहसास हो, जिस की अभी हम उपेक्षा कर रहे हैं और हमारे समुदाय में वरिष्ठ लोगों और नेताओं को योग्यता के आधार पर प्रवेश दें, तो ऐसे लोगों की एक लम्बी क़तार बन जाएगी जो रोटरी में आना चाहते हैं। अधिक से अधिक सदस्यों को रोटरी में लाने की होड़ और अधिक सदस्यों के आधार पर मान्यता और सम्मान मिलना ही गलत है।''

उन्होंने कहा कि जिस विविधता की रो ई ने दृढ़ता से वकालत की है, वो विविधता वर्गीकरण प्रणाली से ही आई है। बैठकों में लचीलापन होने पर, उन्होंने कहा कि रोटरी रिश्ते और एक दूसरे से संपर्क के बारे में है जो बैठकों में आपस में मिलने से ही संभव है। ''अपने कंप्यूटर के माध्यम से इस तरह की इंस्टिट्यूट के आयोजन की कल्पना करें और लोगों तक पहुंचने की कोशिश करें तो क्या आपको लगता है कि ऐसी एकता या एकजुटता पैदा हो सकेगी ? यह केवल स्पर्श, पीठ पर एक थपकी और एक-दूसरे की आँखों में देखने से ही हो सकती है। यह रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण है और यही हमारी ताकत है।''

भास्कर को प्रमाणपत्र

रविंद्रन ने व्यंग्यपूर्वक, रेसिन की तरफ सवाल उछाला, क्या निदेशक सी भास्कर अच्छा काम कर रहे थे। ''ईमानदारी से कहूं, जो मैंने डीजीईयों को कहा था, रेसिन ने जवाब दिया, मैंने कहा था कि निदेशक भास्कर आपका प्रतिनिधित्व बहुत अच्छी तरह से करते हैं और वह उसी दिशा में बढ़ रहे हैं जिधर उन्हें होना चाहिए, साथ ही ज़रूरत पड़ने पर नए विचारों से भी अवगत कराते है। इसलिए बोर्ड पर भास्कर के साथ काम करके मैं बहुत खुश हूँ।''

जब साबू ने यह कह कर हस्तक्षेप किया कि शेष वर्ष में बोर्ड पर रेसिन को अभी भी भास्कर के समर्थन की आवश्यकता है, रेसिन ने जवाब दिया ''मैं ईमानदारी से कह सकता हूं,'' हमें गर्व है कि भास्कर हमारा निदेशक है : ''मैं अपने सलाहकार (साबू) से असहमत नहीं हूँ, लेकिन मैं अपने निदेशकों में निष्ठा की तलाश नहीं करता, मैं भास्कर से उन सिफारिशों की अपेक्षा रखता हूं जो हमारे संगठन के सर्वोत्तम हित में हैं। और अगर इसका मतलब उनसे असहमत होना है, तो भले ही हो!''

वेब ने कहा कि टीआरएफ की वित्त समिति के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने ट्रस्टीयों का प्रतिनिधित्व किया और ''जब मैं बोर्ड मीटिंग्स में बैठता हूं और भास्कर बोलते हैं तो शर्तिया कह सकता हूँ, वो निश्चय ही सुनने लायक होता है क्योंकि उनसे बुद्धिमानी के शब्द निकलते हैं।''

चित्र : के विश्वनाथन

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी का सर्वश्रेष्ठ और सबसे खराब

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन।

पीआरआईपी के आर रविंद्रन की प्रतिक्रिया कि रो ई में उन्होंने अपने साल के दौरान रोटरी दुनिया का सबसे अच्छा और सबसे बुरा क्या देखा, जवाब में अध्यक्ष बेरी रेसिन ने इसे तीन अलग-अलग हिस्सों में वर्गीकृत किया- अच्छा, बुरा और भद्दा।

- सबसे अच्छी हैं सेवा परियोजनाएं, साथ ही वो सब जो हम दुनिया को बदलने के लिए कर रहे हैं। मैंने और एस्थर ने रोटरी के समर्थन से चल रहे दो दूध बैंकों (मदर मिल्क बैंक) का दौरा किया, जहां माँ का दूध उन शिशुओं को दिया जाता है जो इससे वंचित हैं ताकि उन्हें पोषण मिल सके। फिर उन में से एक आइलैंड पर रोटेरेक्ट का प्रोजेक्ट है जहां अपशिष्ट (कबाड़) से नई चीजों का निर्माण कर पर्यटकों को बेचा जाता है, और इस तरह नए उद्यमी पैदा हो रहे हैं। यह शानदार काम है। मैं ऐसी महान चीजें देखना पसंद करता हूं।
- बुरा यह है कि जब मैं रोटेरेक्टर्स से बातचीत करता हूं और वे कहते हैं कि कोई रोटरी क्लब उन्हें पसंद नहीं करता।
- सबसे ज्यादा तकलीफदेह है इसका भद्दा पहलू वो ये कि जब मैं ऐसी रिपोर्ट को देखता हूं जहां हमने परियोजनाओं के लिए रुपया दिया था या तो वो परियोजना तक पहुंचा ही नहीं या किसी ने उसका गबन कर लिया। ऐसे लोगों को उचित सजा मिलनी चाहिए। चुनाव में घंटों बिताने के बाद भी कोई निर्वाचित ना होने की वजह से नाखुश था या ऐसा क्लब जिसका अस्तित्व ही नहीं था। स्पष्ट है की कुछ स्थानों पर हम रोटरी की नैतिकता के अनुसार काम नहीं कर रहे हैं। येचीजें हैं जो मुझे सबसे ज्यादा चोट पहुंचाती हैं और रात में जगाये रखती हैं, मैं सो नहीं पाता क्योंकि मेरा मानना है कि प्रत्येक रोटेरियन को नैतिकता का दामन कभी भी नहीं छोड़ना चाहिए।

केरल का पुनर्निर्माण

जयश्री

चेन्नई इंस्टिट्यूट में केरल और कोडागु (कर्नाटक) के पुनर्निर्माण के लिए समर्पित सत्रों का आयोजन किया गया जो अगस्त माह में मूसलाधार वर्षा और परिणामी बाढ़ से अत्यंत गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। ''इस संकट की घड़ी में आगे आने और मदद के लिए सबसे जरूरी क्षणों में बाढ़ पीड़ितों तक पहुँचने और उनकी सहायता करने के लिए सभी रोटेरियन को बहुत-बहुत बधाई। अब राहत और बचाव अभियान समाप्त हो गया है, और पुनर्वास का कार्य जोर-शोर से चल रहा है और हमें इसे जून 2019 तक पूरा करना होगा,'' आरआई निदेशक सी भास्कर ने कहा।

उन्होंने यह भी बताया कि कूर्ग मंडल के 38 ग्राम भी वर्षा के कारण बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। यह क्षेत्र मंडल 3181 के अंदर आता है और इसके डीजी रोहिनाथ ने रोटेरियन को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। संपूर्ण देश में रोटरी क्लबों ने लोगों के लिए नए कपडे, पेयजल, बर्तन, घरेलू उपयोग में आने वाले रोजमर्रा की सामग्रियों, दवा आदि को ट्रकों में भरकर जरूरतमंदों तक पहुँचाया। रोहिनाथ ने कहा कि कूग में 750 घर का निर्माण करने के लिए पीडीजी रवि अप्पाजी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है।

इंस्टिट्यूट के सत्रों में तीन मंडलों - 3211, 3201 और 3202 में बाढ़ पीडितों के लिए 3,000 घरों के निर्माण के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए आवश्यक आर्थिक संसाधनों की व्यवस्था करने के विधियों पर विचार-विमर्श किया। बाढ़ के तुरंत बाद, पीआरआईपी कल्याण बनजी ने केरल की यात्रा के दौरान इस अभियान का प्रस्ताव पेश

बाएं से : DG इ के ल्यूक, DG ई के उमर, विना और DG ए वी पती।

'Lets Rebuild Kerala' सत्र को संबोधित करते हुए RID सी भास्कर। बाएं से : DG गण एस पिरैयोन, सुरेश हरी, चिंतामणी भट्टाराय, पछिली पंक्ति : PDG गण रमेश अग्रवाल, विनोद बंसाल, विजय जालान, अविनाश पोद्दार, इ के सगादेवन, सुरेश मैथ्यू और डॉ राजेश सुभाष चित्र में शामिल हैं।

किया था, और निदेशक भास्कर, पीआरआईपी बनर्जी, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वहनवती और तीन मंडलों के गवर्नर - ई के ल्यूक (मंडल 3211), ए वी पाथी (मंडल 3201) और ई के उमर (मंडल 3202) को मिलाकर एक समिति का गठन किया गया और उसे कोचीन में ''रोटरी केरल आपदा राहत ट्रस्ट'' के रूप में पंजीकृत करवाया गया। मंडलों को प्राप्त होने वाली सभी राहत राशियों को ट्रस्ट में जमा करा दिया गया है। संपूर्ण देश और संपूर्ण विश्व के रोटरी मंडल और क्लब आपदा के बाद से तीन गवर्नरों को अपना योगदान भेज रहे हैं। उन्होंने केरल को सहयोग देने के लिए रोटेरियन और वरिष्ठ नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने राज्य में मदद का हाथ बढाने में भारतीय रोटेरियन की तत्परता की सराहना करते हुए टीआरएफ के साथ एक डोनर एड्वाइजड फंड (डीएएफ) का निर्माण करने की अनुशंसा की। वर्ष 2010 में हैती में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि, ''एक DAF आपके देश के बाहर के लोगों के लिए अधिक परिचित और स्वीकार्य है और इसके माध्यम से स्वदेशी ट्रस्ट के लिए निधि एकत्र करना आसान होगा। हैती आपदा के लिए तैयार किए गए DAF में साठ देशों ने योगदान दिया। यह कार्य भारत के लिए भी किया जा सकता है, क्योंकि संपूर्ण विश्व में लोग फाउंडेशन में विश्वास करते है।''

केरल आपदा के लिए DAF की स्थापना के लिए भास्कर ने तुरंत 10,000 डॉलर का शुरू आती योगदान दिया।

इससे पहले, *'Lets rebuild Kerala'* नामक एक सत्र को संबोधित करते हुए, पीआरआईपी राजेंद्र के साबू ने रोटेरियन से इस कार्य में सहयोग करने के लिए आवश्ययक निधि एकत्र करने के लिए कॉर्पोरेट से संपर्क करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''आप में से जो लोग अपने उद्यमों को संचालित करते हैं, वे अपने सीएसआर फंडों का उपयोग राज्य के पुनर्निर्माण के लिए करने पर विचार कर सकते हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि उनके कर्मचारियों ने एक दिन का वेतन दान दिया था, उनके व्यापार समूह ने उसके बराबर धन दान में दिया और कु ल राशि को राहत और पुनर्वास के लिए दिया गया। उन्होंने कहा, ''अमेरिका में मेरे छोटे बेटे ने भी अपने डीएएफ से 25,000 डॉलर का योगदान दिया,'' उन्होंने कहा, और याद करते हुए भुज भूकंप के बाद जनवरी 2001 में पुनर्वास कार्यों, और बाद में 1000 घरों के निर्माण के बारे में बताया और इस प्रकार 'रोटरी गाँव' का निर्माण किया गया।

सभी गवर्नरों से उदारतापूर्वक अपने DAF से दान देने का आग्रह करते हुए, भास्कर ने कहा, ''यह सभी मंडलों के लिए एकसाथ आने और एक विशाल परियोजना को पूरा करने का बेहतर अवसर है जो जनता में रोटरी की सार्वजानिक छवि को भी बेहतर बनाने में मदद करेगी।'' उन्होंने वैश्विक अनुदान के माध्यम से केरल में कम लागत वाले घरों के निर्माण के लिए 47,000 डॉलर का DDF दान करने के लिए मंडल 3000 के गवर्नर आरवीएन कन्नन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

कोरिया के निवासी आरआई निदेशक ईन-सू मून ने इस कार्य

सत्र में TRF ट्रस्टी माइक वेब (बाएं) और अन्य डीजी गण।

के लिए अपने मंडलों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने की अपनी इच्छा व्यक्त की।

रोटरी गृह

पाथी ने विस्तार से बताते हुए कहा कि 339 वर्ग फीट वाले एक बीएचके घर के निर्माण की अनुमानित लागत ₹3.5 लाख है, और उन्होंने व्यक्तिगत रोटेरियन से एक घर के निर्माण को प्रायोजित करने के लिए आमंत्रित किया, ''इस मामले में, घर का नाम आपके नाम पर रखा जाएगा और आपको लाभार्थी को घर की चाभी सौंपने का सम्मान देने के अतिरिक्त आरआईआई द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।'' वित्त पोषण के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि एक विकल्प तीन मंडलों में 240 घरों के लिए वैश्विक अनुदान प्राप्त करना होगा; दूसरा विकल्प 1000 घरों के निर्माण के लिए सीएसआर निधि प्राप्त करना होगा; जबकि तीसरा विकल्प के तौर पर रोटरी मंडलों और क्लबों से शेष 1,760 घरों का निर्माण करने के लिए प्रत्यक्ष योगदान प्राप्त करना होगा।

सत्र में एक प्रस्तुतिकरण पेश करते हुए, एस्टर हेल्थकेयर के राजेश ने कहा कि कंपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत एर्नाकुलम, एलेप्पी और वायनाड में 250 घरों का निर्माण करने के लिए रोटरी के साथ साझेदारी करना चाहती है। ''योजना के लिए 250,000 डॉलर का बजट निर्धारित किया गया है जिसे 750,000 डॉलर तक बढ़ाया जा सकता है, यदि रोटरी कोई बेहतर योजना का सुझाव देती है। हम अगले मॉनसून से पहले घरों का निर्माण करना चाहते हैं।''

> हम सभी एक साथ मिलकर कार्य करेंगे और यथाशीघ्र केरल और कूर्ग का पुनर्निर्माण करेंगे। हम समुदाय की सेवा के लिए इसे एक उत्कृष्ट परियोजना में रूपांतरित कर देंगे।
>
> TRF ट्रस्टी **गुलाम वाहनवटी**

कॉर्पोरेट का सहयोग प्राप्त करना

भास्कर ने बेघर बाढ़ पीड़ितों के लिए घर उपलब्ध कराने और इस कार्य के लिए कॉर्पोरेट से उनके सहयोग की मांग और रोटरी के उद्देश्यों को प्रचारित करने के लिए कॉर्पोरेट के बीच एक विशेष ब्रोशर डिजाइन और वितरित करने का सुझाव दिया।

टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वहनवती ने तीनों गवर्नरों की प्रशंसा का पुल बांधते हुए, और उन्हें ''अमर, अकबर, एंथोनी'' का नाम देते हुए कहा, ''हम सभी एक साथ मिलकर कार्य करेंगे और यथाशीघ्र केरल और कूर्ग का पुनर्निर्माण करेंगे। फाउंडेशन में वैश्विक अनुदान टीम स्वीकृतियाँ प्राप्त करने के लिए तैयार है और मैं व्यक्तिगत रूप से निगरानी करूँगा कि क्या करना आवश्यक है। हम समुदाय की सेवा के लिए इसे एक उत्कृष्ट परियोजना में रूपांतरित कर देंगे। और रोटरी फाउंडेशन और रोटरी की ख्याति को बढ़ाने में मदद करेंगे।''

DDF राशि के लिए भास्कर ने डीजीओं से प्रतिबद्धता दिखाने का अनुरोध किया और कहा कि वे 500,000 डॉलर के साथ-साथ ₹1.2 करोड़ का योगदान कर सकते है। लगभग सभी मंडलों ने कुछ घरों को प्रायोजित करने पर सहमति दी। एक ओर जहाँ पीआरआईपी साबू ने ₹20 लाख का व्यक्तिगत योगदान देने की घोषणा की; वहीं आरआरएफसी विजय जालान और मंडल 3011 के डीजी विनय भाटिया एक-एक घर को प्रायोजित करने पर सहमत हुए जबकि ईएमजीए विनोद बंसल अपने सीएसआर फंडों से 50 घरों को प्रायोजित करने पर सहमत हुए।

टीआरएफ ट्रस्टी माइक वेब ने बताया कि वर्षों के दौरान तीन जोनों से जमा हुए 3 मिलियन डॉलर की समेकित DDF, साथ ही इस रोटरी वर्ष के लिए आवंटित 4.5 मिलियन डॉलर का DDF केरल में घरों के निर्माण के लिए उपलब्ध है। ''मैं वास्तव में आपके गवर्नर से DDF की निगरानी करने का अनुरोध करता हूँ। यह धन बैंक खाते में रखने के लिए नहीं है। यह जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए है। आप अपने पास ऐसे खजाने के साथ वैश्विक अनुदान प्राप्त कर सकते हैं,'' उन्होंने प्रोत्साहित करते हुए कहा।

चित्र : रशिदा भगत

केरल में रोटरी की धान परियोजना बाढ़ की विनाशलीला से बच गई

राशीदा भगत

हाल ही में केरल में आए विनाशकारी बाढ़ से हजारों एकड़ में लगी फसल नष्ट हो गई, लेकिन इसे एक चमत्कार ही माना जाएगा कि REAP, मंडल 3211 के कार्बनिक धान की खेती की प्रतिष्ठित परियोजना के अधीन रोटेरियन द्वारा की गई धान की खेती, प्रकृति के तबाही से सुरक्षित बच निकली। परियोजना, जो कृषि उत्पादन के रोटरी सशक्तिकरण के लिए एक संक्षिप्त शब्द है, को पिछले वर्ष शुरू किया गया था, तत्कालीन डीजी सुरेश मैथ्यू के नेतृत्व में एक ऐसे राज्य में कृषि की घटती प्रथा को पुनर्जीवित करने के लिए जहाँ किसान चरागाहों का निर्माण करने लगे थे, जिसके कारण हजारों एकड़ भूमि परती हो गई थी।

रोटरी क्लब द्वारा केरल के स्थानीय धान की किस्मों को कार्बनिक व्यवस्थित रूप से विकसित करने के लिए आगे आने और महिलाओं द्वारा इसकी अधिक मांग करने के कारण, परियोजना परती भूमि के एक विशाल भू-भाग को हरित बनाने में सफल रही। मार्च अंक में रोटरी न्यूज़ के कवर पर कहानी को दिखाते हुए, मुझे आश्चर्य हुआ कि REAP खेती के साथ क्या हुआ। मैं चेन्नई इंस्टीट्यूट में उत्साह से लबरेज पीडीजी मैथ्यू से मिली, जिन्होंने जवाब दिया कि: ''केरल के जन-जीवन को अस्त-व्यस्त करने वाले मूलसाधार वर्षा से कुछ महीने पहले, REAP के पके हुए तैयार फसल की कटाई हमारे रोटेरियन पहले से कर चुके थे। सौभाग्य से, वर्ष 2018-19 के लिए REAP के नए अध्यक्ष, एक भूतपूर्व एजी, रोटेरियन मीनाकु मारन नायर ने बाढ़ की भविष्यवाणी की थी और बीज बुआई समारोह मनाने में विलंब किया था।''

वह यह साझा करते हुए प्रसन्न थे कि यह नायर की दूरदर्शिता का परिणाम था, ''जो स्वयं एक भावुक किसान थे, जिसने इस आपदा के कहर से REAP को बचाया था।''

पिछले साल REAP को पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया गया था, लेकिन इसकी सफलता को देखते हुए, नायर ने क्लबों के एक बड़े समूह को इस वर्ष व्यापक पैमाने पर खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। ''त्रिवेन्द्रम के उपनगरों में केरल के प्रौद्योगिकी केंद्र में स्थित पल्लीपुरम पदसेखरम में पहले 50-एकड़ में धान की खेती की जाएगी। इसके साथ ही, वे निकट के त्रिवेन्द्रम टेक्नोपार्क परिसर में और आसपास तकनीकी कंपनियों से युवा तकनीक लाने की योजना बना रहे है, इस प्रकार अगली पीढ़ी खेती में रुचि दिखा रही है।''

मैथ्यू ने कहा कि इस विशाल प्राकृतिक आपदा के बाद, ''केरल के लोग अब प्रकृति रूपी जननी की रक्षा करने की आवश्यकता को महसूस कर रहे हैं। रोटेरियन का दृढ़ता से मानना हैं कि केरल में इस आपदा के समय में REAP अधिक प्रासंगिक है।''

उन्होंने कहा कि आपदा से ठीक पहले, रोटरी क्लब क्लिओन हेरिटेज द्वारा खेती की गई 10 एकड़ भूमि पर धान की फसल की पहले ही कटाई की जा चुकी थी। ''क्लब ने हाल ही में एक फसल कटाई के बाद मवेशी दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें अनेक गाँवों के भाग लेने के कारण यह बहुत सफल हुआ।'' अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में, रोटरी क्लब एलेप्पी उत्तर ने एलेप्पी में 10 एकड़ क्षेत्र में धान के बीज बोए, जबकि उन्होंने कहा कि ''नवंबर के पहले सप्ताह में क्लबों के समूह द्वारा संयुक्त रूप से त्रिवेंद्रम के कजाकुटम में 50 एकड़ क्षेत्र में धान की खेती की जाएगी।''

Rotary Institute 2018

नई पहल और हमारे अंचलों में अतिरिक्त व्यापक प्रशिक्षण पर स्पॉट लाइट: भास्कर

रशीदा भगत

ज़ोन 4,5 और 6 ए द्वारा शुरू की गई नई पहल के साथ, पिछले 15 महीनों में अपने निदेशकीय कार्यकाल के दौरान, व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित, उनके कठोर मापदंड, हमारे अंचलों में रोटारेक्टरों की रिपोर्टिंग में उछाल और रोटरी न्यूज ट्रस्ट के नए प्रकाशनों का चेन्नई जोन इंस्टीट्यूट में रो ई निदेशक सी भास्कर ने अपने सम्बोधन में विशेष उल्लेख किया।

शुरुआत में उन्होंने ''ज़ोन 4, 5, 6ए में 40 मंडलों के 3,929 रोटरी क्लबों से 1,51,853 में से प्रत्येक रोटेरियन को धन्यवाद दिया, क्योंकि ये हमारे अंचलों में न केवल रो ई की सदस्यता वृद्धि में योगदान करते हैं बल्कि टीआरएफ में 19 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान कर पिछले साल भी, एक बार फिर दुनिया में हम दूसरे स्थान पर रहे हैं।''

निदेशक के रूप में भारत में डीजी और वरिष्ठ रोटरी नेताओं के समर्थन से उन्होंने कई तरह की पहल पर अपना ध्यान केंद्रित किया मुख्यत: ''रोटरी क्लबों को मजबूत करने के लिए ताकि वे स्थानीय लोगों की परेशानियां समझ सकें और रोटरी की एक बेहतर सार्वजनिक छवि का निर्माण कर सकें।''

प्रशिक्षण का महत्व

भास्कर ने कहा कि उन्होंने क्लब अध्यक्षों, सचिवों और अन्य अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर काफी ज़ोर दिया था, जिनको अब रो ई हैंड बुक में शामिल करने के बाद क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया। सदस्यता, लोक छवि और फाउंडेशन के मंडल अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 'दिशात' शुरू किया गया। मंडल अध्यक्षों को टेम्पलेट दिए गए थे ताकि वे मंडल स्तर पर सेमिनार आयोजित कर रोटेरियनों को रोटरी के सभी केंद्रीय क्षेत्रों और इसकी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से बताएं।

''मुझे रो ई बोर्ड ने इस बात की अनुशंसा करने को भी कहा है कि प्रतिभागियों की लागत और समय बचाने के लिए मंडल प्रशिक्षण मीटिंग, मंडल की सीमाओं के अंदर ही आयोजित की जाए। रोटरी में महिलाओं की सदस्यता को और

अधिक प्राथमिकता दी गई और हम सभी, पूर्ण महिला रोटरी क्लबों के माध्यम से हमारे अंचलों में विशाल सेवा परियोजनाओं की तलाश में हैं।''

क्लबों को बड़ी और बेहतर सेवा परियोजनायें करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उन्होंने 'सर्वश्रेष्ठ क्लब प्रोजेक्ट वीडियो' शुरू किया था ताकि समुदाय में किये गए काम विश्व के शेष रोटरी क्लबों के साथ साझा कर सकें। ''इससे हम समुदाय के हित के लिए, सेवा परियोजनाओं में खर्च की गई धन राशि और इसमें प्रयुक्त कुल घंटे बता सकेंगे।''

रोटेरेक्ट पर स्पॉटलाइट

रो ई निदेशक ने कहा कि उन्होंने रोटारैक्टर्स और हैदराबाद और दिल्ली में लगातार संपन्न हुई दो डीजी और डीआरआर समन्वय बैठकों के संगठन पर ध्यान केंद्रित किया था जिस के फलस्वरूप ''रोटेरेक्ट क्लबों के सदस्यों द्वारा रो ई को की जाने वाली रिपोर्टिंग में ज़बरदस्त सुधार हुआ।'' रिपोर्टिंग दर में आश्चर्यजनक रूप से 63 फीसदी की बढ़ोतरी हुई - 9 फीसदी से 72 फीसदी तक और ''हम इस वर्ष रोटारैक्ट के 100 प्रतिशत सदस्यता डेटा हासिल करने की उम्मीद करते हैं।'' यह अप्रत्याशित सुधार प्रोत्साहन से ही संभव हो पाया; ''रोटरी कोऑर्डिनेटरों ने अंचलों में 2018-19 के सर्वश्रेष्ठ डीआरआर को हैम्बर्ग में होने वाले रो ई कन्वेंशन में अपनी लागत पर भेजने की घोषणा की है। मुझे यकीन है कि अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निश्चित रूप से यह सभी डीआरआर को प्रोत्साहित करेगा।''

पूर्ण महिला रोटरी क्लबों के माध्यम से हमारे अंचलों में विशाल सेवा परियोजनाओं की तलाश में हैं।

रो ई निदेशक **सी भास्कर**

RID सी भास्कर और माला को इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष ISAK नाज़र और उनकी पत्नी अफ़ज़लुन्नीसा ने सम्मानित किया।

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट की पहल:

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट द्वारा हर तिमाहीं निकाले जाने वाली डिजिटल पत्रिका *रोटेरेक्ट न्यूज़* ने हमारे अंचलों में हो रही गतिविधियों के बारे में रोटेरेक्टर्स में जागरूकता बढाई और उनके द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित किया। पिछले साल आरएनटी ने भी *रोटरी न्यूज़ प्लस* नामक एक मासिक ई-पत्रिका लॉन्च की थी, जिसमें रोटरी क्लब द्वारा की जाने वाली बढ़िया सेवा परियोजनाएं शामिल हैं। ''अब कोई भी रोटरी क्लब पत्रिका में अपनी सेवा परियोजनाओं को नहीं ढूंढ पाने की शिकायत नहीं करता!'' आरएनटी शीघ्र ही क्षेत्रीय भाषाओं में पत्रिका लाने पर भी काम कर रहा है।

भास्कर ने कहा ''आज हम भारत के प्रमुख कॉर्पोरेट्स को *रोटरी न्यूज़* की प्रतियां भेज रहे हैं ताकि वे समझ सकें कि उनकी सीएसआर गतिविधियों के लिए रोटरी किस प्रकार एक उपयुक्त सहभागी हो सकता है। आरएनटी की, विशेष रूप से प्रिंटिंग को व्यवस्थित करके, हमने इसकी परिचालन-संबंधी लागत में ₹4 मिलियन बचाये हैं और अब इस का इस्तेमाल अन्य उपयोगी कार्यों में किया जाएगा।''

पारदर्शिता और जवाबदेही पर ज़ोर रायट एक्ट पढ़ते हुए ''वित्तीय दुराचार'' में शामिल लोगों के बारे में उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से कहा कि ऐसे क्लबों की गतिविधियों पर नज़र रखें और रिपोर्ट करें जो पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना काम कर रहे हैं और जिन्होंने 'रोटरी' नाम का दुरुपयोग किया है।

पिछले साल इस अंचल से प्राप्त हुए अनुरोध के आधार पर टीआरएफ ट्रस्टी ने भारत में सभी पूर्ण वैश्विक अनुदानों की निगरानी के लिए एक निरीक्षण पैनल के गठन को मंज़ूरी दे दी है जिसमें अनुभवी पीडीजी शामिल हैं और जो यह ध्यान रखेंगे कि परियोजना अनुदान का उपयोग उसी प्रकार किया गया है जैसा आवेदन में उल्लेख किया गया था। ''यह एक प्रकार का इन-हाउस ऑडिट है जिससे पता चले कि क्लबों और मंडल द्वारा प्राप्त

PRIP साबू को पोलियो प्लस पुरस्कार

पूर्व रो ई अध्यक्ष राजेंद्र के साबू को पोलियो प्लस पायनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया, मूल रूप से पुरस्कार की स्थापना 1996 में उन रोटेरियनों को सम्मानित करने के लिए की गई थी जिन्होंने ''पोलियो प्लस के लिए नवंबर 1992 से पहले व्यक्तिगत स्तर पर उत्कृष्ट सेवाएं दी थीं।'' पुरस्कार जून 1999 में बंद कर दिया गया था, लेकिन टीआरएफ ट्रस्टी द्वारा इसे फिर से बहाल किया जा रहा है, क्योंकि हम एक पोलियो मुक्त दुनिया के लक्ष्य पर पहुँचने ही वाले हैं और उन रोटेरियनों को सम्मानित करने के लिए जो इस सम्मान के हक़दार तो थे पर जिनको 1996-1999 के बीच सम्मान नहीं मिला।

उस प्रशंसनीय उल्लेख में लिखा था: ''पोलियो उन्मूलन के वैश्विक प्रयास में हुई अब तक की ज़बर्दस्त प्रगति में कई रोटेरियनों ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। पोलियो प्लस कार्यक्रम की तरफ से इन रोटेरियनों के अथक प्रयास बड़ी प्रशंसा और मान्यता के योग्य हैं।''

पुरस्कार स्वीकार करते हुए पीआरआईपी साबू ने कहा कि वह ''इस सम्मान को पाकर वास्तव में अत्यंत विनम्र हैं। यह यात्रा 1981 में शुरू हुई थी जब मैं निदेशक मंडल में था तब रो ई ने दुनिया के सभी बच्चों का टीकाकरण (प्रतिरक्षण) करने का ज़िम्मा लिया था और फिर जन्म हुआ पोलियो 2005 क। तब से यात्रा जारी है और हम वहां पहुँचने ही वाले हैं।''

आंसू पोंछते हुए उन्होंने उम्मीद की, कि जब हर रोटेरियन का सपना 'पूरी तरह से पोलियो मुक्त दुनिया' पूरा होगा, ''भगवान् की कृपा से,'' वो भी यहीं होंगे। ''तब तक मुझे उम्मीद है कि उषा और मैं रोटरी और समाज की सेवा जारी रखेंगे ...''

आगे जारी रखने में असमर्थ, उन्होंने माइक वापस सौंप दिया लेकिन पीआरआईपी के आर रविंद्रन ने झट से उषा साबू के हाथ में पकड़ा दिया और कुछ शब्द कहने का अनुरोध किया। उनकी प्रतिक्रिया: ''यह संभव नहीं है ... जिस व्यक्ति ने इस सम्मान के लिए काम किया यदि उसके पास शब्द नहीं हैं तो आप मुझसे क्या उम्मीद रखते हैं? मुझे तो बस इतना कहना है कि राजा ने जो कुछ भी किया वह भगवान की कृपा से ही संभव हुआ है और इस काम में वह अकेले नहीं थे। ये काम आप सभी और कई अन्य लोगों की सहायता से संभव हुआ है जो आज यहां मौजूद नहीं हैं। असल में, आप सभी इस पुरस्कार के हक़दार हैं!

इस काम में वह अकेले नहीं थे। ये काम आप सभी और कई अन्य लोगों की सहायता से संभव हुआ है जो आज यहां मौजूद नहीं हैं। असल में, आप सभी इस पुरस्कार के हक़दार हैं!

उषा साबू

सभा का स्वागत करते हुए, इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी आईजेक नज़र और ईएमजीए सैम पतिबंदला ने कहा कि इंस्टीट्यूट समिति ने चेन्नई में 800 से अधिक प्रतिनिधियों को 10 अलग-अलग देशों से एक मंच पर लाने के लिए बहुत अधिक मेहनत की है और 'पैशन टू सर्व' थीम के साथ इंस्टीट्यूट को वास्तव में सार्थक और यादगार बनाया है।

PRIP रो ई अध्यक्ष राजेंद्र के साबू और उषा को पोलियो प्लस पायनियर पुरस्कार से सम्मानितकिया गया। (बाएं से) RID सी भास्कर, PRID के आर रवींद्रन, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, एस्थर, TRF ट्रस्टी माइक वेब और गुलाम वाहनवटी और INPPC चेयर दीपक कपूर चित्र में शामिल हैं।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस् के अध्यक्ष रवि शंकर और पत्नी पाओला MoU पर हस्ताक्षर करते हुए। (बाएं से) RID सी भास्कर, माला, अनिता हरि, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, मंडल 3190 के डीजी सुरेश हरी, एस्थर रेसिन, एलिसन वेब और TRF ट्रस्टी माइक वेब चित्र में शामिल हैं।

हर एक रुपये को सही तरह से खर्च किया गया है।''

यह घोषणा करते हुए उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की, ''रो ई बोर्ड ने मंडल 3100 को फिर से बहाल कर दिया है और वो इस साल से एक नियमित मंडल के रूप में काम कर रहा है।''

भास्कर ने बताया कि सदस्यता के आधार पर, हर 8 साल में, रो ई दुनिया भर में अंचलों का पुनर्गठन करता है। ''क्या हम भी भारत में सदस्य संख्या, भौगोलिक निकटता, भाषा, राज्य और डीजी को यात्रा में सुविधा आदि के आधार पर मंडलों की सीमाओं का पुनर्गठन कर सकते हैं और वो भी मंडलों की संख्या में वृद्धि किये बिना?'' कुछ मंडल अध्यक्षों को सिर्फ उनके मंडल के बड़े आकार की वजह से अत्यधिक यात्रा करनी पडी जिससे उनकी कुशलता और कामकाज दोनों प्रभावित हुए। यह किस प्रकार किया जा सकता है, इस पर उन्होंने रो ई अधिकारियों से सुझाव देने का आग्रह किया ।

केरल के लिए अपील

हाल ही में केरल और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में प्राकृतिक आपदा और भयंकर बाढ़ के कारण अत्यधिक कष्ट और घरों का जो नुकसान हुआ है, बयान नहीं किया जा सकता। वह खुश थे कि केरल के रोटेरियन और शेष भारत के लोग इस अवसर पर मदद के लिए आगे आये थे और इस मानवीय संकटकाल के दौरान तत्परता दिखाई। अब पुनर्वास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का समय है, उन लोगों की मदद करने का जो बेघर हो गए थे। कम लागत वाले आश्रयों के निर्माण की परियोजना के लिए बने दल का नेतृत्व करने के लिए पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी ने सहमति दे दी थी। उन्होंने रोटेरियनों से इस काम में उदारतापूर्वक दान करने की अपील की; प्रत्येक घर के लिए ₹3.5 लाख खर्च होंगे, और इस राशि को दान करने वाले, अपने किसी भी परिचित के नाम पर, नए घर का नाम रख सकते हैं।

आपने रोटरी को गौरवान्वित किया है। आपकी प्रेरणा हमें और अधिक ऊर्जावान बनाती है और समुदाय को अधिक से अधिक देने के लिए प्रेरित करेगी।

रो ई निदेशक **सी भास्कर**

रविशंकर का सम्मान

भास्कर ने कहा कि नए रोटरी वर्ष की शुरुआत के पहले ही दिन एक रोमांचक खबर ने पूरे रोटरी विश्व को स्तब्ध कर दिया था। ''एक प्रमुख परोपकारी सद्भावना के तहत, बैंगलोर स्थित रो क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स, मंडल 3190 के डी रवि शंकर और उनकी पत्नी पाओला ने रोटरी फाउंडेशन को ₹100 करोड़ (14.7 मिलियन डॉलर) की भारी भरकम राशि दान में दी थी।'' उन्होंने दम्पति को धन्यवाद दिया जिन्हें इंस्टिट्यूट में सम्मानित किया गया था और जिन्होंने टीआरएफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, निदेशक ने कहा, ''हम सभी के लिए आप एक सच्ची प्रेरणा हैं, आपने रोटरी को गौरवान्वित किया है, आपने भारत को गौरवान्वित किया है। आपकी प्रेरणा हमें और अधिक ऊर्जावान बनाती है और समुदाय को अधिक से अधिक देने के लिए प्रेरित करेगी।''

अपने परोपकारी पिता कमलेश के क़दमों पर चलकर, जिन्होंने विनोबा भावे के भूदान आंदोलन में अपनी सारी भूमि दान कर दी थी, रोटरी के माध्यम से रविशंकर ने जरूरतमंद लोगों के साथ अपनी संपत्ति साझा करने के लिए यह रूपया दान किया है, और अब वे गेट्स फाउंडेशन के बाद दूसरे सबसे बड़े दान दाता बन गए हैं। रवि शंकर को इस उपहार के लिए प्रेरित करने के लिए उन्होंने डीजी सुरेश हरि को बधाई दी।

पतिबंदला ने कहा, ''कृपया अपने विचार साझा कर, उस पर कार्रवाई करने और रोटरी व्हील को आगे बढ़ने के लिए इस अद्भुत मंच का उपयोग करें।''

चित्र : के विश्वनाथन

सुशिल गुप्ता
को गृहक्षेत्र बधाई देता हैं

रो ई निदेशक सी भास्कर, PRID गण शेखर मेहता और मनोज देसाई, TRF ट्रस्टी गुलाम वहनवाटी और PRIP गण कल्याण बेनर्जी और राजेंद्र के साबू की उपस्थिति में RIPN सुशील गुप्ता और विनीता दिए को प्रकाश देते हुए।

बाएं से : PRIP राजेंद्र के साबू, विनीता, RIPN सुशील गुप्ता और PRIP कल्याण बेनर्जी।

ऊपर : RID सी भास्कर और माला, RIPN सुशील गुप्ता और विनीता के साथ।

दाएं : (बाएं से) RIDE भरत पांड्या, PRIP कल्याण बेनर्जी, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी और RIDE कमल संघवी।

नीचे : (दक्षिणावर्त) डीजी सुभाष जैन, पुनिता भाटिया, PRID पी टी प्रभाकर, शर्मिष्ठा देसाई, PRID मनोज देसाई, RIDE गण कमल संघवी और भरत पांड्या, PRIP राजेंद्र के साबू और विनिता गुप्ता।

माला भास्कर, विनिता को गले लगाकर बधाई देती है।

चित्र : रशिदा भगत ; रूपरेखा : कृष्णप्रथीश

तीन पूर्व अध्यक्ष आरआईपीएन गुप्ता का अभिनंदन करते हैं

रशीदा भगत

कल्याण बेनर्जी

सुशील गुप्ता को 2020-21 में रो ई अध्यक्ष मनोनीत होने पर बधाई देते हुए, दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी ने कहा, ''आज का दिन मेरे लिए रोटरी की ज़िंदगी के सबसे खूबसूरत दिनों में से एक है, मेरे घनिष्ठ मित्र के शिखर पर पहुँचने की सफलता का समारोह मनाने के लिए आज हम यहां एकत्रित हुए हैं - एक दोस्त हाँ, बल्कि दोस्त से भी कहीं ज़्यादा वो मेरे छोटे भाई की तरह हैं, 1980 के दशक में भारत से पोलियो उन्मूलन का काम हमने साथ साथ शुरू किया था, तभी से रोटरी की ज़िन्दगी जिए और टी आर एफ ट्रस्टी शिप भी साथ ही साझा की है।''

उन्होंने खुलासा किया कि रोटरी में गुप्ता के करीबी दोस्तों ने ''उन्हें रोटरी के एवरेस्ट पर विजय पाने के लिए प्रोत्साहित किया था और उन्होंने उपयुक्त क्षण आने तक प्रतीक्षा की।''

बेनर्जी ने बताया कि रोटरी में अध्यक्ष के नामांकन के लिए एक विशिष्ट समिति गठित है। इस समिति के सभी सदस्य निर्वाचित हैं, दुनिया भर के 34 में से 17 अंचलों से चुने गए ये सभी सदस्य पूर्व निदेशक रह चुके हैं, साथ ही ''ये सभी दक्ष और अनुभवी रोटेरियन हैं। मुकाबले में गुप्ता के प्रतिद्वंदी उत्तरी और दक्षिण अमेरिका के साथ यूरोपीय क्षेत्र के रोटेरियन भी थे।'' बेनर्जी ने अपने मनोरंजक पर भावुक भाषण में कहा कि जब नामांकन समिति इवान्स्टन में मिली, ''उस रात नींद नहीं आई थी - हमने इसका नाम *क़त्ल की रात* (गणना की रात) रखा था। जब मैंने सुशील से समिति के साथ उनके साक्षात्कार के बारे में पूछा

बाएं से : PRID शेखर मेहता, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, PRIP राजेंद्र साबू, विनिता गुप्ता, RIPN सुशील गुप्ता और PRIP कल्याण बेनर्जी।

तो उन्होंने कहा कि ठीक ठाक हुआ है। साक्षात्कार के बारे में उन्होंने ज़्यादा नहीं बताया।''

भारतीय समय के अनुसार उस समय रात के 2 बजे थे ; नामांकन समिति दूसरों से बातचीत कर रही थी, ''हमने सुबह 3 बजे और 4 बजे फिर से बात की। वह अंतिम चयन सुनने का इंतजार कर रहे थे। 4.45 पर हमने फिर बात की - वो बोले - पता नहीं क्या हो रहा है - और फिर अचानक बोले 'कल्याण, एक मिनट रुको, कुछ हो रहा है।' मेरा फोन आधा मिनट के लिए बंद हो गया था, अचानक फोन की घंटी बजी, मनोज देसाई के साथ शेखर मेहता (नामांकन समिति के सदस्य) लाइन पर आए और हर्ष से फूट पड़े, बोले, गुप्ता नामांकित हो गए हैं।''

गुप्ता जब लाइन पर आए और कहा: ''कल्याण, हमने कर दिखाया! मैं तपाक से बोला, इवान्स्टन से बाहर के पहले व्यक्ति की बधाई स्वीकार करें। मुझे पता है कि दो महिलाओं के सामने यह कितना कठिन कार्य था, दोनों ही रो ई की पहली महिला

अपने हाथों से काम करने का अनुभव होने के कारण, गुप्ता बेहतर स्थिति में हैं क्योंकि वह ज़मीनी हकीकत जानते हैं और जानते हैं कि समुदायों को किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

PRIP के आर रवींद्रन

अध्यक्ष बनना चाहती थीं, उनमें से एक यूरोपियन महिला तो बहुत ही लोकप्रिय है।''

खुशी से चहकते हुए बेनर्जी ने अपनी पत्नी बिनोता को जगाया। वो उनींदी थी और रात भर ठीक से सो भी नहीं पाई थी, ''लेकिन इसकी परवाह कौन करता है जब आपके भाई को रो ई अध्यक्ष के रूप में चुना गया हो ? हम दोनों ने भोर में इसका जश्न चाय के साथ मनाया।''

उन्हें यकीन था कि रो ई का चौथा भारतीय अध्यक्ष निश्चय ही एक उम्दा नेता होगा। ''वह मितभाषी हो सकते हैं, लेकिन उनके काम, विशेष रूप से रोटरी में जल संसाधनों में किये गए काम बेजोड़ रहे हैं। वह रोटरी एक्शन ग्रुप के उत्प्रेरकों में से एक हैं और टीआरएफ ट्रस्टी रहते हुए भारत के मामलों को लगातार उठाते रहे हैं। एक मेजबान के रूप में उनका और विनीता का आतिथ्य सत्कार उनकी उन्मुक्त खिलखिलाहट जैसा ही बेमिसाल है।''

बेनर्जी ने यह भी खुलासा किया, हालांकि भारत में सीएसआर के लिए वैश्विक अनुदान देने के लिए उन्होंने टीआरएफ को स्वयं प्रस्ताव भेजा था, वर्तमान में भारत के लिए यह एक विशिष्ट सुविधा है, ''गुप्ता इसके रचनाकार थे; और उनके बिना यह संभव नहीं हो पाता।''

2020-21 के लिए गुप्ता और विनीता को एक बड़ी पारी की शुभकामनाएं देने के बाद उन्होंने कहा, ''विनीता एक बहुत ही खास इंसान है और वह सुशील के अध्यक्षीय कार्यकाल में रोटरी की पहली महिला के रूप में बहुत कुछ जोड़ेंगी।'' उन्होंने गुप्ता से आग्रह किया: ''इतनी शिद्दत से अपना फ़र्ज़ निभाओ की पर्दा गिरने के बाद भी तालियां बजती रहें।''

राजेंद्र के साबू

रो ई के शीर्ष पद पर उनके नामांकन के लिए गुप्ता को बधाई देते हुए, पीआरआईपी राजेंद्र साबू ने याद किया कि जिस दिन बेनर्जी को नामांकित किया गया ''वो मेरा 75 वां जन्मदिन था और जब उसने मुझे फोन किया तो मैं जग रहा था, हालांकि जिस रात मुझे नामांकित किया गया उस रात मैं सो रहा था । जब कल्याण (बेनर्जी) ने इसकि पुष्टि की तो मैंने उनसे कहा कि मेरे 75 वें जन्मदिन का यह सर्वश्रेष्ठ उपहार है।''

पुरस्कार समारोह में 400 मीटर में स्वर्ण मिलने पर एथलीट हिमा दास ने जब भारतीय तिरंगे को ऊपर लहराते देखा (जुलाई 2018 में फिनलैंड जूनियर एथलेटिक्स में) तो उसकी आँखों से खुशी के आंसू छलक पड़े, उसी प्रकार 1 जुलाई, 2020 को वन रोटरी सेंटर में जब हमारा तिरंगा लहराएगा तो हर भारतीय का सर गर्व से ऊंचा उठ जाएगा।

साबू ने खुलासा किया कि अभी तक भारत से तीन रो ई अध्यक्षों का जन्म कोलकाता में हुआ था, गुप्ता का सम्बन्ध भी बंगाल से रहा है! ''विनीता के माता-पिता ने बंगाल में अपने जीवन एक काफी बड़ा हिस्सा बिताया है और इसकी संस्कृति को अपने में इतना अधिक समाहित कर लिया कि उन्होंने विनीता का नाम बिनोता ही रख दिया!''

गुप्ता को लंबे समय से जानने की वजह से वो गारंटी दे सकते हैं ''उनके जैसे स्वभाव और गहरी आध्यात्मिकता वाले व्यक्ति जो जमीनी स्तर से जुड़े हुए हैं और सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं, हमारे संगठन को आगे बढ़ाने के लिए वे सर्वश्रेष्ठ सिद्ध होंगे।''

साबू ने कहा कि चेन्नई में गुप्ता के संबोधन के बाद, ''उषा ने उनके भाषण की प्रशंसा की, उनको वो

वह मितभाषी हो सकते हैं, लेकिन उनके काम, विशेष रूप से रोटरी में जल संसाधनों में किये गए काम बेजोड़ रहे हैं। वह रोटरी एक्शन ग्रुप के उत्प्रेरकों में से एक हैं और टीआरएफ ट्रस्टी रहते हुए भारत के मामलों को लगातार उठाते रहे हैं।

PRIP कल्याण बेनर्जी

बाएं से: PRIP के आर रवींद्रन, वानती, RIPN सुशील गुप्ता, विनिता और एस्थर रेसिन।

उत्कृष्ट लगा,'' जिस भाषण में उन्होंने पीआरआईडी मनोहरलाल मनचंदा और सुदर्शन अग्रवाल का धन्यवाद किया था, कुछ लोगों ने पूछा कि सुशील ने ''जब ममनचंदा की प्रशंसाफ की तो मुझे कैसा महसूस हुआ था, मनचंदा तो आपके खिलाफ थाफमैंने कहा: मतो क्या हुआ? अगर तुम मेरे दोस्त हो, तो इसके बारे में भूल जाओ। यह अतीत की बात है।''

उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले की बात है जब उन्होंने गुप्ता से कहा था, ''हमें अतीत को भूल जाना चाहिए, उन्होंने झट से खड़े हो कर मुझे गले लगा लिया और कहा: 'राजा मेरे मन में भी इतने वर्षों से यही चल रहा है।' उसी समय हमने फैसला किया कि हम इतिहास को तो नहीं मिटा सकते हैं लेकिन निश्चित रूप से हम इसे भूल तो सकते ही हैं। उस समय मुझे एहसास हुआ कि इस आदमी के पास चरित्र की ताकत है और निश्चय ही ये हमारा नेता बन सकता है।''

साबू ने कहा कि उन्होंने गुप्ता को पूर्ण अंक दिए, जिस तरह उन्होंने 1986-87 से पोलियो उन्मूलन कार्य को आगे बढ़ाया और जिस प्रकार उन्होंने जल संरक्षण और स्वच्छ भारत में थळपड के माध्यम से काम किया है, ''मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आपकी जो प्रशंसा की जा रही है इसका श्रेय आप अकेले ही ना लें, आपके बगल में बैठी विनीता आपकी सबसे बड़ी ताकत है। अगर हम आज इस तरह जुड़े हैं तो यह विनीता ही है जिसने वास्तव में हमें जोड़ा है। विनीता जिस प्रेम और स्नेह की बौछार आपने हम पर की है ,मैं और उषा उसे कभी नहीं भूल पाएंगे।''

मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आपकी जो प्रशंसा की जा रही है इसका श्रेय आप अकेले ही ना लें, आपके बगल में बैठी विनीता आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

PRIP राजेन्द्र के साबू

के आर रविंद्रन

पीआरआईपी के आर रविंद्रन ने एक वीडियो संदेश में कहा कि 2020-21 में गुप्ता के रो ई अध्यक्ष के रूप में नामांकन उनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, ''संयोग से उस वर्ष मैं टीआरएफ अध्यक्ष के रूप में सेवा करूँगा और जाहिर है कि मैं ऐसे अध्यक्ष के साथ काम करना चाहता हूं जिसके साथ मैं एक सौहार्दपूर्ण कामकाजी संबंध स्थापित कर सकूँ, जो कि हमारे संगठन की भलाई के लिए आधारभूत ज़रुरत है।''

गुप्ता के नामांकन को ''श्रेष्ठ पसंद'' बताते हुए उन्होंने कहा कि ''टीआरएफ बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज़ में उनके साथ दो साल काम करने के बाद कम से कम वो इतना तो कह ही सकते हैं कि वित्त समिति के अध्यक्ष और निवेश समिति के सदस्य के रूप में उनका योगदान अत्यंत प्रभावशाली था।''

स्वयं इस मार्ग पर चलने के बाद, उन्होंने कहा कि रो ई अध्यक्ष होना अत्यधिक काम की अपेक्षा करता है। दो साल से अधिक के लिए ''आपको घर से दूर रहना होगा क्योंकि अध्यक्ष की तैयारी की अवधि प्रेसीडेंसी जितनी ही ज़ोरदार है, श्रमसाध्य है। अपने अध्यक्ष काल के दौरान दो साल में, मैं घर पर सिर्फ 11 दिन रुका था। आपके शरीर को जेट लेग के चरम से गुजरना होता है , क्योंकि वैश्विक मंच पर यह नेतृत्व की भूमिका है और आपको रो ई स्टाफ और फाउंडेशन के संपर्क में रहना होगा।''

लेकिन दुनिया के इस भाग के नेताओं को सबसे बड़ा फायदा ये है कि ''हम में से अधिकांश को परियोजनाओं में जमीनी स्तर पर नेतृत्व करने का अवसर मिला है। जल संरक्षण में विशेषज्ञ सुशील (गुप्ता) ने सैंकड़ों परियोजनाओं पर काम किया है,'' और सबसे सराहनीय ये है कि उन्होंने स्थानीय समुदाय का 100 प्रतिशत ध्यान रखते हुए इन परियोजनाओं को निष्पादित किया है। ''मित्रों इसमें हर महत्वाकांक्षी नेता के लिए सीख है, अपने हाथों से काम करने का अनुभव होने के कारण, गुप्ता बेहतर स्थिति में हैं क्योंकि वह ज़मीनी हकीकत जानते हैं और जानते हैं कि समुदायों को किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।''

एक और बड़ा फायदा है उनकी व्यावसायिक पृष्ठभूमि के साथ ही बेहतरीन कॉर्पोरेट संस्था के वरिष्ठ सीईओ के रूप में उनका अनुभव। अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ काम करने के बाद, उनके पास विभिन्न संस्कृतियों के साथ जुड़ने की अद्भुत क्षमता है और नए अवसरों की तलाश में रहते हैं।

चित्र: रशीदा भगत

फाउंडेशन न्यासी अध्यक्ष का संदेश

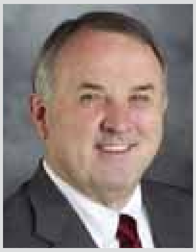

एक ऐतिहासिक धन जुटाने की योजना पर काम करें

प्रति वर्ष नवंबर में हम रोटरी फाउंडेशन माह मनाते हैं। हम कितने भाग्यशाली हैं कि हमारे पास विश्व-स्तरीय फाउंडेशन है जो हमें संपूर्ण संसार में लोगों के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने के लिए जन-कल्याणकारी कार्यों को करने में मदद करती है। हमें सभी को इस तथ्य पर गर्व करना चाहिए कि रोटेरियन और हमारी रोटरी फाउंडेशन की वजह से प्रत्येक दिन में प्रत्येक सेकेंड में किसी के साथ कुछ अच्छा होता है।

जरा याद कीजिए कि अटलांटा में 2017 रोटरी इंटरनेशनल सम्मेलन में हम कितने उत्साहित थे, जहाँ हमने फाउंडेशन के पहला 100 वर्षों का उत्सव मनाया? उस वर्ष 300 मिलियन डॉलर की राशि एकत्र करने लक्ष्य था, और, जैसा कि आपको याद है, हमने उस लक्ष्य को पार करने के लिए 304 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। यह फाउंडेशन के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष था।

2017-18 रोटरी वर्ष में, जब फाउंडेशन ने अपनी दूसरी शताब्दी में प्रवेश किया, तो हमारे पास 360 मिलियन डॉलर का एक और अधिक महत्वाकांक्षी निधि प्राप्त करने का लक्ष्य प्राप्त करने का निश्चय किया। जून में टोरंटो में हुए सम्मेलन में, सेवामुक्त ट्रस्टी चेयर पॉल ए नेटज़ेल ने उपस्थित लोगों से कहा कि हमारे सामने एक बार फिर से हमारे फाउंडेशन का एक ऐतिहासिक वर्ष है, जिसमें एक वर्ष के दौरान 373 मिलियन डॉलर प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस वर्ष हमने 380 मिलियन डॉलर की राशि एकत्र करने का लक्ष्य रखा है। पोलियो के लिए हमारा लक्ष्य 50 मिलियन डॉलर है, जिसे बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के मिलान अनुदान के माध्यम से 150 मिलियन डॉलर में परिवर्तित कर दिया जाएगा। इसमें वार्षिक निधि के लिए 137 मिलियन डॉलर का लक्ष्य, एंडॉवमेंट फंड के लिए 61.5 मिलियन डॉलर, और वैश्विक अनुदान नकद और अन्य प्रत्यक्ष उपहारों के माध्यम से 31.5 मिलियन डॉलर शामिल है, और हमारे अनेक कार्यक्रम पूरी तरह से वित्त पोषित होंगे और रोटेरियन इसे जारी रखने के लिए पूरी तरह से कमर कस कर तैयार और सुसज्जित है ताकि वास्तविक परिवर्तन का सूत्रपात किया जा सके।

अब, यह आप और मेरे ऊपर निर्भर करता है। फाउंडेशन की दूसरी शताब्दी की दिशा और गति तय करने के लिए हमारे पास निरंतर बढती प्रासंगिकता और प्रभाव का मार्ग तैयार कने का अवसर है।

मैं फाउंडेशन में अपनी भागीदारी बढाने के लिए आपको चुनौती दे रहा हूँ, - कार्य करते हुए, दान देते हुए, और प्रेरित करते हुए। एकसाथ मिलकर हम, आने वाले कल को आज से भी उज्जवल बना सकते हैं। हम हर महीने को रोटरी फाउंडेशन माह में परिवर्तित कर सकते हैं। इसलिए, प्रेरणास्रोत बनें, अपनी रोटरी विरासत का निर्माण करें, और आइए हम इसे अपने इतिहास में एक और ऐतिहासिक वर्ष बनाएं।

रॉन डी बर्टन
फाउंडेशन न्यासी अध्यक्ष

सम्मेलन

प्रभावित करने के लिए निर्मित

गुंङ्ला मिथके

वर्ष 1842 में भयानक आग लगने और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बमबारी से हुए व्यापक नुकसान के कारण, आर्थिक विकास के कारण, और इसके नागरिकों द्वारा परिवर्तन का हमेशा स्वागत करने की मानसिकता के कारण शताब्दियों के दौरान हैम्बर्ग का स्थापत्य कला नाटकीय रूप से परिवर्तित हुआ है। आपको पूर्व-आधुनिक काल का काँच और स्टील के मुखौटे, 19वीं शताब्दी के अद्भुत सुंदर भवन, और 17 वीं शताब्दी के रत्न-जड़ित कुछ आधे लकडी के टुकड़े देखने को मिलेंगे।

दो चीजें हैंम्बर्ग वास्तुकला में विशिष्ट हैं: समुद्री रूपांकन और लाल ईंट। 1883 के बीच और 1920 के दशक के उत्तरार्द्ध में निर्मित स्पीचेहेरस्टेड, जो एक डॉकलैंड वेयरहाउस कॉम्पलेक्स है, जहाँ अब रेस्तरां और संग्रहालय स्थित है, एक ऐसा दर्शनीय-स्थल हैं, जहाँ आपको बार-बार जाना चाहिए। इसकी ईंट की इमारतें यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा हैं, साथ ही निकट स्थित चिलीहौस, जिसका निर्माण वर्ष 1924 में किया गया था, जिसका नाटकीय रूप से पूवी हिस्सा जहाज के पंख के समान दिखाई देता है।

एलबफिलहार्मोनिए संगीत कार्यक्रम हॉल आपके विचार को एक भिन्न दिशा प्रदान करता है। मजबूत काँच से निर्मित, एक पुनर्निर्मित ईंट गोदाम के ऊपर इस भवन की छत लहरों जैसी दिखती हैं।

सिटी नॉर्ड मंडल में पार्क के समान माहौल में कार्यालय भवन स्थित हैं, जो 1950 और 60 के दशक में लोकप्रिय था। चौड़ी सड़कों पर घूमना एक खुली वास्तुशिल्प संग्रहालय का दौरा करने जैसा लगता है।

हैम्बर्ग के वास्तुकला के गहन अनुभव के लिए, ए-टूर (*a-tour.de/en*) समेत अनेक कंपनियों द्वारा गाइड युक्त पर्यटन की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है।

2019 HAMBURG

www.riconvention.org **पर हैम्बर्ग में 2019 रोटरी सम्मेलन में शामिल होने के लिए पंजीकरण करें।**

डीजीईयों ने नेतृत्व की शिक्षा ली

जयश्री

आपके पास एक साल है, आगे बढ़ो और जूनून के साथ कार्य करो। आपके ज़ोन में आपके पास इतना सशक्त नेतृत्व है। आपके पास कल्याण बैनर्जी, राजा साबू और के आर रविन्द्रन, और पूर्व, वर्तमान एवं भविष्य के निदेशक है। भास्कर ने सदस्यता के लिए जो भी किया वह वास्तव में प्रभावकारी है। विश्व में सदस्यता वृद्धि में आप पहले नंबर पर है। अपने सदस्यों को कुछ इस तरह से प्रेरित कीजिए कि यह संगठन आप पर गर्व महसूस करे।''

इन शब्दों के साथ रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने, अक्टूबर के पहले सप्ताह के दौरान चेन्नई में रोटरी ज़ोन इंस्टिट्यूट के पहले आयोजित हुए तीन-दिवसीय GETS के अंत में ज़ोन 4, 5 और 6अ के 40 डीजीयों को स्नातक प्रमाण पत्र प्रदान किये। वह इंस्टिट्यूट में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने गवर्नर-निर्वाचितों को स्टीव फार्बर द्वारा लिखी गई किताब *Radical Leap* के उद्धरणों के माध्यम से प्रोत्साहित किया। LEAP के तत्वों - प्रेम उत्पन्न करना, ऊर्जा का उत्पादन करना; साहस भरना और सबूत प्रदान करना - को विस्तारपूर्वक समझाते हुए, रेसिन ने नवनिर्वाचित नेतृत्वकर्ताओं से कहा ''आपको लोगों की सेवा करने में जो भी पसंद है वह करें। बिना प्रेम के, आपके पास अधिक प्रयास करने का कोई कारण नहीं रहेगा।'' नेतृत्वकर्ताओं को बाधाओं को पार करके कार्य करने और अपने आसपास के लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए ऊर्जा मिलनी चाहिए। ''आपके पास निर्भीक लक्ष्य होना चाहिए। मेरा लक्ष्य रोटारेकटरों की संख्या को दोगुना करने का है। मैं यह कहते हुए थक चुका हूँ कि चलिए एक क्लब की संख्या में 100 की वृद्धि करें। अपने क्लब अध्यक्षों को एक रोटारेकट क्लब शुरू करने के लिए प्रेरित करें। अंत में प्रगति का सबूत दिखाए। आखिरकार, उत्पादकता और लाभप्रदता पूरी कहानी बयां करती है,'' उन्होंने कहा, आगे यह कहते हुए कि LEAP की रूपरेखा आपको स्वयं से और दूसरों से सर्वश्रेष्ठ निकालने में मदद करेगी।''

इसके पहले संस्थान संयोजक और रोई निदेशक भास्कर ने यह कहकर कार्यशाला का माहौल बनाया, ''बड़े अधिकार के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है, और रो ई मंडल आपके सुझावों पर चलता है। जिन अध्यक्षों ने आपके लिए मतदान नहीं किया उनको मिलाकर सभी को साथ लेकर चलने की परिपक्वता का विकास करें। आपकी चुनौतीपूर्ण यात्रा में सभी आपके मित्र है।''

इस वर्ष संस्थान को दो माह पहले आयोजित किया गया, भास्कर ने कहा कि इससे डीजीयों को उनके दल का चयन करने और योजना बनाने के लिए अधिक समय मिलेगा। ''जब आप जनवरी 2019 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए जाएँगे तब आपको बेहतर जानकारी दी जाएगी,'' उन्होंने कहा।

DGEयों के साथ RIDE भरत पांड्या, माधवी पांड्या, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, एस्तर, RID सी भास्कर, माला, RIDE कमल संघवी और सोनल संघवी, स्नातक समारोह में।

उन्होंने एक 'प्रभावी' दल बनाने पर अधिक ज़ोर दिया। ''अपने दल का चुनाव मित्रता, या किसी पक्षपात के आधार पर ना करें; बल्कि यह योग्यता के आधार पर होना चाहिए। याद रखिए कि आपकी सफलता उन लोगों पर निर्भर करती है जिन्हें आपने अपने दल के लिए चुनते है। उन्हें प्रभावी और निपुण होना चाहिए ताकि वे आपकी सहायता कर सकें और आपके मंडल को नई ऊँचाईयों तक ले जा सकें।''

उन्होंने नवनिर्वाचित डीजीयों से बार-बार यह बात कही कि मंडल प्रशिक्षण सभा (DTA) विशेषरूप से क्लब के अधिकारियों के लिए है और यह कम से कम नौ घंटों की होनी चाहिए। ''मेरे पूरे कार्यक्रल के दौरान मैं इस बात पर ज़ोर दे रहा हूँ लेकिन मैं अभी भी पाता हूँ कि मंडल इसे वक्ता सभाओं के रूप में आयोजित कर रहे है।'' सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम मंडल के भीतर आयोजित किये जाने है, उन्होंने कहा। ''जब आप विदेशों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते है, तो बहुत से क्लब अधिकारी यात्रा लागत का खर्च वहन नहीं कर पाते और इसलिए प्रशिक्षण से वंचित रह जाते है। PETS, SETS, DTA, AGTS और DISHA सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम है और ये आपके मंडल को आदर्श बनाने के लिए है। ये मनोरंजन गतिविधियाँ नहीं है,'' निदेशक ने कहा।

समय-समय पर समीक्षा बैठकें आयोजित करें; ऋच्चङ का उपयोग क्लबों द्वारा किये गए कार्य को चिन्हांकन करने के लिए करें ना कि सिर्फ गवर्नरों की तस्वीरों को प्रदर्शित करने के लिए, ये कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिंदु थे जिस पर उन्होंने प्रकाश डाला।

बिलियर्ड्र्स और रोटरी

एक नेतृत्वकर्ता को एक बिलियर्ड खिलाड़ी की तरह होना चाहिए, ठखऊए और ऋएढड के प्रमुख भरत पंड्या ने कहा। जिस तरह से वह मेज के चारों ओर जाता है, डंडे को चिकना करता है और गेंद को सही बल लगाकर छेद में डालने से पहले सही कोण पर ध्यान केन्द्रित करता है, ''प्रशिक्षण सत्र आपको उचित ध्यान केन्द्रण और दिशा के बारे में बताते है और आपके मंडल की सफलता को अपनी मुट्ठी में करने योग्य बनाते है।''

लेखक कार्लोस कास्तेनाडा के एक उद्धरण का ज़िक्र करते हुए, पंड्या ने कहा: ''हम सभी के पास एक छोटा सा मौका होता है जो समय-समय पर हमारी आँखों के सामने आता है। आप सभी योद्धा है और यह कार्यक्रम आपके नेतृत्व कौशल को निखारने और आपको आपके छोटे से मौके को हाथ से ना जाने देने हेतु पर्याप्त रूप से सतर्क रहने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु तैयार किया गया है।''

इससे पहले, संस्थान अध्यक्ष ISAK नज़र, ने प्रशिक्षण मापदंडों की विशिष्टता के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि GETS आपको सीखने का मौका प्रदान करता है। लेकिन आपको उस शिक्षण को आत्मसात करना होगा और परिवर्तन के लिए तैयार रहना होगा।''

पेंसिलों और पानी की किताबों के बारे में

RIDE कमल सांघवी ने नवनिर्वाचित नेतृत्वकर्ताओं को एक पेंसिल की उपमा देते हुए प्रेरित ''किया। एक पेंसिल की तरह, आप कई शानदार चीज़ें कर सकते है, लेकिन केवल तब ही जब आप खुद को किसी ओर के हाथों में होने की अनुमति देते है। नुकीला करना दर्दनाक होता है, लेकिन पेंसिल के अंदर की लीड को बाहर लाना महत्वपूर्ण है। रबर आपको आपके द्वारा की गई अधिकांश गलतियों को सुधारने में मदद करता है। जब आप असफल और एक टूटी हुई पेंसिल की तरह हो जाते है, तो उस अवसर का

धन्यवाद कीजिए, क्योंकि, टूटी हुई पेंसिल के दो सिरे होते है जिनसे आप लिख सकते है। फ़ीनिक्स की तरह ऊपर उठें और अपनी असफलताओं से सीखें। चिकनी और खुरदुरी, आपका इस्तेमाल जैसी भी सतह पर किया जाए, सुनिश्चित करें कि आप एक निशान छोड़े,'' उन्होंने कहा।

सांघवी ने अपने दर्शकों को एक बोतल परीक्षण द्वारा विस्मित किया जिसे उन्होंने यह प्रदर्शित करने के लिए किया था कि बाहरी ताकतों से विचलित नहीं होना चाहिए। ''जब लोग आपको विचलित करने की कोशिश करें, तो एक कोक की बोतल की तरह सनसनाहट से मत भर जाइए; बल्कि एक पानी की बोतल की तरह शांत रहिए,'' उन्होंने कहा।

इंग्लैंड के TRF ट्रस्टी माइक वेब ने मंडलों के खातों में बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पड़े डीडीएफ की तरफ डीजीयों का ध्यान आकर्षित किया। कुल 7.5 मिलियन डॉलर - पिछले कुछ वर्षों में एकत्रित 3 मिलियन डॉलर के अव्ययित रोलओवर के साथ 4.5 मिलियन का अर्जित डीडीए - डीडीए के अंतर्गत तीन ज़ोन के डीजीयों के लिए उपलब्ध है। ''कृपया अच्छा करने के लिए आपके मंडल के लिए TRF द्वारा आवंटित डीडीएफ का प्रयोग करें। यह किसी बैंक खाते में जमा रहने के लिए नहीं है,'' एक प्रभावशाली

RIDE गण भरत पांड्या और कमल संघवी।

सन्देश था जिसे उन्होंने अपने सभी सत्रों में दोहराया। ''यह कहना कोई गर्व का विषय नहीं है कि आपने अपने वर्ष का अंत आपको वर्ष की शुरुआत में मिली डीडीएफ राशी से अधिक राशी के साथ किया है।'' उस रोलओवर पैसे का प्रयोग वैश्विक अनुदान के लिए भी किया जा सकता है।

वेब ने यह भी बताया कि तीन ज़ोन के 30 प्रतिशत क्लबों ने TRF में योगदान नहीं किया है। मैं प्रत्येक गवर्नर को यह सुनिश्चित करने की चुनौती देता हूँ कि उनके सभी क्लब संस्थान में योगदान करें। शून्य योगदान से 100 डॉलर का योगदान करने वाला क्लब ही बेहतर है।

कोरिया के रोई निदेशक यून-सू मून ने नवनिर्वाचित डीजीयों को सदस्यता वृद्धि और अवरोधन पर प्रेरित किया। उन्होंने युवा सदस्यों और पूर्व शांति निर्माताओं को रोटरी की ओर आकर्षित करने पर सुझाव दिए। एक्सीडिंग एक्सपेक्टेशन के बारे में बात करते हुए, PRIP राजेन्द्र के साबू ने एक रोटेरियन द्वारा की गई टिप्पणी को याद किया जब वह रोई अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे थे। ''जब उसने मुझसे कहा 'अध्यक्ष महोदय आप केवल रो ई के ही अध्यक्ष नहीं है, आप लोगों के अध्यक्ष है' तो वह मुझे मिली अब तक की सबसे अच्छी प्रशंसा थी, उन्होंने कहा। प्रभावी नेतृत्व के आठ घटकों को गिनाते हुए, उन्होंने भावी गवर्नरों से बड़ा सोचने एवं बड़ा करने, अहंकार को छोड़ने और सत्यनिष्ठा के साथ काम करने की अपील की।

रणनीतिगत नियोजन, सदस्यता वृद्धि, संस्थान में दान, मंडल अनुदान और सार्वजनिक छवि के निर्माण जैसे विषयों पर सुसाध्य चर्चाओं ने कार्यशाला को और मजबूत बनाया। ■

रोटरी ने केईएम अस्पताल को दान में चिकित्सा उपकरण दिया

रोटरी क्लब मुंबई मालाबार हिल, मंडल 3141 द्वारा एक वैश्विक अनुदान परियोजना के अंतर्गत ₹1 करोड़ की लागत से गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग को उन्नत करने के परिणामस्वरूप केईएम अस्पताल में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के उपचार को बड़ा प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

इस उन्नयन परियोजना के दौरान एक रिकवरी रूम के साथ मॉड्यूलर एंडोस्कोपी थिएटरों की स्थापना और दो महत्वपूर्ण उपकरणों - मल्टीपारा मॉनिटर और एक ब्रेद एनलाइजर स्थापित किया गया। मल्टीपारा मॉनीटर मरीज के महत्वपूर्ण संकेतों पर गहरी निगरानी करता है, जबकि ब्रेद एनलाइजर श्वसन प्रणाली में हाइड्रोजन और मीथेन गैस की उपस्थिति को मापने में मदद करता है।

क्लब के भूतपूर्व अध्यक्ष नीलेश बर्फीवाला कहते है, ''इस उपकरण की स्थापना से, बीमारी के सटीक निदान के लिए लक्षित चिकित्सा और मरीजों को आहार सलाह प्रदान करना संभव हो सका है।'' प्रतिदिन औसतन 6,500 मरीज केईएम अस्पताल में आते हैं, जबकि गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग में प्रतिवर्ष 20,000 मरीजों का उपचार किया जाता हैं।

एक डॉक्टर IPDG प्रफुल शर्मा और नीले बर्फीवाला को उपकरण के बारे में बताते हुए।

इस परियोजना को निष्पादित करने के लिए क्लब में रोटरी क्लब सास्काटून, मंडल 5550, कनाडा के साथ साझेदारी की। इससे पहले, इसने सामुदायिक परियोजनाएं निष्पादित की हैं जैसे कि बंगांगा श्मशान का जीर्णोद्धार और सेंट जुडेस इंडिया चाइल्ड केयर सेंटर को सहयोग प्रदान करना शामिल है। तत्कालीन डीजी प्रफुल शर्मा के साथ केईएम अस्पताल के निदेशक अविनाश सुपे ने रोटेरियन और डॉक्टरों की उपस्थिति में नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। ■

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the Rotary News / Rotary Samachar subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

RI Exchange Rate - November 2018

$1 = ₹73

Rotary

Rotary at a glance

Rotarians	:1,217,763
Clubs	: 35,825
Districts	: 538
*Rotaractors	: 208,541
Clubs	: 9,067
*Interactors	: 531,990
Clubs	: 23,130
*RCC members	: 229,287
RCC	: 9,969

**Estimated*

Membership Summary

As on October 1, 2018

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	114	4,759	221	33	231	177
2982	69	3,135	154	62	113	51
3000	128	5,221	463	219	672	195
3011	81	3,501	748	46	112	25
3012	87	3,604	756	41	130	56
3020	78	4,064	232	39	466	349
3030	90	4,871	593	65	310	165
3040	97	2,161	239	30	124	140
3053	71	3,063	554	9	56	95
3054	130	6,078	1,043	71	321	470
3060	101	4,290	531	59	125	138
3070	103	3,096	314	42	161	57
3080	79	3,318	260	63	218	108
3090	76	1,982	50	27	37	122
3100	75	1,804	94	7	75	146
3110	116	3,926	347	23	49	104
3120	75	3,299	408	19	62	52
3131	130	5,448	1,205	80	294	90
3132	99	3,772	367	37	213	150
3141	91	5,448	1,251	104	258	84
3142	94	3,434	621	67	203	65
3150	98	3,598	347	51	235	109
3160	71	2,439	128	19	48	81
3170	125	5,562	563	48	317	161
3181	74	3,310	281	28	216	108
3182	84	3,227	231	19	275	95
3190	131	5,048	661	111	362	51
3201	141	5,309	332	89	133	49
3202	130	5,006	258	68	437	46
3211	139	4,473	289	6	89	124
3212	99	4,167	377	86	280	142
3231	78	3,266	267	35	204	239
3232	113	4,667	717	107	325	80
3240	88	3,054	353	34	151	156
3250	101	3,967	700	47	210	183
3261	71	2,609	348	3	102	43
3262	90	3,444	432	37	73	75
3291	146	3,738	702	82	134	599
India Total	**3,763**	**147,158**	**17,437**	**2,013**	**7,821**	**5,180**
3220	67	1,921	260	74	202	72
3271	83	1,500	265	46	17	13
3272	162	2,875	412	41	37	38
3281	206	5,657	825	193	93	188
3282	143	4,084	446	98	48	41
3292	119	4,570	686	119	121	109
S Asia Total	**4,543**	**167,765**	**20,331**	**2,584**	**8,339**	**5,641**

Source: RI South Asia Office

चकाचौंध चेन्नई नाइट

दक्षिणावर्त : रो ई निदेशक सी भास्कर के साथ PDG दीपक पॉपहले, डेविड हिल्टन और सुभाष कुल्कर्णी।

रो ई निदेशक सी भास्कर और माला अपने बेटों गौतम (बाएं), गोकुल और बहु दिव्या के साथ।

बाएं : डीजी एशेस गंगूली, शेरेटियन अभय गीड, PDG अतुल गर्गवा, RIDE भरत पांड्या, PDG टी एन सुब्रमण्यम और बंसिधर एस धुंरधर।

एलिसन वेब और एस्थर रेसिन अन्य रोटेरियनों की पत्नीयों के साथ।

PRIP राजेंद्र साबू और एस्थर रेसिन।

बाएं से : रो ई निदेशक सी भास्कर, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, एस्थर, माला भास्कर और PDG नटराजन नागोजी।

चित्र : रशिदा भगत ; रूपरेखा : कृष्णप्रथीश

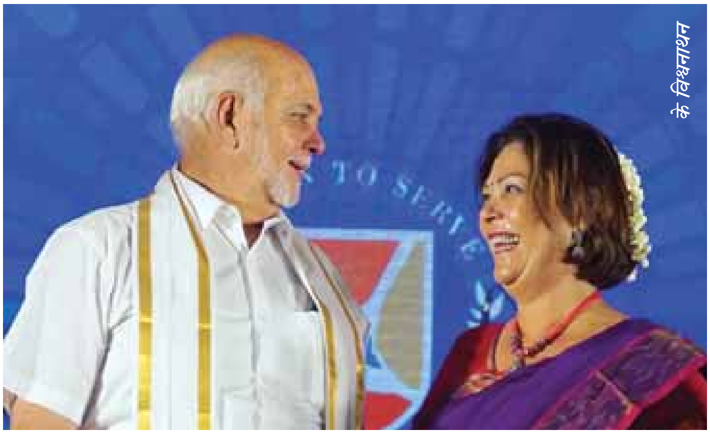

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर।

PRIP राजेन्द्र के साबू और उषा।

माला और RID सी भास्कर।

इंस्टिट्यूट चेयरमेन ISAK नाज़र और RID सी भास्कर।

समारोह से पहले का पल।

सोनल और RIDE कमल संघवी।

PRID मनोज दिसाई, शर्मिष्ठा, हैयुन जू और RID ईयुन-सू मून (कोरिया)।

RIDE भरत पांड्या।

वानती और PRIP के आर रवींद्रन।

राशी और PRID शेखर मैहता।

अफ़ज़लुन्नीसा और PDG ISAK नाज़र।

TRF ट्रस्टी माइक वेब और अलीसन (यू के)।

PRID पी टी प्रभाकर और नलिनी।

PRID वाई पी दास और मंजु।

PRID अशोक महाजन और नयनतारा।

PRID पांडुरंग शेट्टी।

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी और RID सी भास्कर।

चित्र : रशिदा भगत ; रूपरेखा : एन कृष्णमूर्ती

भारत में रोटरी एक बड़े परिवर्तन

रशीदा भगत

के विश्वनाथन

PRID पी टी प्रभाकर और नलिनि, RIPN सुशील गुप्ता और विनिता को तिरुपति से भगवान बालाजी का एक चित्र प्रस्तुत करते हुए। (बाएं से) इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष ISAK नाज़र, RID सी भास्कर, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, एस्थर रेसिन और माला भास्कर चित्र में शामिल हैं।

बेंगलुरु से एक अकेले रोटेरियन डी. रविशंकर द्वारा टीआरएफ को दिए गए 100 करोड़ के सबसे उदार दान ने यह दिखा दिया कि भारत में रोटरी ''मानवता की सेवा करते हुए दुनिया में अक्षय शांति लाने की हमारी प्रतिबद्धता हेतु एक बड़े परिवर्तन के लिए तैयार है,'' रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत सुशील गुप्ता ने चेन्नई ज़ोन इंस्टिट्यूशन और उनके गृह मंडलों - 3011 और 3012 (पूर्व में 3010) में आयोजित दोनों ही बधाई समारोहों में यह याद करते हुए का कहा कि कैसे रोटरी ने उनके जीवन को बदलकर रख दिया है।

उनके पिता को हिमालय बहुत प्रिय था और वह गुप्ता को बचपन में आमतौर पर नैनीताल या मसूरी ले जाते थे और उनमें से एक जगह ''मैंने एक बोर्ड देखा जिसपर लिखा था 'रोटरी की बैठक यहाँ होती है।' हालाँकि तब वह यह नहीं जानते थे कि रोटरी क्या है, लेकिन इसने उनके मन में एक जिज्ञासा और एक इच्छा उत्पन्न की कि बड़े होकर मुझे रोटरी से जुड़ना है। इसने उनके मन में एक छवि अंकित कर दी थी।''

1977 में उनका यह सपना सच हो गया और वह रोटरी क्लब दिल्ली मिडवेस्ट से जुड़े और 1981 में क्लब के अध्यक्ष बने।

इसी बीच उन्होंने आतिथ्य व्यवसाय करने का जोखिम लिया और ''दिल्ली में एक होटल, जो कि आसान कार्य नहीं है, बनाने जैसा कठिन कार्य करने का बीड़ा उठाया। मुझे हर कदम पर बाधा मिली और फिर मैंने रोटरी के जादू को बिखरते देखा! साथ ही, मैं भाग्यशाली था कि मुझे PRID गण मनोहरलाल मनचंदा और सुदर्शन अग्रवाल समेत मेरे मंडल के

के लिए तैयार है

वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं का संरक्षण प्राप्त हुआ, जिन्होंने मेरे नए उद्यम में आने वाली हर बाधाओं को पार करने में मेरा साथ दिया।''

''भारत में, हम सभी जानते है, कुछ भी ऐसे ही नहीं होता। हर कदम पर बाधाएं है और आपको किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है जो कुछ प्रभाव या ताकत का इस्तेमाल कर सकता हो और इसी प्रकार मैं अपने होटल को 30 माह के रिकॉर्ड समय में बना पाया। इस प्रकार दिल्ली में हयात रीजेंसी का शुभारम्भ हुआ।''

जल संरक्षण मेरा जूनून बन गया। मैंने देखा है कि पानी की उपलब्धता लोगों के जीवन को कैसे परिवर्तित करती है।

गुप्ता ने आगे कहा कि उन्हें क्लब के सदस्यों से भी बहुत मदद मिली... ''मैंने हमेशा रोटरी का जादू देखा है और यह भी कि कैसे आप रोटरी के माध्यम से लाभान्वित होते है।''

एक नए अध्याय की शुरुआत

1985 में वह मंडल 301, जिसके अंतर्गत दिल्ली और एनसीआर शामिल है, के डीजी चुने गए, और इस तरह उन्होंने अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की जिसने भारतीय और वैश्विक रोटरी जगत को उनके लिए अनावृत किया।

गुप्ता ने स्वीकार किया कि 1988 तक, जब उनसे रोटरी पोलियो उन्मूलन टास्क फ़ोर्स में उपाध्यक्ष की भूमिका निभाने के लिए कहा गया था, ''मेरी रोटरी यात्रा में मेलजोल और दोस्ती-यारी अधिक थी, लेकिन इस जिम्मेदारी ने मेरा दृष्टिकोण बदल दिया और मैंने आभास किया कि रोटरी केवल साहचर्य के लिए नहीं है बल्कि मानवता की सेवा के लिए अधिक है।''

क्योंकि वह पोलियो उन्मूलन के लिए रोटेरियनों को शिक्षित और संगठित करने में व्यस्त हो गए, इसलिए धीरे-धीरे उनपर सेवा परियोजनाओं की जिम्मेदारी आती गई... जल परियोजनाएं, हृदय सर्जरी और भी बहुत कुछ। लेकिन रोई निदेशक बनने से पूर्व, ''90 के दशक में, मैं हिमालय पर्यावरण ट्रस्ट से जुड़ा और पर्यावरण, खासतौर से पानी, मानवता के लिए कितना मूल्यवान है, इसके बारे में इसने एक अलग परिदृश्य प्रस्तुत किया। और मैं एक पर्यावरणविद और जल कार्यकर्ता बन गया।''

और इस रुचि ने, उनके TRF ट्रस्टी के रूप में सेवा देने के दौरान, उन्हें WinS के वैश्विक अध्यक्ष की भूमिका दिलवाई। ''जल संरक्षण मेरा जूनून बन गया। मैंने देखा है कि पानी की उपलब्धता लोगों के जीवन को कैसे परिवर्तित करती है।''

यात्रा जारी रही; पिछले वर्ष उन्होंने एक ढळ्ऋ न्यासी के रूप में अपना कार्यकाल पूर्ण किया और ''अब मुझे इस 1920-21 में रोई का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह भारत में और हमारे ज़ोनों में रोटरी का एक बढ़िया सम्मान है। मैं 1963-64 में नितीश लाहरी, 1991-92 में राजा (साबू) और 2011-12 में कल्याण (बैनर्जी) के बाद चौथा अध्यक्ष हूँ, और अब अमृतसर से इस पंजाबी पुत्तर को यह अवसर प्राप्त हुआ है।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब मैं पीछे देखता हूँ, पिछले कुछ वर्षों में रोटरी काफी सफल और विकसित हुई है और इसमें काफी परिवर्तन हुआ है, और उससे अधिक संस्थान में हुआ है। हमारी सेवा परियोजनाओं... अस्पतालों और स्वास्थ्य परियोजनाएं, साक्षरता और WinS कार्यक्रम और हमारे द्वारा देश से पोलियो को खत्म करना, ये सब आपके द्वारा किये जा रहे महान कार्यों को दर्शाते है।

गुप्ता ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय ''मेरे माता-पिता जिन्होंने उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मुझमें मूल्य और साहस अंतर्निविष्ट किया, और मेरी पत्नी विनीता, जो हमेशा मेरे पीछे चट्टान की तरह

उनका सबसे बड़ा सकारात्मक गुण यह है कि जब मैं कहता हूँ कि मुझे कुछ नया करके देखना है, वह मुस्कराते है और हमेशा कहते है 'क्यों नहीं?' जो प्रोत्साहन वह देते है वह अद्भुत है।

रोई निदेशक **सी भास्कर**

RIPN सुशील गुप्ता और विनिता का सम्मान समारोह। (बाएं से) PRID अशोक महाजन, नयनतारा, नलिनि, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, PRID पी टी प्रभाकर, PRIP के आर रवींद्रन, PDG एन सुब्रमण्यम, DGN मुत्तु पलनियप्पन, एस्थर, माला, TRF ट्रस्टी माइक वेब, एलिसन, उषा, PRIP राजेंद्र साबू, रो ई निदेशक एन-सु-मुन और ह्युन जु यांह

जब किस्मत इशारा करे

चेन्नई इंस्टिट्यूट और दिल्ली में बधाई समारोहों का संबोधन करते हुए, RIPN सुशील गुप्ता ने जवाहरलाल नेहरू के 'नियति से साक्षात्कार' भाषण को याद करते हुए वहाँ एकत्रित रोटेरियनों से पूछा: ''आप में से कितने लोग किस्मत पर यकीन करते है?'' और फिर उन्होंने एक किस्सा सुनाया कि कैसे एक DGE के रूप में वह 1985 में अंतर्राष्ट्रीय सभा में प्रशिक्षण के लिए गए थे, और उन्हें मुख्यालयों और फिर शिकागो का आमतौर पर करवाया जाने वाला दौरा करवाया गया।

''अंत में, हम रोई अध्यक्ष के कार्यालय में आए। यह एक छोटा सा कार्नर ऑफिस था, ना कि आज इवेंसटन के 18वें माले पर स्थित विशाल कार्यालय की तरह। अध्यक्ष वहाँ नहीं थे और गाइड ने कहा: 'सुशील, क्या तुम उस कुर्सी पर बैठना चाहते हो?' मैंने कहा 'नहीं', मैंने 'इंशा अल्लाह' नहीं कहा। मैं ऐसा केवल उस लायक बनकर करूंगा। मैं नहीं जानता कौनसी शक्ति ने मुझसे वो शब्द कहलवाए थे लेकिन देखिये कैसे किस्मत ने अपना खेल खेला है।

खड़ी रही, और साथ ही मेरे बेटा और बहु जो कहते थे 'हाँ, हम (व्यापार की) जिम्मेदारी लेंगे आप चिंता ना करें...' क्योंकि मैं व्यापार से लंबे समय तक दूर रहने वाला था। और अंतिम लेकिन कम महत्वपूर्ण नहीं, मेरे गुरुजन, जिन्होंने मुझे प्राणिक उपचार की कला सिखाई और जो मेरे लिए प्रेरणा के निरंतर स्रोत रहे है।'

तिरुपति में की गई एक विशेष अर्चना के माध्यम से इस जोड़े को चेन्नई इंस्टिट्यूट में आशीर्वाद मिला और भगवान वेंकटेश्वर मन्दिर के एक पुजारी द्वारा प्रसाद को चेन्नई लाया गया। प्रत्यक्ष रूप से द्रवित और कृतज्ञ गुप्ता ने रोई निदेशक भास्कर और PRID पी टी प्रभाकर का धन्यवाद किया और कहा कि यह विशेष आशीर्वाद इस जोड़े के लिए बहुत मायने रखता है।

जब मैंने 2 वर्ष और 9 माह के लिए अपने शेड्यूल को देखा, जो अभी भी पूर्ण नहीं है और इसपर कार्य अभी भी चल रहा है, तो मैं हैरान रह गया। लेकिन जब मैंने अध्यक्ष बेरी और एस्थर को यहाँ पर एकदम शांत और इतना उल्लसित देखा तो मुझे प्रेरणा मिली और मैंने सोचा हम भी इसे संभाल सकते है!

ऐसे आशीर्वाद आत्मविश्वास को उत्प्रेरित करते है कि ''हम रोटरी की तरफ से पोलियो उन्मूलन समेत अनेक युद्ध लड़ने के लिए तैयार है। हम तैयार है, मेरे साथियों और बेरी, RIPE मार्क मलोनी जैसे वरिष्ठ जनों, और आप सभी के साथ। एक साथ मिलकर हम रोटरी को एक पसंदीदा सेवा संगठन बना देंगे।''

PRIP साबू पर आते हुए, गुप्ता ने याद किया कि कैसे रो ई अध्यक्ष के रूप में ''आपने 1991 में संयुक्त राष्ट्र में जापानी गुड़िया की एक आंख पेंट की थी। और यह निर्णय लिया गया था कि गुड़िया की दूसरी आंख केवल तब ही पेंट की जाएगी जब हम पोलियो को पूरी दुनिया से मिटाकर उससे मुक्ति पा लेंगे। आपने अपने भाषण में कहा था कि ऐसा मेरी अध्यक्षता में हो सकता है; मैं प्रबल रूप से यह प्रार्थना करता हूँ कि मुझे उस गुड़िया की दूसरी आंख पेंट करने का मौका मिले।''

रोई निदेशक का आभार

RIPN गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए, रो ई निदेशक भास्कर ने कहा वह स्वयं को बहुत ही भाग्यशाली समझते है क्योंकि उनके निदेशक के कार्यकाल के दौरान ''भारत को दो प्रमुख मान्यताएं प्राप्त हुई। सबसे पहले, एक भारतीय, अध्यक्ष रवि शंकर ने 1 जुलाई को TRF को ₹100 करोड़ (14.7 मिलियन डॉलर) दान किये, और एक माह के भीतर ही रोई नामांकन समिति ने उचित रूप से पद्मश्री सुशील गुप्ता को 2020-

के विश्वनाथन

21 में हमारे संगठन का नेतृत्व करने वाले चौथे भारतीय के रूप में चुना।''

जब वह TRF न्यासी थे तब उनके साथ काम करके, ''मुझे पता चला मेरा उनसे ज्ञान और अनुभव में कोई मुकाबला नहीं है, लेकिन उनका सबसे बड़ा सकारात्मक गुण यह है कि जब मैं कहता हूँ कि मुझे कुछ नया करके देखना है, वह मुस्कराते है और हमेशा कहते है 'क्यों नहीं?' जो प्रोत्साहन वह देते है वह अद्भुत है।''

भास्कर ने कहा पिछली जून में जब उन्होंने व्यग्रतापूर्वक गुप्ता को बुलाया और कहा ऐसा लगता है कि हम इस बार TRF को दान करने में नम्बर

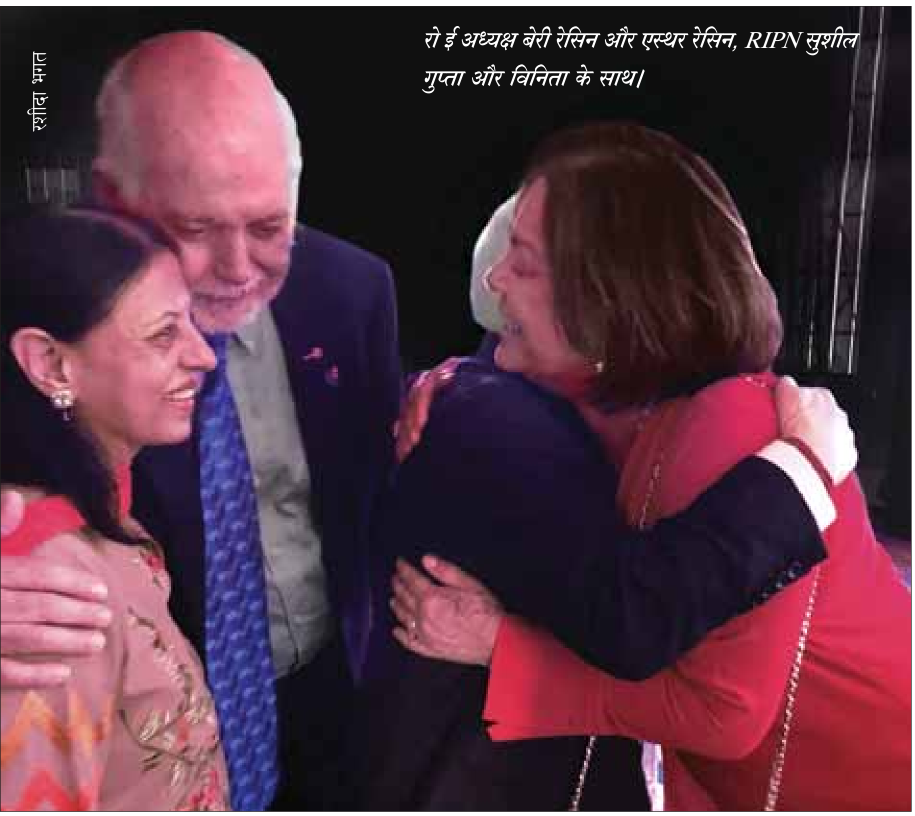

रशीदा भगत

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर रेसिन, RIPN सुशील गुप्ता और विनिता के साथ।

एक फायरहोज़ से पीना

RIPN सुशील गुप्ता और विनीता इवेंसटन से सीधे चेन्नई ज़ोन इंस्टिट्यूट आए, जहाँ पहली बार उन्हें सम्मानित किया गया। गुप्ता ने कहा: ''मैं इस अभिनन्दन से अभिभूत और विनयपूर्ण हूँ; हम सीधे इवेंसटन में अपने अभिविन्यास से वापस आ रहे है और मैं अभी भी उन बहुत सी सूचनाएं को समझ रहा हूँ जो वे मुझे पिछले पांच दिनों में देने की कोशिश कर रहे थे। और रोई में सभी ने कहा: 'खैर आप फायरहोज़ से पी रहे है;' यह वो शब्द है जिसका इस्तेमाल वे लोग तब करते है जब आपको बहुत सारी जानकारी दी जाती है! जब मैंने 2 वर्ष और 9 माह के लिए अपने शेड्यूल को देखा, जो अभी भी पूर्ण नहीं है और इसपर कार्य अभी भी चल रहा है, तो मैं हैरान रह गया। लेकिन जब मैंने अध्यक्ष बेरी और एस्थर को यहाँ पर एकदम शांत और इतना उल्लसित देखा तो मुझे प्रेरणा मिली और मैंने सोचा हम भी इसे संभाल सकते है!''

दिल्ली में RIPN सुशील गुप्ता और विनिता का सम्मान समारोह। (बाएं से) PRID गण पीटी प्रभाकर और शेखर मेहता, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, PRIP राजेंद्र साबू, माला भास्कर, रो ई निदेशक सी भास्कर और PRIP कल्याण बेनर्जी चित्र में शामिल हैं।

2 स्थान प्राप्त नहीं कर पाएँगे, ''उन्होंने मुझसे पूछा आपको क्या लगता है हम किस आंकड़े तक पहुँच पाएँगे। जब मैंने कहा 16 मिलियन डॉलर, उन्होंने कहा 'मेरा विश्वास कीजिए, हम TRF को दान करने में एक बार पुनः दूसरे स्थान पर होंगे; चिंता ना करें सब ठीक हो जाएगा।' मुझे थोड़ी ही उम्मीद थी लेकिन ऐसा हो गया; हमने 19 मिलियन डॉलर से भी अधिक एकत्रित किया। इसने मुझे भारतीय रोटरी की कार्यप्रणाली के बारे में उनकी गहन समझ से अवगत कराया!''

रो ई निदेशक ने याद किया कि जब गुप्ता ने दो वर्ष पूर्व उनके मंडल 3000 का दौरा किया था, तो उस समय डीजी के पद पर आर. थीनाचंद्रन थे, जो RIPN को मदुरई मीनाक्षी मन्दिर ले गए थे। RIPN ने उस जगह को चारों तरफ से देखा, वहाँ सब जगह कचरा पड़ा हुआ था और उन्होंने गौर किया कि ना केवल भारतीय बल्कि विदेशी भी इस शानदार मन्दिर को देखने के लिए आते है। क्यों ना एक परियोजना के रूप में रोटरी क्लब इसे करे, चलिए हम दिखा दें कि रोटरी इस सुन्दर मन्दिर वाले शहर में क्या कर सकती है। रोटरी क्लब मदुरई मेट्रो ने स्वच्छता परियोजना शुरू की और एक माह के भीतर संपूर्ण परिसर स्वच्छ हो गया।

विभिन्न विषयों में गुप्ता की रूचि और ज्ञान की सराहना की। मेरी खुद भी उनसे इस्लाम, विशेष रूप से शिया इस्लाम, को लेकर कई रोचक बहस हो चुकी है।

TRF ट्रस्टी **गुलाम वाहनवटी**

साथ ही, तब मंडल 3000 TRF के लिए बमुश्किल 200,000 डॉलर इकठ्ठा कर रहा था; गुप्ता ने कहा उन्हें कम से कम 500,000 डॉलर का लक्ष्य रखना चाहिए और ''उन्हीं डीजी के अंतर्गत हमने 572,000 डॉलर की रिकॉर्ड ऊँचाई को छुआ।''

भास्कर ने आगे कहा: ''भारत के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने कहा था कि सफलता तब होती है जब आपका हस्ताक्षर एक ऑटोग्राफ बन जाता है।'' आज, आपका हस्ताक्षर एक ऑटोग्राफ बन चुका है!

गुप्ता को उनके नामांकन पर बधाई देते हुए TRF न्यासी गुलाम वाहनवटी ने प्राणिक उपचार में उनके कौशलों का उल्लेख किया और RIPN के हाथों उपचारित होने के अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। ''जब उन्होंने समाप्त किया, तो मेरा दर्द गायब हो चुका था और मैं उनके चेहरे पर जबरदस्त तनाव और पसीना देख सकता था। मैं वो अनुभव कभी नहीं भूल सका।'' उन्होंने विभिन्न विषयों में गुप्ता की रूचि और ज्ञान की सराहना की। ''मेरी खुद भी उनसे इस्लाम, विशेष रूप से शिया इस्लाम, को लेकर कई रोचक बहस हो चुकी है। आपके दिल और दिमाग के गुणों के कारण, 2020-21 रोटरी के सर्वश्रेष्ठ वर्षों में से एक होगा।''

जब मैं पीछे देखता हूँ, पिछले कुछ वर्षों में रोटरी काफी सफल और विकसित हुई है और इसमें काफी परिवर्तन हुआ है, और उससे अधिक संस्थान में हुआ है। ये सब आपके द्वारा किये जा रहे महान कार्यों को दर्शाते है।

RIPN **सुशील गुप्ता**

चेन्नई में, गुप्ता के साथी PDG रामकृष्ण राजा ने उनका परिचय दिया, और दिल्ली में, जहाँ सभी वरिष्ठ भारतीय रोटरी नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया था, उस समारोह के संयोजक PDG विनोद बंसल और डीजी सुभाष जैन (मंडल 3012) और डीजी विनय भाटिया (3011) ने गुप्ता को सम्मानित किया। ■

इंस्टीट्यूट में कुछ खुशनुमा पल

रशीदा भगतर

प्रशिक्षण सत्रों एवं रोटरी के भविष्य पर गंभीर चर्चा के बीच, चेन्नई इंस्टीट्यूट में कुछ हँसाने वाले एवं यादगार पल भी थे। यहाँ पर एक गुलदस्ता

फूलों की प्रचुरता

इंस्टीट्यूट में रोई अध्यक्ष बैरी रेसिन और एस्थर का गुलाब की बड़ी मालाओं, जो एक टन वजनी लग रही थी, से स्वागत किए जाने के बाद, उद्घाटन भाषण देने की बारी रेसिन की थी, जिन्होंने मज़ाकिया अंदाज में कहा: ''निदेशक भास्कर, मुझे आपको यह कहना होगा कि आपने मुझे एक बुरी स्थिति में डाल दिया है क्योंकि इस वक्त मेरे ऊपर इतने फूल है जितने मैंने एस्थर को 10 सालों में भी नहीं दिये है!'' फिर, उन्होंने एक गंभीर सुर में प्रतिनिधियों से कहा: ''आपके पास ज़ोनों का एक आश्चर्यजनक रूप से शक्तिशाली एवं मजबूत समूह है और मैं आशा करता हूँ कि आप आपके बीच मौजूद नेतृत्व की प्रशंसा करते है। जब मैं डीजी था, तो मेरे अध्यक्ष राजा साबू थे और उनके एवं उषा के साथ, मैंने पहली बार एक ऐसा नेतृत्व देखा जो नम्र था परंतु फिर भी इतना मजबूत एवं शक्तिशाली कि आप अपना जीवन उस प्रतिमान का अनुसरण करते हुए बिताना चाहेंगे।''

''और जब कल्याण बेनर्जी न्यासियों के अध्यक्ष थे तो मैंने उनके साथ भी थोड़े समय काम किया और मैंने उन्हें कार्यवाही करते देखा; मैं उन्हें कैरिबियन लाने में सफल रहा ताकि हम उनसे कुछ सीख सकें। फिर मुझे रवि (के आर रविन्द्रन) और वानथी का सहयोगी बनने का सम्मान प्राप्त हुआ। वाह, मुझे बस उनके साथ चलने भर के लिए अपनी सामान्य गति को दोगुनी करनी पड़ती थी! आपके ज़ोनों में जो है उनकी प्रशंसा कीजिये।''

फिर ''भावी नेतृत्व'' की बात करते हुये, उन्होंने कहा: ''फिर आपके पास सुशील गुप्ता है। मैं उनके साथ वित्त समिति की बैठक में बैठा था और मैंने उन्हें कार्यवाही करते देखा; मैं आपको बता सकता हूँ कि आप एक महान नेता बनने जा रहे है! और फिर यहाँ आपके निदेशक और भूतपूर्व एवं भावी नेतृत्वकर्ता है। आपके पास कितना सशक्त नेतृत्व है; मैं आपसे इसकी कदर करने की, उनसे सीखने की विनती करता हूँ और मैं आपके ज़ोन में आपके द्वारा की जाने वाली सेवा, जिसपर आपको गर्व होना चाहिए, के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ।''

रवि शंकर की स्पष्टवादिता

इंस्टीट्यूट में सभी की आँखें स्वाभाविक रूप से उस आदमी पर टिकी हुई थी जिसने हाल ही में टीआरएफ़ को ₹100 करोड़ दान किए है – रोटरी क्लब बैंगलोर ऑरचर्ड्स के अध्यक्ष डी रविशंकर। आडंबर, दिखावे और अक्सर कुछ बड़े दानकर्ताओं द्वारा दिखाये जाने वाले क्रोधी रवैये की सभी रूढ़िवादी धारणाओं को तोड़ते हुये, इस दानकर्ता ने अपनी विनोदपूर्णता एवं रोचक अंशों से भरी अपनी सादगी भरी बातों से सभा को खुश कर दिया। स्वयं को आधा पका रोटेरियन कहकर उन्होंने अपनी रोचक और स्पष्ट बातें, मंडल 3190 के डीजी सुरेश हरी के साथ एक प्रश्नोत्तरी सत्र में भी जारी रखी, जिसमें उन्होंने उस आडंबर का जिक्र किया जिसे वह रोटरी में अक्सर देखते है।

मंडल गवर्नरों की नियुक्ति पर आते हुये, उन्होंने कड़े शब्दों में कहा उन्होंने देखा है कि ऐसे अवसरों पर, हेलीकाप्टर से फूल बरसाए जाते है या पदाधिकारी अत्यधिक अलंकृत हाथी की सवारी करते है। चूंकि रोटरी का मकसद 'स्वयं से ऊपर सेवा' है, ''ऐसे कारनामे मुझे चकित करते है कि इनमें सेवा का तत्व कहा है?''

टीआरएफ़ के लिए एक मर्सिडीज की नीलामी

रवि शंकर ने यह घोषणा करके भी दर्शकों को भौचक्का कर दिया कि जिस ''लक्जरी कार'' – जो कि मर्सिडीज बेंज़ है – उनके बहुत कम काम की है। हाल ही में उनकी पत्नी पाओला ने उन्हें ध्यान दिलाया कि जब

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन।

वह हर समय उनकी एसयूवी का इस्तेमाल करते है, उनके द्वारा कुछ समय पूर्व खरीदी गई बेंज़ घर में बिना इस्तेमाल के बस खड़ी रहती है। ''तो उनकी अनुमति से, मैंने कार की नीलामी करके मिलने वाली राशि को टीआरएफ़ में देने का फैसला किया है। यह एक खूबसूरत कार है जो बमुश्किल 3,000 किमी चली है...''

रो ई निदेशक सी भास्कर द्वारा उन्हें जैसा पिता वैसा पुत्र कहे जाने, क्योंकि उनके पिता ने भी विनोबा भावे भूदान आंदोलन में अपनी सारी ज़मीन दान कर दी थी, के बारे में बात करते हुये रवि शंकर ने कहा: मैं मेरे पिता के मुक़ाबले कुछ नहीं हूँ, जिन्होंने अपनी सारी ज़मीन दान करने से पहले उसकी कीमत तक देखने की परेशानी भी नहीं उठाई।'' फिर उन्होंने महिला प्रतिभागियों की ओर गुगली फेंकी: ''हम देखते है कि कई बार जब पति कुछ अच्छा करना चाहता है, तो पत्नी उसे रोकना चाहती है... महिलाओं से मेरी अपील है, जब आपके पति समाज के लिए कुछ अच्छा करना चाहें, तो कृपया उन्हें रोकिए मत!'' ■

TRF डोनर्स

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष डी रवि शंकर अपनी पत्नी पाओला के साथ।

वानती, PRIP गण के आर रवींद्रन, राजेंद्र के साबू, RIDE कमल संघवी और सोनल संघवी।

रोटेरियन रवि शंकर को RIDE भरत पांड्या गांधी पिन से सम्मानित करते हुए। चित्र में पाओला और मंडल 3190 के डीजी सुरेश हरि भी शामिल हैं।

का सम्मान

इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष ISAK नाज़र, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी का अभिनंदन करते हुए। चित्र में (बाएं से) PDG जे बी कामदार, माला भास्कर, PDG जॉन डेनियल और उनकी पत्नी मीरा भी शामिल हैं।

रो ई निदेशक सी भास्कर और माला, एस्थर के साथ।

बाएं से : TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, रो ई अध्यक्ष बेर रेसिन, एस्थर डीजी राजीव शर्मा, TRF ट्रस्टी माइक वेब और एलिसन।

PRIP के आर रवींद्रन, शशी और PRID शेखर मेहता का अभिनंदन करते हुए। चित्र में वनिता रवींद्रन और PDG बी एम शिवराज भी शामिल हैं।

PRID मनोज देसाई, उषा साबू और शर्मिष्ठा देसाई।

चित्र : रशिदा भगत ; रूपरेखा : कृष्णप्रथीश

Rotary PEOPLE OF ACTION

नए जमाने की परवरिश की कला

किरण ज़ेहरा

पांडेचरी बीच टाउन के रोटरी क्लब, मंडल 2981, ने आधुनिक युग के अभिभावकों द्वारा सामना किए जा रहे कुछ अत्यावश्यक मुद्दों को समझने एवं उनका समाधान करने और उन्हें बाल एवं किशोरावस्था यौन शोषण पर संवेदनशील बनाने हेतु एक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। चेन्नई में एक 11 वर्षीय, सुनने में अक्षम बच्ची के साथ 16 आदमियों द्वारा लगातार किए गए गैंग-रेप और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को देखते हुये, ''क्लब स्मार्टफोन एवं सामाजिक मीडिया प्रचार के इस युग में अभिभावकों एवं बच्चों द्वारा समान रूप से सामना किए जा रहे विवादास्पद मुद्दों को संबोधित करना चाहता है,'' क्लब के अध्यक्ष जिगर पटेल कहते है।

पाँच वक्ताओं ने 1,000 से अधिक अभिभावकों को बाल शोषण और इससे कैसे निपटा जाए, स्मार्टफोन की लत, और कैसे एक 'प्रसन्न बच्चे' को बड़ा किया जाए, जैसे विषयों पर संबोधित किया। पटेल कहते है, ''यद्यपि यह असहज है, फिर भी यह एक महत्वपूर्ण विषय है जिसकी चर्चा हर अभिभावक को अपने बच्चों के साथ करनी चाहिए। यह बच्चों को उस ङ्गअजनबीफ को समझने में मदद करने के बारे में जिसे वह शायद पहले से जानता हो। आंकड़े बताते है कि बाल शोषण के 90 प्रतिशत मामलों में, शोषण करने वाला ऐसा व्यक्ति होता है जिसे आप जानते है एवं उसपर विश्वास करते है। हम अभिभावकों को यह संदेश देना चाहते है कि अपने बच्चे के लिए आप किसी पर विश्वास नहीं कर सकते है।''

नए जमाने की परवरिश कार्यक्रम ने अभिभावकों द्वारा आज सामना की जाने वाली अनोखी चुनौतियों का मुकाबला कैसे करें पर भी टिप्स प्रदान किए। पटेल कहते है कि एक अभिभावक होने के नाते उन्हें एहसास हुआ कि ''अपने बच्चे पर चिल्लाना आपको अधिकारपूर्ण नहीं बनाता। यह आपके बच्चे को दिखाता है कि आप बेकाबू हो गए है। यह आपको कमजोर दिखाता है।''

वह कहते है, एक आम गलती जो बहुत से अभिभावक करते है वह यह है कि वे ऐसा मानते है कि उन्हें पता है कि उनका बच्चा क्या चाहता है। जहाँ दोनों अभिभावक उनके कैरियर में व्यस्त रहते है, ''बच्चों के साथ बात करने के बजाय हम उन्हें मोबाइल फोन देकर उनका रोना बंद करवा देते है। यह ऐसी स्थिति में आ गया है जहाँ बच्चे बिना वीडियो देखे या स्मार्टफोन पर गेम खेले बिना सो नहीं सकते। परवरिश को आसान बनाने के प्रयास में, हमने इसे केवल अधिक जटिल बनाया है।''

अभिभावकों के लिए पोलियो टीकाकरण की महत्ता पर प्रकाश डालने वाला एक वीडियो भी चलाया गया। कार्यक्रम के बाद की कार्यवाही के रूप में क्लब की क्षेत्र के अधिक स्कूलों तक पहुँचकर अधिक जागरूकता कार्यक्रमों को संचालित करने की योजना है।■

संगोष्ठी में दर्शकों का एक वर्ग।

टीआरएफ़ में भारत का तगड़ा योगदान जारी है

रशीदा भगत

बांग्लादेश के उनके एक दौरे के दौरान रोटेरियनों के एक समूह ने डॉक्टर रेजुअल हक़ के दफ़्तर की चौखट पर इन शब्दों को देखा: ''इंसान के कार्य करने की कोई सीमा नहीं है बशर्ते वह इस बात पर ध्यान देना छोड़ दे कि उसका श्रेय किसे मिलता है।''

''और जब से 1917 में आर्च क्लम्फ़ ने परोपकारी, शैक्षणिक या अन्य सामुदायिक प्रगति के क्षेत्रों में दुनिया में कुछ अच्छा करने के उद्देश्य से दान स्वीकार करने का निश्चय किया, तब से दुनिया में अच्छा करना टीआरएफ़ का सिद्धांत बन गया,'' टीआरएफ वित्त समिति न्यासी प्रमुख माइक वेब ने चेन्नई इंस्टीट्यूट में संस्थान के मुख्य दानकर्ताओं को सम्मानित करने हेतु आयोजित किए गए टीआरएफ़ रात्रिभोज में कहा।

''टीआरएफ़ में पहला योगदान रोटरी क्लब केंसस सिटि द्वारा 26.50 डॉलर का था। क्या आर्च क्लम्फ़ ने कभी सोचा होगा कि जिस संस्थान की शुरुआत उन्होंने की है वह आज 1 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। इंसान के करने की कोई सीमा नहीं होती बशर्ते वह इस बात पर ध्यान देना छोड़ दे कि उसका श्रेय किसे मिलता है।'' परंतु, उन्होंने आगे कहा, दूसरों को शामिल करना एवं अंततः उन्हें कार्यभार संभालने के लिए प्रशिक्षित करना जरूरी है क्योंकि ''एक अदृश्य व्यक्ति'' जैसा कुछ नहीं होता।

इसे समझाने के लिए वेब ने एक कविता का उद्धरण सुनाया:

"Sometime when you're feeling important - sometime when your ego's in bloom. /Sometime when you take it for granted - you're the best qualified in the room. /Sometime when you feel that your going would leave an unfillable hole. /Just follow these simple instructions, and see how it humbles your soul. /Take a bucket and fill it with water, put your hand in it up to your wrist. /Pull it out and the hole that's remaining – is a measure of how you'll be missed."

सबसे प्रभावी दान

वेब, जो टीआरएफ़ की वित्त समिति के प्रमुख है, ने कहा कि विभिन्न एजेंसियों के मध्य संस्थान को दुनिया की सबसे प्रभावी एजेंसियों में से एक का दर्जा दिया गया है। भारतीय रोटेरियनों को बधाई देते हुए, ''आपके द्वारा दिये जाने वाले दान और इन ज़ोनों में आपके द्वारा किए जाने वाले अनुदानों के लिए,'' उन्होंने कहा यह दूसरा वर्ष चल रहा है जब भारत को पिछले साल के दानों के लिए दूसरा स्थान मिला है।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन की उपस्थिति में PDG जे बी कामदार और संजय परमार, TRF प्रबंधक, RISAO, MoU पर हस्ताक्षर करते हुए। चित्र में शामिल : (बैठे हुए) मार्लिन कामदार, TRF ट्रस्टी माइक वेब ; (खड़े हुए) RID सी भास्कर, डीजी बाबु पेराम, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहवटी और PRIP के आर रवींद्रन।

''लेकिन इसे केवल इन ज़ोनों के 70 प्रतिशत क्लबों द्वारा दान देकर हासिल किया गया है; सोचिए यदि हर क्लब योगदान दे तो क्या हासिल किया जा सकता है। ऐसा होना सुनिश्चित करने के लिए मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ।''

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, PDG जे के गौर और उनकी पत्नी उषा को AKS सदस्यों के रूप में सम्मानित करते हुए। चित्र में PRIP के आर रवींद्रन और RID सी भास्कर भी शामिल हैं।

2017-18 के लिए ज़ोनों की टीआरएफ़ उपलब्धियां

- 18 नए आर्च क्लम्फ़ सोसाइटी सदस्यों के कारण कुल संख्या 90 हो गई
- 4,400 मुख्य दानकर्ता, जो संस्थान के कुल मुख्य दानकर्ताओं का 14 प्रतिशत है
- 133 से अधिक बड़े दानों के साथ ज़ोन 4 के लिए रिकॉर्ड वर्ष
- 193 रिकॉर्ड बड़े योगदानों के साथ दुनिया भर के 34 ज़ोनों में से ज़ोन 5 को 7वां स्थान मिला
- ज़ोन के लिए रिकॉर्ड 2,157 नए पॉल हैरिस सदस्यों और 20 नए दानकर्ताओं के साथ ज़ोन 6ए ने भी एक सफल वर्ष का उत्सव मनाया

पिछले वर्ष, टीआरएफ़ ने कुल 28.5 मिलियन डॉलर के 503 मंडल अनुदान दिये और कुल 86.3 मिलियन डॉलर के 1,300 वैश्विक अनुदान दिये ''और मैं जानता हूँ कि उनमें से बहुत से अनुदानों का इन मंडलों में समझदारी से उपयोग किया गया।''

नीतियों कि महत्ता

चूंकि टीआरएफ़ उसकी सेवा की दूसरी शताब्दी में है, पहले से कई अधिक आज, चार मार्ग परीक्षण, जिसे पूर्व रोई अध्यक्ष हर्ब टेलर द्वारा 1943 में प्रस्तावित किया गया था और ''जिसे हमारे व्यापार एवं निजी क्रियाओं का मानदंड एवं मार्गदर्शक समझा जाता है,'' आज महत्वपूर्ण हो गए है। ''नियामक प्रावधानों की अवज्ञा, विशेषाधिकृत जानकारी का इस्तेमाल, मानव शोषण और वित्तीय अनुपयुक्तता, छोटी एवं बड़ी दोनों, के इन दिनों बहुत से उदाहरणों के साथ (बड़े समुदायों में), हमें रोटरी में सचेत रहने की आवश्यकता है। हमें एक उदाहरण प्रस्तुत करने की जरूरत है, हमें इस संदेश को दूसरों तक पहुंचाने की जरूरत है विशेष रूप से हमारे समुदायों के युवाओं तक, हमें मिसाल पेश करना चाहिए।'' संक्षेप में, रोटरी के चिन्ह से विश्वास उत्पन्न होना चाहिए।

टीआरएफ़ संवर्ग

वेब ने कहा कि टीआरएफ़ उच्च नैतिक मानकों पर कार्य करता है, ''और इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे दानकर्ताओं का विश्वास बना रहे, टीआरएफ़ के तकनीकी सलाहकार संवर्ग के सदस्य समीक्षा एवं ऑडिट के माध्यम से सुनिश्चित करते है कि हमारा पैसा प्रभावी ढंग से एवं सही रूप से खर्च हो। इसमें विशेष कौशल वाले स्वयंसेवक रोटेरियन शामिल है ताकि वे अनुदानों के कार्यान्वयन से पहले, इसके दौरान एवं बाद

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, PDG रवींद्रन रेड्डी और पत्नी सरला को AKS सदस्यों के रूप में सम्मानित करते हुए। (बाएं से) TRF ट्रस्टी माइक वेब, PRIP के आर रवींद्रन, RID सी भास्कर और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी भी चित्र में शामिल हैं।

में उनकी समीक्षा एवं परीक्षण कर सके।'' एकत्रित हुए दानकर्ताओं को बधाई देते हुए, निदेशक सी. भास्कर ने कहा, ''हम यहाँ आपकी उदारता और टीआरएफ, जिसे आपने अपने पसंदीदा दान के रूप में चुना है, को दिए गए असाधारण समर्थन का जश्न मनाने के लिए है। आपके योगदान के लिए धन्यवाद जिसने दुनियाभर में महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान करने में हमारी मदद की है।''

ये समस्याएं असाधारण थी; प्रतिदिन 1,000 बच्चे पानी से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के कारण मर जाते है। एक मिलियन से भी अधिक लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं तक कोई पहुँच नहीं है, प्रतिवर्ष 600,000 से भी अधिक महिलाएं स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के चलते दम तोड़ देती है; दुनिया भर की लगभग 45 प्रतिशत आबादी अत्यंत गरीबी में रहती है। ''लगातार तीसरे वर्ष, पिछले साल भी हमारा ज़ोन टीआरएफ में दान देने के मामले में नम्बर 2 पर था, के लिए 2017-18 के डीजीयों को बधाई दीजिए।''

टीआरएफ़ के मुख्य दानकर्ताओं, जिनका नेतृत्व ₹100 करोड़ का दान देने वाले रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष डी रवि शंकर और पाओला कर रहे थे, का धन्यवाद करते हुये इस ज़ोन के टीआरएफ़ न्यासी गुलाम वाहनवटी ने सभी दानकर्ताओं का धन्यवाद किया और कहा कि टीआरएफ़ में आपके निरंतर सहयोग ने टीआरएफ़ को मिलने वाले योगदान को रिकॉर्ड 414 मिलियन डॉलर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। 19.2 मिलियन डॉलर के साथ भारत पुनः दूसरे स्थान पर है, और ''1.2 मिलियन डॉलर के कुल योगदान के साथ बांग्लादेश ने हम सभी को चौंका दिया है, और अकेले मंडल 3281 ने चार नए एकेएस सदस्य जोड़े है।''

> **लगातार तीसरे वर्ष, पिछले साल भी हमारा ज़ोन टीआरएफ में दान देने के मामले में नम्बर 2 पर था, के लिए 2017-18 के डीजीयों को बधाई दीजिए।**
>
> रो ई निदेशक **सी भास्कर**

बेंगलुरु के रविशंकर द्वारा की गई एक रिकॉर्ड तोड़ने वाली घटना - जिसके अंतर्गत उन्होंने अपने मित्र डीजी सुरेश हरी को प्रेरित किया, और स्वयं लगभग 14.7 मिलियन डॉलर के योगदान की घोषणा की, जो गेट्स फ़ाउंडेशन के बाद संस्थान को दिया गया दूसरा सबसे बड़ा योगदान है - के कारण यह वर्ष और भी बेहतर लगता है। वह एक सरल एवं विनम्र इंसान है जिनका स्वप्न समुदाय की मदद करना है।

इसने दूसरे लोगों को भी प्रेरित किया है; ''मैं मंडल 3011 में उनके टीआरएफ़ अनुदान संचयन रात्रिभोज के लिए था। लक्ष्य 1 मिलियन डॉलर का था; पर हमें 2.5 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता मिली!'' सितंबर 2018 तक, तीन महीनों में, टीआरएफ़ में भारत का योगदान पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए 1.7 मिलियन डॉलर के मुक़ाबले 3.6 मिलियन डॉलर का था। भारतीय रुपये में हाल ही में आई तीव्र गिरावट को ध्यान में रखते हुये, एकत्रित हुई राशि लगभग 125 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ पिछले वर्ष के ₹11 करोड़ के मुक़ाबले ₹25 करोड़ है।

पीडीजी जे बी कामदार और मार्लीन (उनके 500,000 डॉलर के मुकाम तक पहुँचने पर); पीडीजी जे के गौर और उनकी पत्नी उषा एवं पीडीजी रविन्द्र रेड्डी और उनकी पत्नी सरला देवी मेर्री को टीआरएफ़ रात्रिभोज पर आर्च क्लम्फ़ सोसाइटी के सदस्यों के रूप में शामिल किया गया।

EMGA अशोक पंजवानी ने कहा कि ''हमारे ज़ोनों से देने की गति और मात्रा दोनों में वृद्धि हो रही है। दुनियाभर के 887 AKS सदस्यों में से, हमारे पास करीब इसका 10 प्रतिशत, 88 सदस्य है, जिनमें से 47 पिछले तीन वर्षों में आए है, जो लगभग 50 प्रतिशत है। हम बहुत तेज़ी से प्रगति कर रहे है और प्रति वर्ष हमें अब 50 नए AKS सदस्य मिल सकते है।

चित्र: रशीदा भगत

Rotary

Project HOPE

Lend your hand to help the victims of the flood-ravaged Kerala & Coorg. Donate a home in your name

@ ₹3,50,000/-

Be the inspiration
to rebuild lives.

Advisors
PRIP Raja Saboo
PRIP Kalyan Banerjee
RIPN Sushil Gupta

RI Director
Basker Chockalingam

Trustee
Gulam Vahanvaty

RI Director Elects
Dr Bharat Pandya
Kamal Sanghvi

District Governors
A Venkatchalapathy
E K Ummer
E K Luke
P Rohinath

Email: projecthope@vncgroup.com

Project Hope

Kerala & Karnataka Disaster Relief & Rehabilitation Project

Pledge Letter to "Donate a home"

I/We Rtn. ______________________ of Rotary Club of __________________________ District __________ confirm my/our pledge to donate homes costing Rs. 3,50,000/- each to a deserving family affected by the recent floods as our to contribution to helping them rebuild their lives by providing them a roof to live under.

On receiving details relating to the beneficiary, we shall transfer an amount of Rs. ________________ (towards the cost of building the shelter) to the following bank account:

Trust Account Name	Rotary Kerala Disaster Relief Fund
Bank	State Bank of India
Branch	Kaloor Deshabhimani Junction, Kaloor, Ernakulam, Kerala
Type	Current account
Account Number	37991066583
IFSC Code	SBIN0070327

Let us '**Be the Inspiration**' to rebuild the lives of our brothers and sisters who have lost their homes! Let us rekindle Hope!

Yours sincerely,

Signature

Name:

Mobile:

Date:

Email id:

Rotary Club of ______________________

Please send the filled form immediately to: **projecthope@vncgroup.com**

मोरादाबाद में पोलियो सदस्यता सेमीनार

वी मुत्तुकुमारण

रोटरी क्लब मोरादाबाद सेंट्रल, मंडल 3100 द्वारा क्लब अध्यक्षों और सचिवों के लिए *परिवृद्धि* नामक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ एक मंडल पोलियो कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें RIDE डॉ भरत पंड्या मुख्य अतिथि थे और उन्होंने मंडल के नेतृत्व से सदस्यता बढ़ाने और प्रभावशाली परियोजनाओं वाले समुदायों तक पहुँचने का अनुरोध किया। ''नए सदस्यों को बनाए रखा जाना चाहिए और उन्हें रोटरी के परियोजनाओं में अच्छी तरह से जोड़ा जाना चाहिए। हमें समुदाय में बेहतर पहुँच बनाने के लिए रोटरी की बेहतर छवि पेश करनी चाहिए,'' वे कहते है।

बाएं से : RIDE भरत पांड्या, INPPC चेयर दीपक कपूर, रोटरी क्लब मोरादाबाद सेंट्रल के अध्यक्ष अनुज अग्रवाल, क्लब सचिव शम्मी पुरी और PDG अखिलेश कोथिवाल।

भारत में पोलियो को जड़ से समाप्त करने में रोटरी की अग्रणी भूमिका पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए, विशिष्ट अतिथि आईएनपीपीसी के अध्यक्ष दीपक कपूर ने कहा कि एनआईडी शिविरों ने भारत को पोलियो मुक्त करने में मुख्य भूमिका निभाई है। ''अब, रोटरी रुबेला और खसरा से लड़ने के लिए ध्यान केन्द्रित कर रहा है जो अनेक लोगों की जाने ले चुका हैं।'' डीजी दीपक जैन ने मंडल में चल रहे कार्यक्रमों को सूचीबद्ध किया।

सेमिनार में लगभग 45 क्लबों ने भाग लिया। पंड्या ने मेजबान क्लब के सदस्यों के मध्य विशेष रूप से डिजाइन किए गए आईडी कार्ड वितरित किए। कार्ड में किसी सदस्य के रोटरी आईडी नंबर सहित उस के बारे में सभी सूचनाओं को प्रदर्शित किया गया है और सदस्य इसे अपने विदेश यात्राओं के दौरान भी उपयोग कर सकते हैं।

क्लब के अध्यक्ष अनुज अग्रवाल का लक्ष्य मौजूदा सदस्यता संख्या 52 को बढ़ाकर 65 तक करना है।

क्लब अध्यक्ष अनुज अग्रवाल की पत्नी भारती अग्रवाल एक लाभार्थी को चश्मा पहनाती हुई। चित्र में (दाएं) क्लब के सचिव शम्मी पुरी भी शामिल हैं।

अन्य सेवा कार्यक्रम

मोरादाबाद में आर्यन इंटरनेशनल स्कूल के इंटरैक्ट क्लब की मदद से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर पर एक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया था। इससे लगभग 250 छात्राओं को लाभ हुआ। स्त्री रोग विशेषज्ञों और कैंसर विशेषज्ञों ने गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के विरुद्ध निवारक उपायों के बारे में छात्राओं को बताया। उन्होंने एनीमिया और मासिक धर्म स्वच्छता जैसे स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर भी छात्राओं को सलाह दिया।

मुरादाबाद मंडल कारागार में लगभग 170 कैदियों के लिए सीएल गुप्ता नेत्र अस्पताल के साथ सहयोग में एक नेत्र-जाँच और ईएनटी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। ■

जन्मदिन की एक शानदार पार्टी के साथ, रोटरी क्लब कोलंबो 90 वर्ष का हुआ

रशीदा भगत

कोलंबो में होटल हिल्टन में आयोजित एक भव्य और शानदार प्रीतिभोज में कोलंबो के रोटरी क्लब की 90वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने के लिए रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने अपने ड्रिंक का गिलास ऊपर उठाया और इस विरासती क्लब द्वारा की गई कुछ महान मानवीय परियोजनाओं का ब्यौरा देते हुए अपना संबोधन शुरू किया।

''वर्ष 1948 में, आपने तपेदिक को रोकने के लिए एक संघ बनाया था। कल्पना कीजिये, बहुत पहले वर्ष 1948 में आपने कहा था: 'हम इस बीमारी से इस देश को मुक्त करने में मदद कर सकते है।' वर्ष 1987 में आपने एक मादक विरोधी संघ शुरू किया'' और ड्रग्स के खिलाफ जंग छेड़ दी। आपने देशभर के अस्पतालों में 2,000 गहन देखभाल बिस्तर उपलब्ध कराने के लिए जापान के रोटेरियनों के साथ साझेदारी की। मैं स्वास्थ्य सेवा उद्योग से हूँ और जानता हूँ कि अस्पताल में एक बिस्तर लगाने की कीमत कितनी होती है और एक अच्छा बिस्तर मरीज़ के स्वस्थ होने में कितना मददगार होता है।

एक अस्पताल को CAT स्कैन उपलब्ध करवाना, 2004 की सुनामी द्वारा नष्ट किये गए एक

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर, PRIP के आर रवींद्रन और श्रीलंका की पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगा के साथ।

PRIP के आर रवींद्रन, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और कोलंबो की मेयर रोसी सेननायके।

आधुनिक प्रसूति अस्पताल का पुनर्निर्माण करना, जिसमें तब से लेकर अब तक 140,000 बच्चे जन्म ले चुके है, और अब देश को ग्रीवा कैंसर से मुक्त करने के लिए परियोजनाओं को लोकार्पण एवं कोलंबो से डेंगू मिटाने के लिए एक पायलट परियोजना का शुभारंभ, ''ये सब वे परियोजनाएं है जो आपके देश को बदल रही है।''

मच्छर जाली बाँटकर डेंगू को उसके स्रोत पर खत्म करने के लिए डीजी दुशान सोज़ा के उत्साह को देखकर वह चकित थे और वह परयोजना की सफलता का बारीकी से निरीक्षण करेंगे क्योंकि इसी प्रकार की या इससे भी बदतर डेंगू की समस्या से पीड़ित बहुत से अन्य देशों को इसके प्रतिरूप से फायदा हो सकता है।

सपनो को साकार करना

''कोई भी रोटेरियनों की तरह सपने नहीं देखता लेकिन हम... वास्तव में आप... उन्हें पूरा करते है। अफ्रीका में एक कहावत है कि यदि आप एक चट्टान उठाते है, तो आप अतीत को छूते है, जब आप एक फूल को उठाते है, तो आप वर्तमान को छूते है, जब आप एक जीवन को छूते है, आप एक भविष्य बदलते है। सोचिये आपने कितनी जिंदगियों को छुआ है और कितने भविष्यों को बदला है... सैकड़ों और हज़ारों लोगों की ज़िंदगियाँ रोटरी क्लब कोलंबो के कारण बेहतर है। वे नहीं जानते कि आपकी अगली योजना क्या है। उनकी तरफ से, मैं यहाँ आपका 'धन्यवाद' करता हूँ।''

एक मर्मभेदी और विचारशील बात करते हुए, रेसिन ने कहा कि 113 सालों से दुनियाभर में रोटेरियनों ने छोटी और बड़ी परियोजनाएं की है। लेकिन अब अगले 100 वर्षों के लिए योजना बनाने की जरूरत है। जबकि रोटरी ने 1980 में पोलियो के सालाना 350,000 मामलों की संख्या को इस वर्ष केवल 18 मामलों पर लाने का यह अत्यंत कठिन कार्य किया है, ''फिर भी अभी 18 बच्चे बाकि है। हमारा कार्य अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है और हमें दुनियाभर के बच्चों से 1985 में किया गया वादा

कल्पना कीजिये, 1,000 बच्चों के लिए दो शौचालय, लेकिन उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि उनके पास कम से कम वह है, और यह कि रोटरी ने उन्हें वहाँ स्थापित किया था। मैं आपके द्वारा उन सभी बच्चों के लिए की गई हर एक चीज़ के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ।

रो ई अध्यक्ष **बेरी रेसिन**

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, PRIP के आर रवींद्रन और PDG कृष राजेंद्रन, रोटरी क्लब कोलंबो और मंडल 3220 के अन्य वरिष्ठ सदस्यों के साथ।

पूरा करना है। हमें डटे रहना है और प्रतिवर्ष 250 मिलियन बच्चों का टीकाकरण करना जारी रखना है। हम इस लक्ष्य से अपनी नजरें नहीं हटा सकते।''

उनके थीम चिन्ह के आयाम

लेकिन जबकि यह रोटरी की नम्बर 1 की प्राथमिकता बनी रही, भविष्य के लिए योजना बनाना एक अन्य प्रमुख कार्य था। उनकी थीम *प्रेरणा बनिए*, जिसका चिन्ह उनकी पत्नी एस्थर द्वारा डिज़ाइन किया गया था, जिसमें उन्होंने बहामास के समुद्री तटों, पानी और सूर्यास्त के जादुई रंगों को कैद किया था जो उनके हिसाब से ख़ुशी और उल्लास का प्रतिनिधित्व करते है, के अंतर्गत विभिन्न मानदंडों को समझाते हुए रेसिन ने कहा कि थीम चिन्ह में एक लहर है। ''एक लहर प्रकृति का एक बल है, और रोटरी बिल्कुल वैसी ही है; एक सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला एक बल। उस लहर के नीचे एक दिल है और वह यह दर्शाता है कि रोटरी के पास एक दिल है, और फिर वहाँ एक जहाज है, जो दिशा निर्धारित करता है। इस प्रकार चिन्ह यह प्रदर्शित करता है कि हम एक हृदय वाला प्रकृति का एक बल है जिसके पास दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने हेतु एक दिशा है। परंतु वह दिशा आपसे... दुनिया के प्रत्येक रोटरी क्लब से आती है।''

उनका कार्य और चुनौती रोटरी को युवाओं और महिलाओं के लिए प्रासंगिक बनाने, और यह सुनिश्चित करने की होगी कि रोटरेक्टरों के रोटरी में परिवर्तित होने की 4 प्रतिशत से भी कम की दर में एक नाटकीय सुधार हो। ''हमें पूछना होगा कि क्या मेरा रोटरी क्लब मेरे समुदाय के पास जाकर यह कहता है कि मैं आपके कार्य का हिस्सा बनना चाहता हूँ? यदि ऐसा नहीं है, तो हमें क्या अलग तरह से करना चाहिए ताकि हम वास्तव में ऐसा संगठन बन सकें जिससे लोग जुड़ना चाहे?''

रेसिन ने आगे कहा, कुछ देशों में, मैं नाम नहीं लूँगा, लेकिन रोटरी की औसतन आयु 70 है!

कुछ देशों में, मैं नाम नहीं लूँगा, लेकिन रोटरी की औसतन आयु 70 है! यह मुझे डराता है; हमें हमारी औसत आयु में कमी लाने के लिए युवाओं को हमारे क्लबों में लाने की आवश्यकता है।

रो ई अध्यक्ष **बेरी रेसिन**

यह मुझे डराता है; हमें हमारी औसत आयु में कमी लाने के लिए युवाओं को हमारे क्लबों में लाने की आवश्यकता है। और हम युवाओं के लिए आकर्षक और प्रासंगिक बनकर एवं उन्हें महत्व देकर ऐसा कर सकते है। अगर हम उन्हें वह अहमियत देंगे, तो लोग हमें छोड़कर नहीं जाएँगे,'' जैसा कि पिछले वर्ष 150,000 सदस्यों ने किया था।

युवाओं को अहमियत देने का एक तरीका है उन्हें व्यक्तिगत नेतृत्व कौशल प्रदान करना। यह कहते हुए कि उन्हें उनके नेतृत्व कौशल रोटरी से प्राप्त हुये चइ- करने से नहीं, रेसिन याद करते है कैसे पहली बार उनके क्लब ने उनसे एक भाषण देने के लिए कहा था और वह बोल नहीं पा रहे थे। ''लेकिन मेरे क्लब ने कहा कोई बात नहीं, फिर कोशिश करो! और फिर कोशिश करो! और मैंने इसे तब तक किया जब तक कि मैं आज आपके सामने खड़े होकर भाषण देने लायक ना हो सका। प्रत्येक रोटेरियन को वह अवसर मिलना चाहिए।''

नेतृत्व कौशलों को विकसित करने में युवाओं की मदद करने के लिए, रोटरी ने रोटरी की विषयवस्तु के साथ नेतृत्व कार्यक्रमों को बनाने के लिए टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की है, और यह सबसे पहले रोटारेकटरों के लिए शुरू किया जाएगा।

रेसिन ने हाल ही में मलावी के एक स्कूल, जिसमें 1,000 बच्चे है और केवल 38 शिक्षक है, का अपनी पत्नी के साथ किये गए दौरे की कहानी के साथ अपना भाषण खत्म किया। ''उस स्कूल का दौरा करते हुए मुझे अचानक एहसास हुआ कि मैंने एस्थर को खो दिया, जो मैं अक्सर कर देता हूँ! आखिर में उन्होंने एस्थर को 200 बच्चों के बीच एक कक्ष में पाया। वहाँ कोई मेज या कुर्सी नहीं थी और तब भी बच्चे खुश थे कि उन्हें कम से कम शिक्षा तो मिल रही है। एक बच्चा, 11 या 12 वर्ष की उम्र का, मेरे पास आता है और मेरी रोटरी पिन की तरफ इशारा करते हुए कहता है मैं जानता हूँ कि स्थानीय रोटरी क्लबों के लोगों ने एक कुआँ खोदा है ताकि हमें पेयजल मिल सके। और फिर उन्होंने दो शौचालय भी बनवाए, ताकि हमारे पास उपयोग करने के लिए शौचालय हो।

कल्पना कीजिये, 1,000 बच्चों के लिए दो शौचालय, लेकिन उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि उनके पास कम से कम वह है, और यह कि रोटरी ने उन्हें वहाँ स्थापित किया था। उसने कहा मैं यह भी जानता हूँ उन्होंने खुद यह नहीं किया, उन्हें अन्य देशों के लोगों से मदद मिली थी। मैं जानता हूँ मैं कभी उन लोगों से नहीं मिल पाऊँगा। लेकिन क्या आप उन लोगों को मेरी तरफ से धन्यवाद कह सकते है?''

भावनाओं से आवेशित रेसिन ने आगे कहा: ''उस 11 वर्षीय की ओर से... मुझे उसका नाम नहीं पता... मैं आपके द्वारा उन सभी बच्चों के लिए की

गई हर एक चीज़ के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ। ना वे आपको कभी देख पाएँगे ना कभी आप उनको देख पाएँगे... जिनकी ज़िंदगियों को आपने छुआ और बदला है, वे महिलाऐं जिन्हें आपने शिक्षा प्रदान की है ताकि वे अपने परिवार को शिक्षित कर सकें, वे हजारों लोग जिन्हें आपने स्वच्छता प्रदान की है, वे उद्यमी जिन्हें आपने माइक्रो क्रेडिट से सुसज्जित किया है... ये सभी चीज़ें जो आप करते है, दुनिया में शांति और समझदारी लाने के हमारे मूल मिशन को पूरा करने में मदद करती है। इन सभी चीज़ों के लिए, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।''

बीते लम्हों की यादें

रोटरी क्लब कोलंबो के साथ अपने 42 वर्षीय संबंध को लेकर पुरानी यादों को साझा करते हुए, पूर्व रोई अध्यक्ष के. आर. रविन्द्रन ने अध्यक्ष द्वारा उनके क्लब को दी गई शुभकामनाओं के प्रत्युत्तर में याद किया कि एक 24 वर्षीय के रूप में अपने प्रस्तावक के साथ अपने क्लब की पहली बैठक के लिए जाते हुए, जब अध्यक्ष डब्ल्यू. क्रोसेट-थम्बियाह, स्विस समूह ए बौर एंड कम्पनी के उपाध्यक्ष, ने ''मेरा परिचय मेरे डर, अतिथि वक्ता, से करवाया।''

वह अपनी पत्नी और कुछ दोस्तों के साथ ओबेरॉय होटल के पब में थे, तो जिस गायक से उन्होंने प्रसिद्ध यहूदी गीत हवा नगीला, जिसे हैरी बेलाफोंट ने लोकप्रिय बनाया, गाने का अनुरोध किया उसने शुरुआत में उसकी विनती को अस्वीकार कर दिया, कमरे में बैठे एक सज्जन की तरफ इशारा करके यह कहते हुये कि: ''वह फ़िलिस्तीन के प्रतिनिधि है।''

''फिर भी, हमने उन्हें वह गीत गाने के लिए मजबूर किया। जिस अन्य अतिथि को शिकायत थी उन्होंने मुझे घूरा, और फ़ौरन ही बाहर चले गए! फ़िलिस्तीन के वह प्रतिनिधि तब हमारे क्लब के अतिथि वक्ता थे जिसमें मैं एक नए सदस्य के रूप में शामिल होने जा रहा था।'' रविन्द्रन की बैचैनी बढ़ाने के लिए, अध्यक्ष ने उन्हें बैठक के दौरान एक पर्ची भेजी और उन्हें धन्यवाद ज्ञापन करने के लिए कहा!

जब में तौर–तरीखें पर विचार करता हूँ जिनकी वजह से आज मेरी जिंदगी कुछ और होती यदि मैं इस रोटरी क्लब से नहीं जुड़ता तो, मुझे एहसास हुआ कि मैं कितना गरीब होता; शायद पैसों से नहीं, लेकिन स्नेह में, सम्मान में, उपलब्धियों में, दोस्तों में, उन सभी चीज़ों में जो बहुमूल्य और लाभप्रद है।

पूर्व रो ई अध्यक्ष के आर रीवंद्रन

बाएं से : TRF ट्रस्टी माइक वेब, एलिसन वेब, PDG गौरी राजन, मंडल 3220 के डी जी दुशान सोज़ा, कार्यक्रम सह-अध्यक्ष निती मुरुगेसु और मनोरी सोज़ा।

दक्षिण एशिया में रोटरी का इतिहास

जब कोलंबो के रोटरी क्लब ने एक शानदार समारोह में अपना 90वां जन्मदिन मनाया जहाँ रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने इस विशिष्ट और महान क्लब द्वारा की गई उत्कृष्ट परियोजनाओं के लिए अपनी ड्रिंक का गिलास ऊपर उठाया, और जहाँ पूर्व श्रीलंकाई अध्यक्ष चन्द्रिका कुमारातुंगा ने भी शिरकत की, PRIP के आर रविन्द्रन ने दर्शकों को एशिया में रोटरी के इतिहास से रूबरू करवाया।

वानती और PRIP के आर रवींद्रन।

''कनाडा के आदरणीय सज्जन, जेम्स व्हीलर डेविडसन जो कैलगरी के रोटरी क्लब से है और जिन्हें एशिया प्रशांत क्षेत्र में रोटरी का सन्देश प्रसारित करने का प्रभार दिया गया था, के कारण इस महाद्वीप में रोटरी वर्तमान स्थिति में उभर पाई है।''

डेविडसन, एक आर्कटिक अन्वेषक और एक पत्रकार, रो ई के निदेशक और उपाध्यक्ष थे और उन्हें रोई से 8,000 के मामूली बजट के साथ प्रशांत, एशिया और सुदूर पूर्व में रोटरी को प्रसारित करने का कार्यभार दिया गया था। लेकिन उन्होंने अपनी जेब से 25,000 खर्च कर दिए थे। 1919 में मनीला क्लब (जो बंद होकर दोबारा शुरू हुआ था), शंघाई (बंद हो गया) और कलकत्ता क्लबों; 1921 में टोक्यों और 1927 में सीओल के माध्यम से रोटरी पहले ही एशिया में प्रवेश कर चुकी थी। लेकिन यह लगभग 10 सालों तक कभी भी कलकत्ता से आगे प्रसारित नहीं हो पाई थी।

फिर 1928 और 1931 के बीच डेविडसन ने संपूर्ण एशिया में रोटरी क्लबों की शुरुआत की; मलेशिया में सेरंबन और कुआलालम्पुर; कोलंबो; 1929 में मद्रास और कराची। सीलोन का रोटरी क्लब कोलंबो मंडल 89 का हिस्सा था, जो अफ़गानिस्तान और बर्मा तक विस्तारित था।

प्रतिष्ठित गैल फेस होटल में आयोजित रोटरी क्लब कोलंबो की उद्घाटन बैठक में, किंग जॉर्ज त का प्रतिनिधित्व करने वाले सीलोन के गवर्नर जनरल हर्बर्ट स्टेनली और 7वीं नौसेना के कमांडर एडमिरल थेसिगर, समेत कोलंबो समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के मध्य, कर्नल टी वाय राईट अध्यक्ष चुने गए थे। ''उस दिन सदस्यता की गुणवत्ता का मानक निर्धारित किया गया था; इससे कुछ समय पूर्व तक संभावित सदस्यों को प्रवेश लेने के लिए तीन साल का इंतजार करना पड़ता था क्योंकि कोई वर्गीकरण उपलब्ध नहीं था।'' क्लब के 64 चार्टर सदस्यों में से, केवल आठ ही सीलोन से थे और बाकि सब अंग्रेज थे।

''मैं बहुत ही घबराया हुआ था। और वह मेरे जीवन का मेरे द्वारा दिया गया पहला भाषण था (अगर आप उस हकलाते हुए प्रयास को भाषण कह सकें तो)!''

लेकिन उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, और जब उन्होंने उन तौर-तरीकों पर विचार किया ''जिनकी वजह से आज मेरी जिंदगी कुछ और होती यदि मैं इस रोटरी क्लब से नहीं जुड़ता तो, मुझे एहसास हुआ कि मैं कितना गरीब होता; शायद पैसों से नहीं, लेकिन स्नेह में, सम्मान में, उपलब्धियों में, दोस्तों में, उन सभी चीज़ों में जो बहुमूल्य और लाभप्रद है। क्लब जो हम में से बहुत लोगों के लिए एक बड़ा परिवार बन गया है, के बिना मेरे पास शायद, निश्चित रूप एक बहुत बड़ा बैंक खाता होता, लेकिन मैं तब भी एक छोटा आदमी होता।''

रविन्द्रन ने अपने क्लब के इतिहास पर दिलचस्प और चटपटी बातों से दर्शकों को प्रसन्न किया। जैसे कि तत्कालीन वर्गीकरण समिति के अध्यक्ष रेव नथानील्ज़ द्वारा की गई चतुर वर्गीकरण पैंतरेबाजी। एक सदस्य कोलंबो के बिशप को क्लब में प्रस्तावित करना चाहते थे, लेकिन समस्या यह थी कि समिति अध्यक्ष ने स्वयं 'धर्म' वर्गीकरण आयोजित किया था। इसलिए उन्होंने स्वयं का वर्गीकरण 'धर्म - फुटकर' और बिशप का वर्गीकरण 'धर्म - थोक' कर दिया!

उत्कृष्ट सदस्यता और परियोजनाएं

क्लब की सदस्यता की गुणवत्ता और उच्च दर्जे को इस तथ्य से आँका जा सकता है कि कोलंबो में कई ट्रंक सड़कों के नाम इसके सदस्यों के नाम पर है - सर जेम्स पिएरिस, सर मोहम्मद मकान मार्कर, सर मार्कस फ़र्नांडो, सर बैरन जयतिल्केे, सर चित्तम्पालम गार्डिनर, इत्यादि, रविन्द्रन ने आगे कहा।

एक पक्की दोस्ती

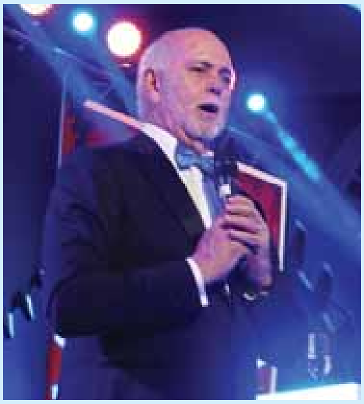

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन।

घनिष्ठता, खुशमिज़ाजी और पारस्परिक सम्मान जो रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और पूर्व अध्यक्ष के आर रविन्द्रन के मध्य है वह रोटरी क्लब कोलंबो की 90वीं वर्षगांठ की भव्य पार्टी में दिखी।

अपना संबोधन शुरू करते हुए रविन्द्रन ने परिहास किया, जब मैं रो ई अध्यक्ष था तो बेरी और मैंने घनिष्ठ रूप से कार्य किया है; मेरे द्वारा उत्पन्न की गई समस्याओं का वह समाधान करते थे और एक अध्यक्ष के रूप में मेरी सफलता बहुत हद तक बैरी के समर्थन के कारण है! और माइक (TRF ट्रस्टी माइक वेब, जिन्होंने उनसे पहले संबोधन किया था) एकदम सही थे। एस्थर उनके परों को उड़ान देने वाली हवा है।''

रविन्द्रन ने फिर रेसिन के विभिन्न मिज़ाजों और उनकी पत्नी के अनुमोदन मापदंड को व्यक्त करने वाली बारीकियों और सूक्ष्म अंतरों को समझाया: ''जब एस्थर कहती है हनी,' डार्लिंग, या लव' बेरी जानते है कि वह सही रास्ते पर है। जब एस्थर कहती है 'बेरी', तो अध्यक्ष जानते है कि उन्हें सतर्क रहना है। लेकिन जब एस्थर कहती है 'रेसिन', वह जानते है कि वह मुसीबत में है। वह वास्तव में अद्भुत है!

रेसिन ने अपने संबोधन में कहा, ''मेरे विचार में, रवि और वनाथी इस संगठन के पहले सबसे बढ़िया युगल है। उनके साथ समय बिताना और नेतृत्व को समझना अच्छा अनुभव रहा।''

पिछले कुछ वर्षों में, उनके क्लब ने रोटरी जगत में उनके द्वारा की जाने वाली ''गुणवत्तापूर्ण एवं सामर्थ्य वाली मानवीय परियोजनाओं, जो करोड़ो रुपयों में चलती है, और जो पिछले कुछ वर्षों में हजारों लोगों की जिंदगियों को छूते हुए इस देश में एक वास्तविक परिवर्तन ला रही है, के माध्यम से स्वयं के लिए एक स्थान निर्मित किया है।''

उनमें से कुछ निम्न है:

- बवंडर से उजड़े हुए मन्नार ज़िले में 45 घरों का पुनर्निर्माण करना।
- सीलोन कैंसर सोसाइटी के गठन का समर्थन करना।
- तपेदिक से निपटने और इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए एक राष्ट्रीय संगठन की स्थापना करना।
- SLANA - श्रीलंका में पहली एंटी-नारकोटिक्स एजेंसी की स्थापना करना।
- लेडी रिजवे बच्चों के अस्पताल के लिए एक ओ पी वार्ड का निर्माण करना।
- जनरल अस्पताल को किडनी डायलिसिस मशीन उपहारस्वरूप देना।
- सैन्य अस्पताल को मिलाकर प्रत्येक सरकारी अस्पताल के खउण को मोटरयुक्त बिस्तरों से सुसज्जित करना।
- 2004 की सुनामी के बाद दक्षिण में एक पूर्ण प्रसूति अस्पताल का पुनर्निर्माण करना।
- शुरुआती कैंसर का पता लगाने के लिए एक केंद्र की स्थापना करना जो अभी तक लगभग 40,000 महिलाओं की जाँच कर चुका है।
- श्रीलंका में ग्रीवा कैंसर की घटनाओं को खत्म करने का उनका नवीनतम कार्य प्रगति पर है, इस कार्य की सफलता के बाद श्रीलंका इस उपलब्धि को हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश होगा।

रविन्द्रन ने आगे कहा, ''ऐसी परियोजनाओं के माध्यम से पिछले 90 वर्षों में, हमने दिखा दिया है कि रोटरी वह जगह है जहाँ लोग जाते है, अपनी जीविका के लिए नहीं, बल्कि अपना योगदान देने के लिए।''

डेंगू पायलट लोकार्पण

बैठक को संबोधित करते हुए, डीजी दुशान सोज़ा ने कहा कि उन्होंने देखा रोटरी का सालों से चला आ रहा परिवर्तन ; यह तथ्य की क्लब 90 सालों से चला रहा हैं हमारे नेता इस का कारण है।

इसके बाद उन्होंने डेंगू पायलट का विवरण दिया जिसका उसी सुबह कोलंबो के मेयर, रोज़ी सेनानायके, के दफ्तर में अध्यक्ष रेसिन द्वारा उद्घाटन करने के साथ ही लोकार्पण किया गया था। ''आज सुबह हमने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है क्योंकि हमें मच्छर पकड़ने के उपकरण के माध्यम से लार्वा चरण में ही डेंगू के स्रोत को खत्म करने की आवश्यकता है। हमारे साझेदार के रूप में सरकार की सहायता के बिना, लोगों के घरों में प्रवेश नहीं कर सकते।''

मंडल द्वारा किया जा रहा एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम, टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल के सहयोग से नेतृत्व सेमीनारों की एक श्रृंखला का आयोजन करने का है ताकि देशभर के उभरते हुए नेतृत्वकर्ताओं की खोज की जा सके।

टीआरएफ ट्रस्टी माइक वेब और एलिसन ने समारोह में भाग लिया जहाँ रविन्द्रन और मौजूदा कैबिनेट मंत्री पीडीजी स्वामीनाथन, जिन्होंने रोटरी क्लब कोलंबो में 40 वर्ष पूरे कर लिए है, समेत अनेक रोटेरियनों को सम्मानित किया गया।

पूर्व अध्यक्ष रुज़ली हुसैन, जो क्लब के 50वें वर्ष में क्लब के सचिव थे जब रोई अध्यक्ष क्लेम रेनौफ़ ने क्लब का दौरा किया था, ने बैठक की अध्यक्षता की थी।

रोटरी क्लब कोलंबो के अध्यक्ष कुमुदु वार्नाकुलासुरिया ने प्रतिभागियों का धन्यवाद किया, खासतौर से समारोह के सह-अध्यक्ष नीती मुरुगेसू का।

चित्र: रशीदा भगत

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी इंटरनेशनल दक्षिण एशिया कार्यालय, पुल्मैन/नोवोटेल कमर्शियल टॉवर,
प्रथम तल, एसेट न. 2, आतिथ्य मंडल, एरोसिटी (आईजीआई हवाई अड्डे के निकट), नई दिल्ली 110037

रोटरी का नया अध्ययन केंद्र शुरू हो गया है!

- माय रोटरी अकाउंट पर लॉग-इन करें, लर्निंग एंड रिफ्रेन्स के अंदर अध्ययन केंद्र उपलब्ध है। किसी विषय पर बहुत से कोर्स करने के लिए प्रतिभागी एक अध्ययन योजना का पालन कर सकते है और आभासी बेज़ हासिल कर सकते है।
- अध्ययन योजना में क्लब अध्यक्षों, अधिकारियों और क्लब के सात अन्य पदों के लिए नवीनतम सामग्रियाँ एवं नियमावली शामिल है। क्लब अध्यक्षों, सचिव, खजांची, सदस्यता, प्रशासन, सार्वजनिक छवि, सेवा परियोजनाएं, रोटरी संस्थान, क्लब केंद्रीय समितियां और सदस्य भर्ती रणनीतियों पर शिक्षाएँ उपलब्ध है।

■ **लचीलेपन के विकल्प द्वारा सदस्यों को आकर्षित करना**

2016 CoL के बाद से, भर्ती किए जाने वाले सदस्यों के लिए निम्नलिखित लचीलेपन के विकल्प मौजूद है।

रोटरी और रोटरेकट क्लबों में दोहरी सदस्यता: रोटरेकटर एक साथ एक रोटरेकट क्लब एवं एक रोटरी क्लब में पृथक सदस्यता ले सकते है। अपने रोटरेकट क्लबों के साथ साझेदारी करें और उन्हें मुख्य रोटरी क्लब से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। रोटरेकटरों के साथ बातचीत युवा सदस्यों के दृष्टिकोण को समझने में मदद करेगी।

बैठक कार्यक्रम को बदलने की क्षमता: क्लब अब उनके बैठक के दिवस एवं समय को परिवर्तित कर सकते है, और बैठकों को रद्द कर सकते है, जब तक कि वे माह में कम से कम दो बार मिलते है। क्लब साक्षात बैठकें, ऑनलाइन बैठकें, साक्षात बैठक में ऑनलाइन सहभागिता की अनुमति, या इन प्रारूपों में से किसी में भी अदला-बदली कर सकते है।

उपस्थिति नियम: क्लब उपस्थिति आवश्यकताओं एवं गैरहाज़िरी के लिए निष्कासन नीतियों को ढीला या कड़ा कर सकते है। हालांकि, क्लबों को गवर्नर के साथ उपस्थिति की रिपोर्ट साझा करनी चाहिए। 85 का नियम: रोटेरियनों को उपस्थिति से मुक्त किया जा सकता है यदि एक या उससे अधिक क्लबों में उनके संयुक्त सदस्यता के वर्ष और उनकी उम्र का जोड़ 85 या उससे अधिक आए, जिसमें उनकी सदस्यता के वर्ष कम से कम 20 होने चाहिए।

ई-क्लब और रोटरी क्लब: पारंपरिक क्लबों एवं ई-क्लबों के मध्य भेद को मिटा दिया गया है। जबकि रोटरी के संवैधानिक दस्तावेजों में से ई-क्लबों के निर्देशों को हटा लिया गया है, ई-क्लब अब स्वयं का नाम एवं प्रचार ऑनलाइन मिलने वाले रोटरी क्लबों के रूप में कर सकते है।

विभिन्न बैठक के विकल्पों एवं उपस्थिति आवश्यकताओं में लचीलेपन का भर्ती होने वाले सदस्यों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। एक अच्छा अभ्यास यह होगा कि नए सदस्यों का साक्षात्कार लिया जाए और उनसे पूछा जाए कि एक सदस्य के रूप में वे क्या करने की आशा करते है। यह अभ्यास इस बात की निष्पक्ष जानकारी देगा कि रोटरी से जुड़ते समय सदस्य आखिर क्या चाह रहे है।

■ **सदस्यता के नियम एवं अहर्ताएं:** सदस्यों के स्थानांतरण, दोहरे एवं माननीय सदस्यों के लिए क्लब उनके अपने नियम निर्धारित कर सकते है। सदस्यता के लिए अनिवार्य अहर्ताएँ केवल इतनी है कि रोटेरियनों को एक वयस्क होना चाहिए जिसने अच्छा चरित्र, ईमानदारी एवं नेतृत्व का प्रदर्शन किया हो; जिसकी उसके व्यवसाय, पेशे एवं समुदाय में अच्छी प्रतिष्ठा हो; और जो अपने समुदाय एवं दुनिया भर में सेवा करने का इच्छुक हो।

■ **नए सदस्यता प्रकार:** क्लब सहयोगी, कॉर्पोरेट, पारिवारिक, या अन्य सदस्यता प्रस्तुत कर सकते है। इन अतिरिक्त प्रकारों को प्रस्तुत करने वाले क्लबों को इन सदस्यों की रिपोर्ट ''सक्रिय'' सदस्यों के रूप में रोटरी को सौंपनी चाहिए ताकि क्लब के इनवॉइस में उन्हें सम्मिलित किया जा सके। अन्य वित्तीय दायित्वों (क्लब देय राशि, भोजन खर्च, इत्यादि), उपस्थिति आवश्यकताओं, और इन सदस्यों से सेवा अपेक्षाओं का निर्धारण क्लब द्वारा किया जाता है। हालांकि, केवल सक्रिय सदस्य पर ही किसी ओहदे के लिए विचार किया जा सकता है और क्लब की मतदान संख्या में भी केवल वे ही शामिल होंगे।

- सीएसआर दल ने मंडल नेतृत्व के साथ सीएसआर दस्तावेज़ साझा किए है जिनमें संदर्भ पत्रक एवं बहुधा पूछे गए प्रश्न सम्मिलित है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया जयश्री जयरमन से *jayashree.jayaraman@rotary.org* पर संपर्क करें।

■ **रोटरी स्थापना माह**

नवम्बर रोटरी का स्थापना माह है। यहाँ कुछ चीज़ें है जिन्हें आप इस बात को सुनिश्चित करने के लिए करना चाहे कि आपके नवम्बर के कार्यक्रम सफल रहे:

- रोटेरियनों को संस्थान के इतिहास और परिवारों एवं समुदायों पर इसके प्रभाव के बारे में शिक्षित करें, रोटरी के कार्यों को अपने सामाजिक मीडिया चैनल पर साझा करें, दूसरे के लिए प्रेरणा बन सकने वाली विशाल परियोजनाओं का प्रचार करें।
- पॉल हैरिस सोसाइटी और एवरी रोटेरियन एवरी इयर जैसे संस्थान के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करें और प्रत्येक रोटेरियन को हर वर्ष टीआरएफ़ के वार्षिक कोष में योगदान करने के लिए प्रेरित करें।
- नए प्रमुख दानकर्ताओं एवं पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्यों को पहचाने एवं उनका धन्यवाद करें।
- पहली बार संस्थान को देने वाले रोटेरियनों का धन्यवाद करें।
- योगदान ना करने वाले क्लबों को संस्थान में ''देने'' के लिए प्रोत्साहित करें।
- उन सदस्यों से बात करें जिन्होंने पिछले वर्ष दिया था पर इस वर्ष नहीं दिया है - उनकी पिछली सहायता के लिए उनका धन्यवाद करें और उन्हें फिर से योगदान करने के लिए आमंत्रित करें।
- ऑनलाइन योगदान देने के लिए रोटेरियनों को प्रोत्साहित करें।

संगोष्ठी अध्यक्ष आर थिनाचंद्रन, नामित मंडल गवर्नरों को संबोधित करते हुए।

Rotary Institute 2018

डीजीएन के जिम्मेदारियों में कटौती की गई

वी मुत्तुकुमारण

नए कौशल सीखने के लिए अपनी नजरों को तेज करें, सहक्रियता के लिए अपनी टीम की मुख्य क्षमताओं को संरेखित करें, अपने क्लबों में सभी के लिए लाभदायक स्थितियों की खोजकरें, और बेहतर प्रबंधन के लिए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें,'' रो ई निदेशक सी भास्कर ने चेन्नई जोन इंस्टिट्यूट के लिए आयोजित प्रशिक्षण सेमिनार में भाग लेने आएं 4, 5 और 6ए प्रक्षेत्रों के 40 मनोनीत डीजी को सलाह दी।

उनकी 'प्रतीक्षा अवधि' के दौरान करने और नहीं करने वाले कार्यों की सूची बनाते हुए निदेशक भास्कर ने आगे कहा कि गवर्नरों का चयन उनके वास्तविक कार्यकाल से दो वर्ष पहले किया जाता है ताकि उन्हें पर्याप्त उद्भवन अवधि दी जा सके जिसके दौरान ''आप पहले मंडल की परियोजनाओं, गतिविधियों को देखकर और प्रणाली को समझकर अपने लक्ष्यों की योजना बना और निर्धारित कर सकते हैं।'' गवर्नर के रूप में वे लोगों को एकजुट करते हैं और उनका विश्वास जीतते हैं ताकि ''लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके और इस प्रक्रिया में आपकी विश्वसनीयता बढ़ेगीं,'' उन्होंने आगे कहा।

सक्रिय बने

भास्कर जी ने डीजीएन से एक सक्रिय दृष्टिकोण को अपनाने का अनुरोध किया और कहा कि ''नेटवर्किंग और अपने मंडल का जुनून के साथ नेतृत्व करते हुए संपूर्ण टीम और क्लबों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा स्रोत बनें।'' उन्होंने चेतावनी दी कि उन्हें मंडल टीम के लिए सदस्यों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए और ऐसे भरोसेमंद सदस्यों का चयन करना चाहिए जिनका रोटरी के छह फोकस क्षेत्रों में एक प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड हो। उन्होंने डीजीएन को अपना पदभार ग्रहण करने से दो महीने पहले मंडल निर्देशिका का निर्माण करने का सुझाव दिया।

रणनीतिक योजना पर एक संवादात्मक सत्र के दौरान आरआईडीई भारत पांड्या ने कहा कि कार्य के साथ केवल एक विजन उनके भविष्य का निर्माण करेगी। ''सेवा कार्यों के साथ हमें अपने क्लबों को जीवंत बनाने की जरू रत है और इसके लिए हमें उनकी कमजोरियों को पहचानना और उन्हें भरने के लिए सक्रि य रहना होगा।''

रोटरी का नया विजन

रोटरी के नए विजन कथन का उल्लेख करते हुए: एकसाथ, हम एक ऐसे संसार को देखते हैं जहाँ लोग एकजुट होते हैं और संपूर्ण संसार, हमारे समुदाय और अपने आप में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए कार्य करते हैं, - पांड्या जी ने कहा, ''हमें लीक से अलग हट कर सोचना चाहिए और पार्श्विक चिन्तन करना चाहिए ताकि 1 जुलाई, 2019 से हम नए चैनल बनाकर सदस्यता में वृद्धि कर सके और उनमें विविधता ला सके।'' उन्होंने भावी नेताओं से नियमित रूप से विचार विमर्श के सत्रों को आयोजित करने का आग्रह किया ताकि उनके मंडलों

की शक्तियों और कमजोरियों का विश्लेषण किया जा सके।

मंडल के नेताओं को प्रशिक्षित करने के कला पर बोलते हुए, आरआईडीई कमल संघवी ने कहा कि निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करना अनिवार्य है। विषय-आधारित संगोष्ठियों (फाउंडेशन, सदस्यता) का अपना प्रभाव है, लेकिन यह भूमिका आधारित प्रशिक्षण सत्र - PETS, GETS, DTTS और DTA है - जो गहनता से जाँच करने पर बल देता हैं क्योंकि वे रोटरी के नेताओं का निर्माण करने में शामिल होते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, ''जितना अधिक आप अभ्यास करेंगे, उतना ही आत्मविश्वास से भरते जाएंगे। विभिन्न विचारों के मध्य सर्वसम्मति का निर्माण करने, सदस्यों के बीच उच्च ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने, और समुदाय में रोटरी की अच्छी छवि बनाने वाले परियोजनाओं को लागू करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

टीआरएफ में योगदान करने पर बोलते हुए, इंग्लैंड से टीआरएफ के वित्त समिति के अध्यक्ष पीआरआईडी माइक वेबब ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि इस वर्ष जून में फाउंडेशन की शुद्ध संपत्ति 1.127 बिलियन डॉलर हो गई थी, जो जून 2017 में 1.058 बिलियन डॉलर थी। उन्होंने एक विशाल एंडोमेंट का निर्माण करने के टीआरएफ के विचार को याद किया और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने वर्ष 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर फंड एकत्र करने के लिए रोटरी क्लबों को फाउंडेशन में उदारता से योगदान देने के लिए अनुरोध किया।

प्रबंधक पद के मुद्दों को संबोधित करते हुए, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वहनवती ने चेतावनी दी कि ''भारत में 1.4 लाख अल्प संख्या रोटेरियन में जिसमें धूर्त लोग भी शामिल है और उनके कारण हमें बदनामी झेलनी पड़ रही हैं'' और कहा कि रोटरी निधि का सुशासन और बेहतर रखरखाव प्रणाली के साथ जिम्मेदार और पारदशी तरीके से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

जबकि टीआरएफ में दान देने के मामले में भारत का दूसरा स्थान है और यह केवल अमेरिका से पीछे है, हालाँकि ''शीर्ष के दो रैंकों के बीच एक दान देने में बड़ा अंतर था जिसे पाटा जाना चाहिए।'' वर्ष 2017-18 में रोटरी को टीआरएफ योगदान के रूप में 373 मिलियन डॉलर मिले थे और इस रोटरी वर्ष में 380 मिलियन डॉलर प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें 150 मिलियन डॉलर का पोलियो फंड (गेट्स फाउंडेशन के 1:2 अनुदान सहित); 137 मिलियन डॉलर की वार्षिक निधि; 61.5 मिलियन डॉलर का एंडॉवमेंट फंड; और 31.5 मिलियन डॉलर का वैश्विक अनुदान और प्रत्यक्ष उपहार शामिल है। वहनवती ने कहा, ''मिलान अनुदान परियोजनाओं के दिनों के विपरीत जब परियोजनाओं के कार्यान्वयन में एक या दो रोटेरियन को शामिल किया जाता था, हमने सर्वोत्तम कार्य-अभ्यास के एक भाग के रूप में बेहतर वित्तीय प्रबंधन और सामुदायिक लाभ के लिए परियोजनाओं के निष्पादन में संपूर्ण क्लब की भागीदारी सुनिश्चित की है।''

रोटरी में महिलाएँ

न्यूजीलैंड के मंडल 9930 की पीडीजी रेविन किर्कमैन ने सुझाव दिया कि महिला सदस्यों को आकर्षित करने के लिए क्लबों को उपस्थिति, बैठक के कार्यक्रम, सदस्यता की लागत जैसे मुद्दों पर लचीलापन दिखाना चाहिए। ''उन्हें अपने साथी और अपने सहकमी सम ूहों के साथ विचारों को साझा करने के लिए एक अनुकूल मंच प्रदान करके रोटरी क्लब की बैठकों में एक सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराने पर ध्यान देना चाहिए'' उन्होंने कहा कि आरआई के 22 प्रतिशत (न्यूजीलैंड में 25 प्रतिशत है) की तुलना में दक्षिण एशिया प्रक्षेत्र (4, 5 और 6 ए)में 10% 0.19 प्रतिशत महिला सदस्यता के साथ लिंग अनुपात की खाई को पाटने के लिए उन क्लबों को अभी बहुत अधिक आधारभूत कार्य करना है।

इससे पहले, मंडल 3232 के पीडीजी जे बी कामदार ने 'डेटा संग्रह और प्रसंस्करण' पर अपने भाषण में कहा कि 66 प्रतिशत रोटेरियन अपनी सदस्यता के पहले दो वर्षों में सदस्यता को छोड़ देते हैं, इसलिए ''परामर्श और सहयोग करना उन्हें बनाएं रखने के लिए महत्वपूर्ण है।'' चार्ट के माध्यम से, उन्होंने दिखाया कि पिछले पाँच वर्षों में प्रक्षेत्र 4 में सदस्यता में अधिकतम 107 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, इसके बाद प्रक्षेत्र 5 में 78 प्रतिशत और प्रक्षेत्र 6ए में न्यूनतम 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

कोरिया में रोटरी पर अपनी प्रस्तुतिकरण के दौरान आरआईडी यूसुसो मून ने कहा कि साप्ताहिक क्लब बैठक युवाओं के लिए रुचिकर बनाया गया था। ''मंडल 3620 के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने अपने कार्यालय को एक परियोजना निगरानी कक्ष में परिवर्तित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप नए क्लबों का निर्माण हुआ, अधिक से अधिक बने और टीआरएफ में अधिकाधिक दान प्राप्त हुआ,'' उन्होंने याद करते हुए कहा।

जोन 5 EMGA सेम पटिबंदला ने डीजीएन से अपने मंडलों में संघर्षरत क्लबों की पहचान करने की रणनीति तैयार करने का आग्रह किया। ''पीडीजी, आईपीडीजी और क्लब के अध्यक्षों से प्रतिक्रि या के साथ एक मंडल नेतृत्व दल बनाया जाएं। और सुनिश्चित किया जाएं कि आपका क्लब *My Rorary* में पंजीकृ त हैं और उनकी नेतृत्व योजना को *Club Central* में साझा करने के लिए अपलोड किया गया है।''

संगोष्ठी के अध्यक्ष आर थेनाचंद्रन ने उनसे सदस्यता को बनाए रखने के मुद्दे का समाधान करने का अनुरोध किया जो दक्षिण एशिया में 70 प्रतिशत से कम है। अब परिदृश्य बदल चुका है क्योंकि ''रोटरी से आपको बहुत उम्मीदें है और आपको योजना और रणनीतिक दृष्टि के साथ सटीक मांगों पर खड़ा उतरना है।''

चित्र : के विश्वनाथन

Star Performers (TRF)

Zone 4		
Trophy	**RI District**	**IPDG**
Highest Total Contribution to TRF	3141	Prafull J Sharma
Highest contribution to Annual Fund	3141	Prafull J Sharma
Highest contribution to Endowment Fund	3141	Prafull J Sharma
Highest Per Capita Giving to Annual Fund	3141	B M Sivarraj
Highest contribution to Polio Fund	3141	T K Ruby

Donor	Trophy	IPDG	District
Nitish Laharry Trophy	Highest Giving to Annual Fund	Prafull J Sharma	3141
Binota and Kalyan Banerjee Trophy	Highest Giving to Endowment Fund	Suresh Mathew	3211
Usha and Raja Saboo Trophy	Highest Giving to Polio Fund	Asha Prasanna Kumar	3190
Usha and Raja Saboo Trophy	Highest Total Contribution to TRF	Prafull J Sharma	3141

IPDG Prafull Sharma receives an award from TRF Trustee Mike Webb in the presence of (from L) RRFC Vijay Jalan, TRF Trustee Gulam Vahanvaty, RI President Barry Rassin and RID C Basker.

IPDG T K Ruby being honoured by RI President Barry Rassin and RID C Basker.

IPDG Vivek Kumar receives award from (from L) TRF Trustee Mike Webb, RI President Barry Rassin and RID C Basker.

— Zones 4, 5 and 6A

Zone 5

Trophy	RI District	IPDG
Highest Total Contribution to TRF	3000	P Gopalakrishnan
Highest contribution to Annual Fund	3232	R Srinivasan
Highest contribution to Endowment Fund	3211	Suresh Mathew
Highest Per Capita Giving to Annual Fund	3232	R Srinivasan
Highest contribution to Polio Fund	3190	Asha Prasanna Kumar

Zone 6A

Trophy	RI District	IPDG
Highest Total Contribution to TRF	3292	Sanjay Giri
Highest contribution to Annual Fund	3250	Vivek Kumar
Highest contribution to Endowment Fund	3291	Brojo Gopal Kundu
Highest Per Capita Giving to Annual Fund	3250	Vivek Kumar

New inductees to Arch Klumph Society

3012 J K Gaur and Usha Gaur

3150 Ravindra Reddy and Sarala Devi Marri

IPDG P Gopalakrishnan and spouse Neelavathi being honoured by TRF Trustee Mike Webb and RI President Barry Rassin.

IPDG Asha Prasanna Kumar being honoured by TRF Trustee Mike Webb, RI President Barry Rassin and RID C Basker.

IPDG R Srinivasan receives his awards from RI President Barry Rassin and TRF Trustee Mike Webb.

IPDG Jawarilal Jain and spouse Sumitra receive the award from RI President Barry Rassin.

Pictures by Hemant Bansal

जलने से बचे हुए लोगों को दूसरा जीवन प्राप्त हुआ

जयश्री

रोटरी क्लब कोयंबटूर मेट्रोपोलिस चुपके से जलने से जीवित बचे लोगों को एक नया रूप और संसार का सामना करने के लिए बेहतर आत्मविश्वास देते हुए उनमें नई आशाओं का संचार कर रहा है।

आज यदि मैं अपनी बेटी को मुस्कुराता हुआ देख सकता हूँ और प्रसन्न हो सकता हूँ, तो इसका सारा श्रेय राजासभापति जी को जाता है। मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए, वह ईश्वर तुल्य है।'' अपनी दस वर्षीय बेटी ईश्वरी, जिसका एक महीने पहले चेहरे के पुनर्निर्माण का उपचार हुआ था, उसके बारे में अनुराधा कहती हैं, ''उन्होंने हम सभी को नया जीवन दिया है।'' जब बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया तो उसका चेहरा जला हुआ और विकृत था, उसका कपाल गंजा हो गया था तथा उसकी अंगुलियाँ आपस में चिपक गई थी। जब वह केवल 18 महीने की थी तब वह आग दुर्घटना का शिकार हो गई थी। ''तब से अनेक डॉक्टरों ने मेरे बच्ची का उपचार किया, लेकिन कोई भी स्थिति को सुधारने में सफल नहीं हो सका, उस समय तक जब एक महीने पहले भगवान ने मुझे इस डॉक्टर के पास भेजा।''

अनुराधा तमिलनाडु के एक छोटे से शहर धर्मपुरी की रहने वाली है। द्वितीय कक्षा के बाद ईश्वरी ने स्कूल जाना छोड़ दिया क्योंकि उसे अपने दैनिक कार्यों को निपटाने के लिए किसी व्यक्ति का सहारा लेना पड़ता था। कोयंबटूर मेट्रोपोलिस (आरसीसीएम) रोटरी क्लब, मंडल 3201 द्वारा उसकी पहचान की गई और उसे कोयंबटूर में गंगा अस्पताल ले जाया गया, जिसके डॉ एस राजासभापति एक सदस्य हैं। वह अस्पताल के निदेशक और प्लास्टिक सर्जरी विंग के प्रमुख भी हैं। छह शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के बाद हाथ और कुछ अंगुलिओं को अलग-अलग किया जा सका, जो उसके बाँह में चिपके हुए थे। वह अब अपने हाथों से खा सकती है और लिख भी सकती है। डॉ राजासभापति कहते हैं, ''हमने खोपडी में गंजेपन के धब्बों को भी कम कर दिया है जिससे वह बहुत खुश है। ईश्वरी अब स्कूल जाने और फिर से पढ़ाई शुरू करने को लेकर आशान्वित हैं।''

बाएं से : तरुण आर शाह, डॉ एस राजासबापति, डॉ एन विजयकुमार, राजेश, रोटरी क्लब कोयम्बत्तूर मेट्रोपोलिस के अध्यक्ष के के चुग और रोटेरियन सी जे नारायण गंगा अस्पताल, कोयम्बत्तूर में।

जयश्री

वर्ष 2012 से कोयंबटूर के गंगा अस्पताल में आग से जीवित बचे हुए लोगों की मदद के लिए निष्पादित किए जा रहे अपनी सर्वोत्कृष्ट परियोजना - होप आफ्टर फायर - के माध्यम से क्लब के साथ परियोजना निदेशक डॉ राजासभापति ने 395 ऐसे जले से बचे हुए लोगों को दूसरा जीवन दिया है। इस परियोजना पर अब तक कुल मिलाकर 408,000 डॉलर खर्च किया गया है। इस उपचार के लिए मरीजों से कोई शुल्क वसूल नहीं किया जाता है, जबकि क्लब अस्पताल व्यय और अन्य उपयोग में आने वाली सामग्रियों का खर्च उठाता है, जबकि अस्पताल सर्जन का शुल्क और अन्य पेशेवर शुल्कों को माफ़ कर इस कार्य में अपना योगदान देता है।

सर्जन कहते हैं, ''आगे की दुर्घटनाओं में बचने वाले अधिकांश लोगों मर जाने की इच्छा व्यक्त करते है, बजाय जीवित रहने और सामाजिक अस्वीकृति और अन्य दुखों को झेलने। बेढ़ंगे और विकृत चेहरे के कारण वे अवसाद-ग्रस्त हो जाते हैं और वृद्ध लोगों में, आजीविका के लिए पैसा कमाना एक बड़ी

चुनौती साबित होती है।'' लेकिन उचित उपचार से इस प्रकार के विकृतियों को ठीक किया जा सकता हैं, वह आत्मविश्वास से कहते हैं। इसके लिए केवल हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहने के बजाय, बहुत धैर्य और उत्साह की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि पुनर्निर्माण के लिए शल्य-चिकित्सा की एक श्रृंखला के उपरांतबाद, मरीज के आकार को बहुत हद तक ठीक किया जा सकता है और सबसे बढ़कर, वह अपने हाथ-पैरों से उत्पादक कार्य करने में सक्षम हो सकता हैं।

डॉक्टर नैंसी (23) में किए गए सुधारों के बारे में बताते है, जो जलने के कारण दोनों घुटनों के साथ केहुनी और गर्दन में गंभीर संकुचन उत्पन्न हो गया था। दो वर्षों तक कष्टप्रद जीवन व्यतीत करने के बाद, उसे रोटरी क्लब ऊटी के रोटेरियन द्वारा क्लब में भेजा गया। वह कहते है कि, ''परिधीय निशान और कडे.अंगों के कारण उसके पैरों को सीधा करना एक बडी चुनौती थी।'' साढे.चार महीने के दौरान अनेकों सर्जिकल प्रक्रियाओं और ग्रैफ्टिंग तथा आगे आठ सप्ताह के दर्दनाक पुनर्वास के बाद, नैंसी आज स्वतंत्र रूप से चलने में सक्षम है। ''लोगों ने सोचा कि यह एक चमत्कार है। इसके लिए हमने ₹4.75 लाख खर्च किये।''

कविता का मामला भी बिलकुल ऐसा ही था, जिसे अपने पति द्वारा आग से बुरी तरह जला दी गई थी। उसका जीवन तो बच गया था लेकिन चेहरा और हाथ गंभीर रूप से विकृत हो गया था। अनेकों प्रक्रियाओं के साथ, कविता अब विश्वास के साथ संसार का सामना कर रही हैं। ''हमने उसे सिलाई सिखलाया और उसे सिलाई मशीन खरीद कर दिया। भूतपूर्व अध्यक्ष तरुन आर शाह कहते हैं, आज उनके पास ग्राहकों के कारण व्यस्त रहती हैं और एक बच्चे को गोद लेने की भी योजना बना रही हैं।''

कविता, अब एक उद्यमी, अपनी सिलाई इकाई चालाती है।

शुरूआत

यह सब तब शुरू हुआ जब राजासभापति और तत्कालीन क्लब अध्यक्ष वेंकटेश कोलकाता से फ्लाइट से वापस लौट रहे थे, जहाँ वे डॉक्टरी के लिए वैश्विक सेवा मानवता पुरस्कार प्राप्त करने गए थे। कुछ सार्थक परियोजना निष्पादित करने को लेकर एक परिचर्चा शुरूहुई, जिसमें डॉक्टर साहब ने सुझाव दिया कि जले हुए लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सुधारात्मक सर्जरी करना बेहतर होगा और यह महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव डालेगी। इसके परिमाणों से अनभिज्ञ, वेंकटेश जी अपनी सहमति दी और इस परियोजना के लिए औपचारिकताओं को पूरा करने पर कार्य करना शुरू किया। ''दो मरीजों और उनके उपचार परिणामों ने उत्साहित होकर हमारे सदस्यों ने अपना पुरजोर समर्थन दिया और आज प्रत्येक सदस्य इस महान कार्य में बहुत अधिक योगदान दे रहा है।''

डॉ राजासबापति एक संभावित रोगी का मूल्यांकन करते हुए, RCCM के अध्यक्ष के के चुग भी चित्र में शामिल हैं।

दो संगीत कार्यक्रमों और 50,000 डॉलर के मिलान अनुदान ने परियोजना के प्रारंभिक चरण को आगे बढ़ाने में मदद की। अब इसे आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त प्रायोजक आगे आ रहे हैं। क्लब के अध्यक्ष चुग कहते हैं, ''हम किसी से भी आर्थिक सहयोग देने के लिए अनुरोध करने के लिए कोई अवसर नहीं गंवाते हैं और उन्होंने हमें कभी खाली हाथ वापस नहीं लौटाया है।''

''हमने जिन मरीजों का उपचार किया है, उनकी अपनी-अपनी कहानी है। लेकिन जब हम उपचार द्वारा मरीज और उनके परिजनों को प्राप्त होने वाले बदलावों और अत्यधिक खुशियों को देखते हैं, तब हम रोटरी की शक्ति और जादू का अहसास होता हैं,'' डॉ राजासभापति कहते हैं। *होप आफ्टर फायर* को *ब्रिटिश मेडिकिल* जर्नल के दक्षिण एशिया पुरस्कार के लिए हाल ही में नामित किया गया है और इसे प्राप्त करने की आशा है। ''प्रचार हमारे लिए बेहतर है। हम संपूर्ण संसार में अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचना चाहते हैं,'' वे आगे कहते हैं। ■

रोटरी मंडलों ने शांति सम्मेलन का आयोजन किया

टीम रोटरी न्यूज़

बेहतर संसार के निर्माण के लिए संघर्षों को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले रोटरी शांति केंद्रों के महत्व पर जोर देते हुए आरआईडीई डॉ भास्कर पांड्या ने कहा कि आइए सबसे पहले हम अपने आप में शांति के लाभदायक प्रभाव को महसूस करें और उसके बाद हम इसे संपूर्ण विश्व में फैला सकते हैं।

वह हैदराबाद में मंडल 3132, 3160, 3181 और 3182 के सहयोग में मंडल 3150 द्वारा आयोजित *सिम्फनी* नामक दो दिवसीय बहु-मंडलीय शांति सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। आरआईडीई कमल संघवी ने अपने जीवन के अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे रोटरी परियोजनाओं और सेवा कार्यों संपूर्ण विश्व में समुदायों में सद्भावना का निर्माण किया है। सभी सत्रों में रोटरी के मुख्य छह क्षेत्रों और सामुदायिक परियोजनाओं की श्रृंखला के माध्यम से वैश्विक शांति को मजबूत करने पर प्रकाश डाला गया।

सम्मेलन के अध्यक्ष पीडीजी जवाहर वाद्लामानी और सचिव पीडीजी सी सुरेश ने सम्मेलन की सफलता के लिए लोजिस्टिक्स सहित व्यवस्थाओं को संभाला।

ध्यान केंद्रित करने वाला मुख्य क्षेत्र

मूल शिक्षा और साक्षरता पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए, पीआरआईडी शेखर मेहता ने कहा कि रोटरी क्लब अपने TEACH कार्यक्रमों के माध्यम ग्रामीण परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन लाने में व्यस्त है। मंडल 3190, डीजी सुरेश हरि, पीडीजी प्रशांत देशमुख, मंडल 3131 और पीडीजी रवि वाड्लमानी, मंडल 3150 के दल के सदस्यों ने निधि एकत्र करने, सीएसआर परियोजनाओं, वर्ग शिक्षण में ई-लर्निंग की भूमिका और समग्रता के लिए स्कूल के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के बारे में अपना विचार व्यक्त किया ताकि देश में बुनियादी शिक्षा पर समग्र प्रभाव डालने में सफलता प्राप्त हो सके।

पीडीजी रमेश अग्रवाल, मंडल 3012 की अध्यक्षता में जल और स्वच्छता सत्र में राष्ट्रव्यापी WinS के पहलों के बारे में चर्चा की गई। ''स्वच्छ भारत मिशन की सफलता के लिए युवाओं को शिक्षित और प्रशिक्षित करना जरूरी है।'' मंडल 3211 के पीडीजी रघुनाथ ने कहा, ''इससे बीमारियों के विरुद्ध उनकी रक्षा करते हुए उनकी उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है।'' अन्य वक्ताओं पीडीजी गणेश भट्ट और जोर्सन फर्नांडीस शामिल थे।

ईएमजीए सैम पतिबंदला ने 'रोग निवारण और उपचार और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य' पर एक सत्र की अध्यक्षता की। स्वास्थ्य देखभाल में रूबेला और खसरे को नई चुनौतियों के रूप में रेखांकित किया गया। जबकि पीडीजी सरत बाबू, मंडल 3150, ने बताया कि कैसे उनके विजन प्रोजेक्ट ने वारंगल जिले के गाँवों का रूप बदल कर रख दिया है, वहीं पीडीजी आर गोपीनाथ ने उदाहरणों के माध्यम यह दिखाया कि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में उनकी स्थायी परियोजनाओं का मंडल 3160 में कितना व्यापक प्रभाव पड़ा है।

पीडीजी रवि वाद्लामानी की अध्यक्षता में आर्थिक और सामुदायिक विकास पर एक और उपयोगी सत्र में, वक्ताओं - पीडीजी मधुरा छत्रपति, मंडल 3190; दीपक पॉपहेले, मंडल 3132; और डीजीई रवि ढोत्रे, मंडल 3131 - पिछड़े क्षेत्रों में चिरस्थायी परियोजनाओं के निष्पादन के माध्यम से सशक्तिकरण से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने पर विचार विमर्श किया गया।

बाएं से : सम्मेलन के अध्यक्ष जवाहर वड़लमाणी, RIDE गण कमल संघवी और भरत पांड्या, शांति सम्मेलन में PRID शेखर मेहता और डीजी रमेश वांगला के साथ।

संबंधित कार्यक्रम

सम्मेलन की मुख्य विशेषताओं में वैश्विक अनुदान परियोजना के अधीन तेलंगाना में 60 स्कूलों में 2,800 से अधिक डेस्क उपलब्ध कराया का वितरण है। शहर के हृदय में केबीआर पार्कमें शांति की सैर में रोटरी के छह फोकस क्षेत्रों पर रोटरी प्लेकार्ड को हाथों में थामें हुए लगभग 800 रोटेरियन, रोटेराक्टर, इंटरेक्टर्स, रोटेरियन की पत्नियों, रोटेरियन के पतियों ने भाग लिया।

शांति सम्मलेन की मुख्य बातों को सारांशित करते हुए, मेजबान मंडल के डीजी रमेश वांगला ने कहा कि भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और विश्व समुदाय के आर्थिक विकास की मौलिक जरूरतों का ख्याल रखने से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है।

इस कार्यक्रम की मेजबानी रोटरी क्लब ग्रेटर हैदराबाद ने की जबकि रोटरी क्लब चाँदनगर और रोटरी क्लब पुरम ने सहयोग दिया। ■

PDG रवि वड़लामणी, PRID शेखर मेहता, RIDE भरत पांड्या और EMGA सेम पटिबंदला फर्नीचर वितरण कार्यक्रम में।

स्कूली शिक्षा के लिए रोटरी ने हिमाचल के साथ गठबंधन किया

टीम रोटरी न्यूज़

पहाड़ी राज्य में महत्वाकांक्षी परियोजना *समग्र* के अधीन स्कूली शिक्षा को बेहतर और उन्नत बनाने तथा संबंधित सुविधाओं को उन्नत करने लिए मंडल 3070, 3080 और हिमाचल प्रदेश के राज्य शिक्षा विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मंडल 3070 के गवर्नर बर्जेश सिंघल और पीडीजी ध्यान चंद ने डीजी प्रवीण चंदर गोयल, मंडल 3080 का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य शिक्षा मंत्री सुरेश भारद्वाज और विभाग सचिव डॉ अरुण शर्मा की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों मंडल हिमाचल सरकार के साथ सहयोग करते हुए ''स्कूली शिक्षा और अन्य संबंधित सुविधाओं को विकसित और उन्नत बनाने के लिए कार्य करेंगे।''

पीडीजी के के धीर, मंडल 3070, जो परियोजना के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक है, उन्होंने कहा कि, ''समझौता ध्यान चंद द्वारा किए गए लगातार प्रयासों का नतीजा है, जिन्होंने सरकार को आश्वस्त किया कि रोटेरियन कर्मदर्शी लोगों हैं और उनका मतलब कार्य को सफलतापूर्वक निष्पादित करना है। और

मंडल 3080 के PDG धियान चन्द (बाएं) और मंडल 3070 के DG बर्जेश सिंघल (दाएं) MoU का आदान प्रदान हिमाचल प्रदेश के राज्य शिक्षा मंत्री सुरेश भारध्वाज (दाएं से दुसरे) के साथ करते हुए।

पॉलियोप्लस अभियान में हमारी सफलता हमारे कार्यो की गवाही देता है।''

दोनों मंडलों में रोटरी क्लब अपने क्षेत्रों में स्थित स्कूलों का सर्वेक्षण करेंगे और शिक्षण मानकों को उन्नत बनाने के लिए अपनी अनुशंसाएं देंगे। डीजी सिंघल ने कहा, ''साझेदार स्कूल के बुनियादी अवसंरचना को बेहतर बनाएंगे और निजी स्कूलों के बराबर होने का प्रयास करेंगे। राज्य सरकार अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी।''

डीजीएन डेविंदर सिंह, मंडल 3070, भूतपूर्व एजी एस एन कपूर और मंडल 3080 के एजी- पंकज दड्वाल, समग्र परियोजना के लिए अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल थे। ■

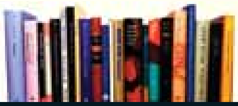

शब्दों की दुनिया

बोत्सवाना में चाय पीने के साथ और भी बहुत कुछ

संध्या राव

एलेग्जेंडर मक्काल स्मिथ की सम्मोहक दुनिया में आत्मा को शांत और मन को प्रसन्न करने के लिए बहुत कुछ है।

यह एक भूरी सी सुबह है। आसमान बादलों से घिरा हुआ है और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बारिश किसी भी समय हो जाएगी, लेकिन बेशक, यह चेन्नई है जहाँ सूर्य प्रचंड रूप से अपने क्षेत्र के लिए सुरक्षात्मक है, इसलिए आप कभी कुछ कह नहीं सकते। फिर भी, हवा ठण्डी है, आसपास के इलाके शांत है। यह समय एक कप गरमागरम लाल बुश चाय के लिए एकदम उचित है, बिल्कुल वैसी जैसी प्रेशियस रामोत्स्वे को पसंद है। वास्तव में, बोत्सवाना के गेब्रोन में एलेग्जेंडर मक्काल स्मिथ की असामान्य श्रृंखला सेट, *'नंबर 1 लेडीज डिटेक्टिव एजेंसी'*, की शानदार जासूस, ममा रामोत्स्वे, की तरह कुछ काल्पनिक पात्र है।

जब मेरी बहन पिछले माह लंदन से आई, तो जो सबसे अच्छा तोहफा वह मेरे लिए लाई थी वह लाल बुश चाय के एक बक्से का था। यह लाल रंग की और मिट्टी की खुशबू देने वाली चाय मुझे बेहद पसंद है। सबसे अच्छी बात, हर बार जब भी मैं चुस्की लेती हूँ, तो यह मुझे मक्काल स्मिथ द्वारा रचित असंख्य अविस्मरणीय लोगों, और उनके स्पष्ट विवरण द्वारा मुझे काल्पनिक रूप से ले जाई गई विभिन्न जगहों के बारे में याद दिलाती है। एक बार, उनके पास एक अपराध कथा लेखक, इयान रैंकिन, भी थे जिनकी किताबों में अपना अलग ही आकर्षण होता है, एक मयखाने में बैठकर अपनी एक किताब में उन्होंने लिखा था, जो एडिनबर्ग से शुरू होती है - यह शायद इसाबेल डलहौज़ी के कोई उपन्यास में हो सकता है, या फिर *44 स्कॉटलैंड स्ट्रीट* के बारे में लिखी श्रृंखला में। चाहे जिसमें भी हो, किसी उपन्यास में एक वास्तविक जीवंत लेखक की झलक देखना रोचक था!

ज़िम्बाब्वे के बुलावायो में पैदा हुए मक्काल स्मिथ ने कानून की पढ़ाई एडिनबर्ग से की थी। जब वह बेलफ़ास्ट में क्वींस यूनिवर्सिटी में पढ़ा रहे थे, तो उन्होंने बच्चों की एक किताब और वयस्कों की एक किताब के साथ एक लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पहले वाली किताब को पुरस्कार मिला। उन्होंने बोत्सवाना विश्वविद्यालय में कानून पढ़ाया और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में चिकित्सा कानून के प्रोफेसर भी थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके उपन्यासों में इन दो देशों की इतनी प्रमुखता क्यों है; वह इन्हें गहराई से जानते है और उनकी किताबें इन देशों के लिए उनके प्रेम को बयां करती है।

विकिपीडिया के हिसाब से, वह अब एडिनबर्ग के एक घर में रहते है, जो जे के रोलिंग (हाँ, हैरी पॉटर!), इयान रैंकिन (*क्नोट्स एंड क्रॉसेस, द हैंगिंग गार्डन, इन ए हाउस ऑफ़ लाइज*) जैसे अपने इंस्पेक्टर रेबुस उपन्यासों के लिए प्रसिद्ध) और केट एटकिन्सन (*बिहाइंड द सीन्स एट द म्यूजियम, लाइफ आफ्टर लाइफ, ए गॉड इन रुइंस, ट्रांसक्रिप्शन*), जिन्हें पढ़ने की मैं आशा रखती हूँ, के घरों के नजदीक है। मक्काल स्मिथ की विभिन्न अभिरुचियाँ उनके लेखन में प्रतिबिंबित होती है: लिटिल बर्टी जो *44 स्कॉटलैंड स्ट्रीट में* दिखाई देती है संगीत की शिक्षा लेती है; इसाबेल डलहौज़ी की श्रृंखला में जेमी एक संगीत शिक्षक है जो बसून सिखाता है; इसाबेल स्वयं एक दार्शनिक है जो नैतिकता के सवाल पर गहनता से विचार करती है; लोग दूर-दूर की यात्रा करते है, वे भावनाओं के साथ खेलते है और जटिल रिश्तों में उलझ जाते है, उनमें से कुछ पर्यावरण प्रेमी होते है, बाकी शहरी मनुष्य होते है।

मक्काल स्मिथ की किताबों में समझने के लिए बहुत कुछ है, उसमें सोचने और विचार करने के मौके है, क्षणों और आशयों का ङआनंद लेने के अवसर है एवं कोई चरित्र क्या कह सकता था या कर सकता था या जिन परिस्थितियों का वर्णन लेखक कर सकता था, की रोशनी में अपने जीवन पर विचार करने की संभावनाएं है। उनकी प्रत्येक किताब, इससे कोई फर्क

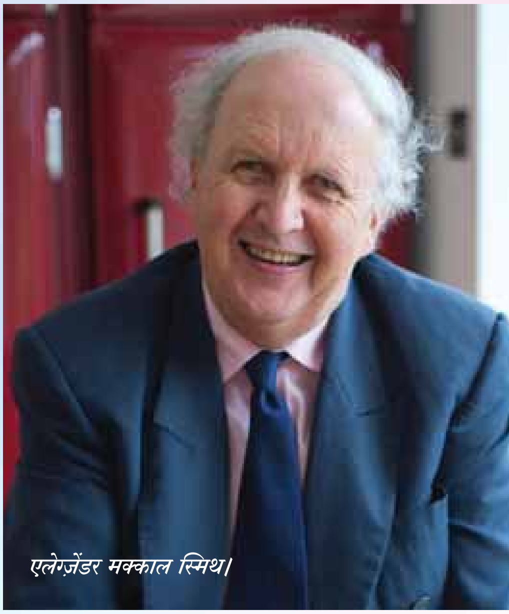

एलेग्ज़ेंडर मक्काल स्मिथ।

मक्काल स्मिथ की प्रत्येक किताब, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह आपकी पसंदीदा सूची में किस स्थान पर है, पाठक से घनिष्टता से, काव्यात्मक रूप से, स्पष्ट रूप से जी गई जिंदगियों से और महसूस की गई भावनाओं से बात करती है।

नहीं पड़ता कि वह आपकी पसंदीदा सूची में किस स्थान पर है (मेरी सूची में तो लगभग सभी काफी ऊपर है), पाठक से घनिष्टता से, काव्यात्मक रूप से, स्पष्ट रूप से जी गई जिंदगियों से और महसूस की गई भावनाओं से बात करती है।

शायद इसी ने लेखक को 2014 में हेब्राइड्स में निर्जन टापुओं की श्रृंखला, जिसे केर्न्स ऑफ़ कॉल कहा जाता है, खरीदने के लिए प्रेरित किया हो - यह जानकारी विकिपीडिया से ली गई है। स्पष्ट रूप से उन्होंने कहा, ''मैं उनके साथ कुछ नहीं करना चाहता हूँ, और यह सुनिश्चित करने के लिए, मेरे जाने के बाद, वे ट्रस्ट के पास अक्षत और निर्जन रूप से रहेंगे, राष्ट्र के लिए। मैं उन्हें वन्यजीवों - पक्षियों और सीलों एवं उन सभी जीवों जिनका वे घर है - के लिए एक अभ्यारण के रूप में शाश्वत रखना चाहता हूँ।''

पूर्व में उल्लेखित दो श्रृंखलाओं के अलावा, मक्काल स्मिथ की अनेक श्रृंखलाएं चल रही है। सेंट्रल लन्दन के पिम्लिको के एक अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के बारे में एक कॉरडरॉय मेन्शन श्रृंखला है; प्रोफेसर वोन इगेलफील्ड मनोरंजन श्रृंखला है; बच्चों के लिए युवा प्रेशियस रामोत्स्वे के बारे में श्रृंखला है; और फिर हेरिएट बीन, मैक्स और मेडी, अकिम्बो, स्कूल शिप टोबरमोरी के बारे में किताबें है; बच्चों के उपन्यास, वयस्क उपन्यास, अकादमिक ग्रंथ, कविताएँ है। कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने पूर्णकालिक लेखन के लिए चिकित्सा कानून त्याग दिया!

वह हार्पर-कॉलिंस प्रकाशकों द्वारा शुरू की गई ऑस्टेन प्रोजेक्ट नामक किसी चीज़ का भी हिस्सा थे: इसमें समकालीन लेखकों द्वारा जेन ऑस्टेन के प्रसिद्ध उपन्यासों में से छह का पुनर्लेखन भी शामिल था। निजी तौर पर, मुझे लगता है यह परियोजना शुरुआत से ही बर्बाद थी; कौन संभवतः ऑस्टेन को पछाड़ सकता था? मक्काल स्मिथ ने *एम्मा* लिखी। वह कहते है कि यह चॉकलेट का बक्सा दिये जाने जैसा था, लेकिन पाठकों के लिए, मुझे डर है, खाने में चॉकलेट बहुत कड़वी हो सकती थी। 2015 के 'द ऑस्टेन फियास्को?' नामक एक लेख में, देबोराह याफ्फे लिखती है, अविश्वसनीयता-की-बिन्दु-तक-निष्ठा की जगह, हमें किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा एम्मा का नया रूप मिलता है जिसे शायद मूल कृति कुछ खास पसंद नहीं है। वह आगे कहती है, ''यहाँ-वहाँ, मक्काल स्मिथ उनके द्वारा लिखी जा सकने वाली मज़ाकिया, श्रद्धाहीन किताब की झलकियाँ पेश करते है। हार्टफील्ड कर्मचारियों को बदनाम करते हुए, *एम्मा* नग्न अवस्था में हेरियट को चित्रित करती है।

जॉन नाइटली एक लम्बे बाल और टैटू रखने वाले फैशन फोटोग्राफर है जो इसाबेला को अपनी मोटरसाइकिल पर उड़ा ले जाते है। उम्रदराज हिप्पी श्रीमती गोद्दार्ड बॉक्स हिल पिकनिक पर सबको हैश ब्राउनी देती है। यह ऑस्टेन नहीं है, लेकिन जब तक यह अपने दम पर मनोरंजक है, किसे परवाह है? एक नीरस श्रद्धालु अनुकरण के बजाय मुझे एक जीवंत, लेस्बियन थीम वाली, मारिजुआना से प्रभावित *एम्मा* पसंद होगी। आह, मक्काल स्मिथ उनके तरसाने वाले संकेतों को उनकी पूर्ण हास्यप्रद या विध्वंसकारी क्षमता के लिए दुहने में असफल रहते है... जहाँ ट्रोलप (जोआन्ना ट्रोलप: *सेन्स एंड सेंसिबिलिटी*) और मैकडर्मिड (वाल मैकडर्मिड: नोर्थेंगर ऐबी) उनके अद्यतन को बहुत गंभीरता से लेते है, ऑस्टेन के टेम्पलेट का अनुकरण करते हुये भले ही उसका कोई अर्थ ना निकले, वहीं ऐसा लगता है मक्काल स्मिथ ने अपनी किताब को गंभीरता से नहीं लिया है।''

मुझे आपकी किताबें पसंद है। उन्होंने अपनी पुस्तक को एक ओर रख दिया, हँसे और फिर लगभग एक घंटे तक हमने काफी दिलचस्प बातें की।

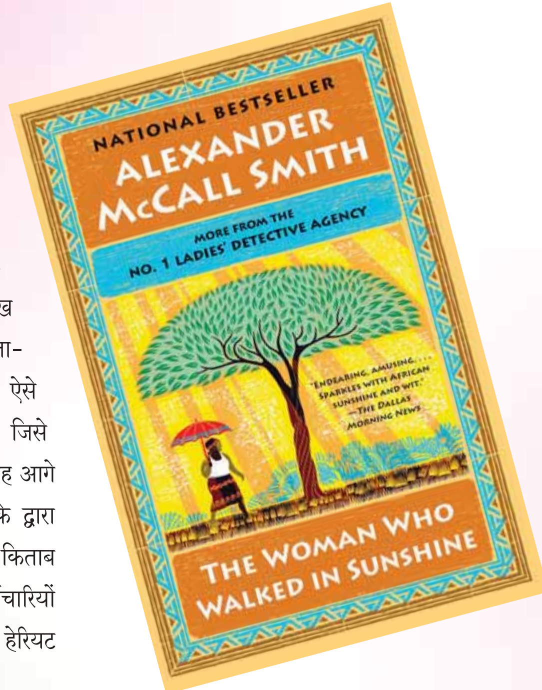

कटु है, यद्यपि कुछ लोगों को लगता है पुनः लिखी गई किताबों में से उनके द्वारा लिखी गई किताब सर्वश्रेष्ठ है। मेरे हिसाब से, यह मक्काल स्मिथ की अद्भुत प्रस्तुतियों में एकमात्र 'धब्बा' है क्योंकि मैं मानती हूँ कि मैंने भी इसे स्वीकार नहीं किया। मुझे यह उबाऊ लगी, यह शब्द आप कभी भी मक्काल स्मिथ के लिए उपयोग नहीं करेंगे। लेकिन यह उन्हें केवल मनुष्य बनाता है, है ना? और मैं जानती हूँ वह ऐसे है क्योंकि मैं उनसे कुछ वर्ष पहले *हिन्दू लिट फॉर लाइफ* में मिली थी, जहाँ वह लेखकों के प्रतीक्षालय में चुपचाप बैठकर एक किताब पढ़ रहे थे। मुझे अपनी किस्मत पर यकीन नहीं हो रहा था। मैं उनके समीप बैठी और फिर चालाकी से उनके पास गई और कहा, ''क्षमा करें। मुझे आपकी किताबें पसंद है।'' उन्होंने अपनी पुस्तक को एक ओर रख दिया, हँसे और फिर लगभग एक घंटे तक हमने काफी दिलचस्प बातें की।

हालाँकि इस लेख को लिखते समय प्रत्येक शब्द के साथ मैं संघर्ष और कश्मकश कर रही हूँ, फिर भी मुझे चिंता नहीं है क्योंकि मुझे पता है कि वह मेरी तरह ही लालायित पाठकों, जो कहते है: महोदय, मुझे कुछ और चाहिए! की इच्छा पूरी करने हेतु किसी उपन्यास को पूर्ण करने के लिए एक घंटे में हजारों शब्द लिख रहे होंगे।

रोटरी क्लब मन्नारगुड़ी - मंडल 2981

रोटरियनों ने शहर के मनो विश्वालय वृद्धाश्रम का दौरा किया और वहाँ रुककर वरिष्ठजनों के साथ कुछ समय बिताया। क्लब की वार्षिक अन्नपूर्णा परियोजना के तहत उन्होंने रहवासियों के लिए भोजन प्रदान किया।

रोटरी क्लब रासीपुरम - मंडल 2982

सनारपुदुर ग्रामीण प्राधिकरण को डीजी निर्मल प्रकाश ने एक ठेला सौंपा। जिसका इस्तेमाल मृतकों के शव को अंतिम संस्कार हेतु शमशान ले जाने के लिए किया जाएगा।

रोटरी क्लब दिल्ली मयूर विहार - मंडल 3012

डीजी सुभाष जैन, पीडीजी रमेश अग्रवाल और पीडीजी शरत जैन की उपस्थिति में ईस्ट दिल्ली के महापौर बिपिन बिहारी सिंह द्वारा एक सार्वजनिक उद्यान में निर्मित नए शौचालय का उद्घाटन किया गया।

रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन - मंडल 3000

क्लब द्वारा प्रायोजित लक्ष्मी स्कूल के इंटरैक्ट क्लब ने केरल बाढ़ राहत कोष हेतु धन एकत्रित करने के लिए एक सांस्कृतिक मेले का आयोजन किया। कार्यक्रम के माध्यम से इंटरैक्टरों ने ₹2.3 लाख एकत्रित किए।

विधियाँ

रोटरी क्लब भुसावल - मंडल 3030

इस शिविर से 50 से भी अधिक वरिष्ठजन लाभान्वित हुये जिसे विशेष रूप से उनके लिए आयोजित किया गया था। रोटेरियन नारायण अर्विकर और रोटेरियन डॉक्टर माया अर्विकर के नेतृत्व में डॉक्टरों के एक दल ने मरीजों का परीक्षण किया।

रोटरी क्लब होशियारपुर - मंडल 3070

रोटेरियनों ने अज्जोवाल गांव के आचार्य सुशील मुनि धर्मार्थ अस्पताल में 2500 पौधे रोपे। डीजी बृजेश सिंघल और आचार्य विवेक मुनिजी सम्मानित अतिथि थे।

रोटरी क्लब पांवटा साहिब - मंडल 3080

एक ट्रैफिक जागरूकता अभियान के तहत रोटेरियनों ने ट्रकों एवं भारी वाहनों पर परावर्तक स्टिकर चिपकाए। कार्यक्रम के अंतर्गत 100 से अधिक स्टिकर चिपकाए गए जिनकी लागत ₹17,000 आई।

रोटरी क्लब मोरादाबाद अचीवर्स - मंडल 3100

क्लब ने शहर के सृजन स्कूल में एक WinS परियोजना शुरू की। उनकी जरूरतों का आंकलन करने हेतु स्कूल में एक सर्वेक्षण किया गया।

रोटरी क्लब रूद्रपुर मंडल 3110

हैप्पी स्कूल परियोजना के अंतर्गत क्लब ने एक स्कूल परिसर की मरम्मत की और कक्षाओं को कंप्यूटरों से सुसज्जित किया। स्कूल प्राधिकरण ने रोटेरियनों के इस विचारशील भाव प्रदर्शन के लिए उनका धन्यवाद किया।

मंडल गति

रोटरी क्लब माऊ नाथ भंजन - मंडल 3120

माऊ के एक प्राथमिक स्कूल में खेल सामग्रियां दान की गई और विद्यार्थियों को किताबें एवं अन्य लेखन सामग्रियां दान की गई।

रोटरी क्लब बॉम्बे बेव्यू - मंडल 3141

बॉम्बे इंस्टीट्यूशन ऑफ डेफ एंड म्यूट्स, मझगांव, के छात्रों को क्लब के सदस्यों ने 30 श्रवण सहायक दान किए। बायकुला पुलिस स्टेशन के साथ साझेदारी में विद्यार्थियों के लिए 'अच्छा स्पर्श, बुरा स्पर्श' पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब हीरानंदानी एस्टेट मंडल 3142

क्लब सदस्य मनोज हरिसिंघानी ने भिवंडी के दो स्कूलों को ₹14,000 की ई-अध्ययन किटें बांटी। छह रोटेरियनों ने आठ दृष्टि-बाधित बच्चों की वार्षिक शिक्षा प्रायोजित की।

रोटरी क्लब नेल्लौर - मंडल 3160

क्लब ने रोटरी क्लब साओ पोलो पेर्केबू, मंडल 4610, ब्राज़ील; रोटरी क्लब नंद्याल और मंडल 3160 के साथ दो गांवों के दो स्कूलों में दोहरी मेजें प्रायोजित की।

रोटरी क्लब एचडी कोटे - मंडल 3181

क्लब सदस्यों द्वारा एक सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन की किताबें उपहार स्वरूप दी गई। ये किताबें विद्यार्थियों की कैरियर के विकल्पों एवं संबन्धित डेटा द्वारा मदद करेगी।

विधियाँ

रोटरी क्लब अंबलपेड़ी - मंडल 3182

₹24,000 की लागत से एसवीएसटी प्राथमिक स्कूल के 40 विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म उपहार में दी गई और ₹72,000 में उडुपी के अज्जरकड़ शासकीय उच्च विद्यालय में एक शौचालय खंड का नवीनीकरण किया गया।

रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

अनाज, गम बूट, कंबल, सफाई सामग्रियाँ और महिलाओं एवं बच्चों के लिए कपड़ों जैसी एक ट्रक भरकर बाढ़ राहत सामग्री को केरल के कुट्टानाद ज़िले में एडाथुआ स्थित एक शिविर में पहुंचाया गया।

रोटरी क्लब गुवाहाटी सिटि - मंडल 3240

शहर के जलराम भक्त मण्डल में एक नेत्र एवं मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया। एक प्रतिष्ठित नेत्र सर्जन द्वारा 120 से अधिक मरीजों, जिनमें बच्चे भी शामिल थे, की जांच की गई।

रोटरी क्लब दमोह मंडल 3261

मंदिरों, बस स्टैंड और भवन परिसरों समेत शहर के प्रमुख स्थानों पर पौधारोपण मुहिम चलाई गई। क्लब सदस्यों ने स्कूलों का दौरा किया और बच्चों को उनके स्कूलों में पौधारोपण में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया।

रोटरी क्लब कलकत्ता मिडटाउन - मंडल 3291

नरेंद्रपुर में राम कृष्ण मिशन की ब्लाईंड बॉयज़ अकादमी को एक मछली घर दान किया गया ताकि दृष्टि बाधित विद्यार्थियों को संस्थान में मछली पालन में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा सके। परियोजना की लागत ₹40,000 आई।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

LBW

एक गड्ढे में स्थिर गेंद डालने वाला मूर्खतापूर्ण खेल

टी सी ए श्रीनिवासा राघवन

पिछले वर्ष, मैं अपने एक 50 वर्ष से भी अधिक उम्र के दोस्त से पूर्ण रूप से चिढ़ गया था। वह एक बहुत ही प्रभावशाली व्यक्ति है, एक तमिल मुहावरे का उचित उदाहरण जिसमें नायक कहता है कि उसके खरगोश के हमेशा तीन पैर होते है। वह एक उत्कृष्ट खिलाड़ी भी है और उसने टेनिस, टेबल टेनिस और फुटबॉल में अपने कॉलेज और यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया है। लेकिन उम्र के साथ, उसकी रूचि गोल्फ में हुई, जिसमें उसने, आशा के अनुरूप, श्रेष्ठता हासिल की। वास्तव में, वह गोल्फ की पूजा करता है और इसके चमत्कारों एवं खूबियों की बात करने की उसकी आदत है।

इसलिए मैंने उसको उसकी औकात बताने का सोचा। आप कल्पना कर सकते है कि उसकी प्रतिक्रिया क्या हुई होगी जब मैंने उससे कहा, कुछ हद तक उसे भड़काने के लिए और कुछ हद तक इसलिए क्योंकि मैं सचमुच ऐसा सोचता हूँ, कि गोल्फ एक मूर्खतापूर्ण खेल है जिसमें आपको एक स्थिर गेंद को एक स्थिर गड्ढे में डालना होता है। कोई अन्य उचित खेल ऐसे नहीं होते। मैंने पूछा, एक मुड़ी हुई छड़ी से घास के चारों तरफ घूमकर एक सफ़ेद गेंद को मारने में कौशल कहाँ है? इसके बजाए केरम क्यों ना खेलें? या कंचे? एक ही बात है: स्थिर सिक्का, स्थिर गड्ढा और इससे भी बेहतर है, आप बैठे होते है। या, अगर आप केवल एक सुखद परिवेश में ही चलना चाहते है, तो एक बढ़िया से पार्क में क्यों ना जाएं, कुछ खेलने जैसा नाटक क्यों करना?

एक मुड़ी हुई छड़ी से घास के चारों तरफ घूमकर एक सफ़ेद गेंद को मारने में कौशल कहाँ है? इसके बजाए केरम क्यों ना खेलें? या कंचे?

क्रिकेट को देखो, मैंने कहा, जहाँ एक बड़ी सी गेंद 100 मील प्रतिघंटे की रफ़्तार से आपकी ओर आती है। वह हवा में जाती है। वह पिच पर उछलती है, कभी-कभी सीधे आपके कान के पास से गुजरती है। यदि वह आपको गलत जगह पर लग जाती है तो आप अच्छे नहीं हो सकते। और लोहे की छड़ी के बजाए आपके पास एक लकड़ी का बल्ला होता है जो मुश्किल से चार इंच चौड़ा होता है। रन बनाने के लिए आपको उससे गेंद को मारना पड़ता है। वहाँ ग्यारह आदमी आपको रोकने की कोशिश करते है। इसमें असली कौशल है, मैंने कहा, ना कि एक स्थिर गेंद को एक स्थिर गड्ढे में डालने में। यहाँ तक कि बैडमिंटन ही बेहतर है, शटलकॉक सभी दिशा में घूमती है - या गिल्ली डंडा जिसमें जब आप गिल्ली को मारते है तो वह घूमती हुई ऊपर की तरफ जाती है। फिर मैंने सभी अन्य खेल गिनाए जिनमें गतिविधि को सँभालने की क्षमता से कौशल को मापा जाता है।

गोल्फ, मैंने उसे याद दिलाया, स्कॉटलैंड के चरवाहों द्वारा किए जाने वाले कार्य - पत्थरों को मारने के लिए अपनी मुड़ी हुई छड़ी का इस्तेमाल करना - से विकसित हुआ जिसे वे अपनी भेड़ों के साथ घूमने के दौरान किया करते थे। आप कल्पना कर सकते है वे कितने उबाऊ होंगे। मारो। चलो। मारो। चलो। मारो चलो। मेरा मतलब है, कितना मूर्खतापूर्ण और नीरस। लेकिन तुम एक अनुभवी व्यक्ति हो, समृद्ध हो, बिल्कुल भी नीरस नहीं हो, तो फिर क्यों तपती धूप एवं बरसात और ओलावृष्टि एवं कड़कड़ाती ठण्ड में एक छोटी सफ़ेद गेंद को एक बड़ी सी लोहे की छड़ी से मारकर ज़मीन में एक झंडे से चिन्हांकित एक दूरस्थ गड्ढे में डालने के लिए मीलों चलना? सिर्फ इतना ही नहीं: एक ऐसे साथी का क्या अर्थ है जो अपने कंधे पर आपके गोल्फ बैग के साथ आपके पीछे-पीछे चलता है? गोल्फ गाड़ी क्यों है? मेरा मतलब है, यह खेल कितना मूर्खतापूर्ण है जिसमें चलना नियत है लेकिन यह मैदान, या कोर्स जैसा इसे कहा जाता है, में मोटरयुक्त वाहन प्रदान करता है। यदि विचार मेल-जोल बढ़ाने का है, मैंने उससे पूछा, तो इतनी समस्या क्यों झेलना? जो लोग गोल्फ नहीं खेलते वे कैसे मिलते-जुलते है? और देखें कि इसके लिए आपने क्या कीमत चुकाई है जबकि आप इसे मुफ्त में *Facebook* या *Twitter* पर यहाँ तक कि अच्छे पुराने *Google Groups* पर भी कर सकते है। गोल्फ की तरह सब समान है, किसी विशेष कौशल की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कीबोर्ड और स्क्रीन दोनों स्थिर होते है।

मेरे दोस्त की प्रशंसा करनी चाहिए कि उसने मुझे सुना। वह नहीं भड़का। उसने गोल्फ की वकालत नहीं की जिसकी उम्मीद मैंने उससे की थी। ''अब मैं मूर्खों के साथ बहस नहीं करता हूँ,'' उसने धीरे से कहा। हम अब भी दोस्त है। और अब वह मुझे अपने गोल्फ क्लब में आमंत्रित नहीं करता है। ■

ROTARY SERVICE PROJECTS

VIDEO CONTEST

2018-19

Calling all **Rotary clubs in Zones 4,5 & 6A** to participate in this contest and win exciting cash prizes.

Club Presidents/Secretaries can submit one video (not more than **three minutes**) of the club's service projects implemented in the year, under The **Rotary Foundation's Six Areas of Focus:**

- **Peace and conflict prevention/ resolution**
- **Disease prevention and treatment**
- **Water and sanitation**
- **Maternal and child health**
- **Basic education and literacy**
- **Economic and community development**

The contest will be judged by an esteemed panel convened by RID C Basker.

The **top 3 entries** (from each of the **RI Zones of 4, 5 & 6A** India) will win the following cash awards:

1st Prize: INR 100,000

2nd Prize: INR 50,000

3rd Prize: INR 25,000

Rotary

The last date of submission of videos is **May 31, 2019.**

Video entries may be sent to **rotaryprojectsvideo@gmail.com** or mailed to **Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai - 600 008, Tamil Nadu.**

Alternatively, clubs can upload the video on **YouTube** and share the URL link to the above mail id.

Please include the following too:
Club Name and District, Contact Person and Email Id/Phone number, Name of the Video/Project and the URL Link.

Only Hi-res videos will be accepted. Videos can be in the format: **MOV, MP4 (MPEG4), AVI, WMV, FLV, MKV, VOB.**

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

ADVT